राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

जो लिखेगा, वही टिकेगा

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें.....
9511151254

@swatantraprabhatmedia @swatantramedia RNI.No. UPHIN/2019/79073 (epaper.swatantraprabhat.com) @SwatantraPrabhatonline news@swatantraprabhat.com

लखनऊ से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

लखनऊ, शनिवार, 04 अप्रैल 2026

वर्ष 07,अंक 181, पृष्ट 12,मूल्यः 03 रुपया

www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

अव्यवस्था की आग में झुलसता बचपनः टिकरा सामद के विद्यालय में गैस के बजाय चूल्हे पर बन रहा...03

असम में डबल इंजन सरकार को खींचने के लिए रथी-महारथियों के उमड़ी भीड़...12

फूलों की बारिश और 'भारत माता की जय' की गूंज... पुडुचेरी में पीएम मोदी के रोड शो में उमड़ा जनसैलाब

● प्रधानमंत्री मोदी ने पुडुचेरी विधानसभा चुनाव के लिए रोड शो किया. इसमें जनसैलाब उमड़ा. रोड शो 'भारत माता की जय' और 'जय श्री राम' के नारों से गूंज उठा. इस दौरान विदेशी नागरिकों का भी उत्साह देखने को मिला. यह रोड शो लगभग एक घंटे चला, जिसमें प्रधानमंत्री का भव्य स्वागत हुआ

पुडुचेरी में विधानसभा चुनाव को लेकर पीएम मोदी ने शुक्रवार को एक रोड शो किया, जिसमें जनसैलाब उमड़ा. सड़क के दोनों ओर खड़े लोगों ने 'भारत माता की जय' और 'जयश्री राम' के नारे लगाकर प्रधानमंत्री का स्वागत किया. इस रोड शो में कुछ विदेशी नागरिक भी दिखे. उनका भी उत्साह देखते बन रहा था. उन्होंने पीएम मोदी के इस रोड शो को अपने मोबाइल में कैद किया। प्रधानमंत्री मोदी ने रोड शो करते हुए विधानसभा चुनाव में एआईएनआरसी-भाजपा गठबंधन को वोट देने की अपील की. उन्होंने एआईएनआरसी संस्थापक और मुख्यमंत्री एन. रंगासामी और बीजेपी नेता व गृह मंत्री ए. नमसिवायम के साथ अजंता सिग्नल पॉइंट से करीब 2 किलोमीटर दूर कामराजर स्टैच्यू/राजा थिएटर सिग्नल तक रोड शो किया. ये रोड शो करीब एक घंटे तक चला, जिसमें जगह-जगह लोगों ने फूल बरसाकर पीएम मोदी का स्वागत किया।

रोड शो के बाद चेन्नई में रुकेंगे पीएम

रोड शो के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चेन्नई लौटकर गिंडी के एक होटल में रुकेंगे. फिर 4 अप्रैल को बीजेपी नेताओं के साथ बैठक करेंगे. पीएम मोदी के दौरे को लेकर पुलिस ने चेन्नई और केंद्र शासित प्रदेश में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए हैं. बता दें कि पीएम मोदी चुनाव राज्यों में लगातार रैलियां कर रहे हैं।

तिरुवल्ला में पीएम मोदी की जनसभा

चेन्नई में बैठक करने के बाद पीएम मोदी 4 अप्रैल को केरल पहुंचेंगे, जहां तिरुवल्ला में जनसभा को संबोधित करेंगे. फिर तिरुवनंतपुरम में रोड शो करेंगे. प्रधानमंत्री मोदी दोपहर करीब 3 बजे कोट्टायम जिले के चांगनास्सेरी में एनएसएस कॉलेज के मैदान पहुंचेंगे. फिर सड़क मार्ग से पथानामथिट्टा के तिरुवल्ला रवाना होंगे।

किल्लीपलम जंक्शन से करमाना तक रोड शो

यहां पीएम मोदी पब्लिक स्टेडियम में जनसभा को संबोधित करेंगे. इसमें पार्टी नेता और आसपास के निर्वाचन क्षेत्रों से एनडीए के उम्मीदवार भी पहुंचेंगे. इसके बाद प्रधानमंत्री तिरुवनंतपुरम पहुंचेंगे. किल्लीपलम जंक्शन से करमाना तक करीब 1.5 किलोमीटर लंबा रोड शो करेंगे. इसमें बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ताओं और समर्थकों के शामिल होने की उम्मीद है. इस रोड शो और गठबंधन के नेताओं से मुलाकात के बाद शाम को दिल्ली लौटेंगे. बता दें कि केरल में विधानसभा चुनाव 9 अप्रैल को होगा।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में होर्मुज पर सैन्य कार्रवाई वाले प्रस्ताव पर रूस-चीन-फ्रांस का वीटो

ब्यूरो प्रयागराज। मिडिल ईस्ट में जारी जंग के बीच संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (UNSC) में होर्मुज स्ट्रेट को खोलने के लिए सैन्य कार्रवाई की अनुमति देने वाले अहम प्रस्ताव पर बड़ा गतिरोध पैदा हो गया है। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, रूस, चीन और फ्रांस ने इस प्रस्ताव को समर्थन देने से इनकार कर दिया, जिसके चलते बहरीन और अन्य खाड़ी देशों द्वारा समर्थित यह पहल फिलहाल ठंडे बस्ते में चली गई है।

बहरीन द्वारा तैयार इस प्रस्ताव में सदस्य देशों और बहुराष्ट्रीय नौसैनिक बलों को 'सभी आवश्यक साधनों' के उपयोग की अनुमति देने की मांग की गई थी, ताकि समुद्री मार्गों पर अंतरराष्ट्रीय आवाजाही बाधित न हो। हालांकि, सुरक्षा परिषद के स्थायी सदस्य रूस, चीन और फ्रांस ने स्पष्ट कर दिया कि वे सैन्य बल के इस्तेमाल की इजाजत देने वाली भाषा के पक्ष में नहीं हैं। इस प्रस्ताव पर शुक्रवार को वोटिंग की संभावना है, लेकिन कूटनीतिक स्तर पर सहमति बनना अभी मुश्किल दिख रहा है।

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने सैन्य कार्रवाई को 'अवास्तविक' बताते हुए चेतावनी दी कि इससे तट पर तैनात ईरानी रिवोल्यूशनरी गार्ड्स और उनकी बैलिस्टिक मिसाइलों का खतरा और बढ़ सकता है। कई हफ्तों की बंद कमरे में चली बातचीत के बावजूद प्रस्ताव में सिर्फ चार संशोधन ही हो सके हैं, जबकि 'सभी आवश्यक साधनों' वाली धारा पर अब भी सहमति नहीं बन पाई है।

दरअसल, 28 फरवरी 2026 को अमेरिका और इजरायल के साथ युद्ध शुरू होने के बाद ईरान ने इस रणनीतिक समुद्री मार्ग को बंद कर दिया था। दुनिया के लगभग 20% तेल और गैस की आपूर्ति इसी रास्ते से होती है। इसके बंद होने से वैश्विक ऊर्जा बाजार पर गहरा असर पड़ा है–तेल, शिपिंग और बीमा की लागत बढ़ गई है, जबकि कतर जैसे देशों को अपना उत्पादन रोकना पड़ा, जिससे उन्हें सालाना 20 अरब डॉलर का नुकसान हो रहा है।

इस नाकेबंदी के बीच ईरान ने खाड़ी देशों में अमेरिकी ठिकानों और बुनियादी ढांचों पर हजारों जवाबी हमले किए, जिनमें कम से कम 18 नागरिकों की मौत हुई है। बहरीन के विदेश मंत्री अब्दुल्लतीफ बिन राशिद अल ज़यानी ने ईरान पर 'आक्रामक' और 'पूर्व नियोजित' हमलों का आरोप लगाया है, जिसमें नागरिक ढांचों को निशाना बनाया गया। वहीं, ईरान ने संकेत दिया है कि वह जंग के बीच होर्मुज से गुजरने वाले जहाजों की निगरानी जारी रखेगा। विशेषज्ञों का मानना है कि इस युद्ध ने ईरान और उसके पड़ोसी देशों के बीच सुधरते रिश्तों को झटका दिया है, जबकि अब मध्यस्थता की भूमिका ओमान और कतर के बजाय पाकिस्तान, तुर्की और मिस्र निभा रहे हैं। सऊदी अरब स्थित थिंक टैंक गल्फ रिसर्च सेंटर के अध्यक्ष अब्दुलअजीज सागर ने कहा कि किसी भी संभावित युद्धविराम समझौते में ईरान की खाड़ी देशों पर हमले की क्षमता और होर्मुज के समुद्री यातायात पर उसके नियंत्रण को शामिल करना जरूरी होगा। उन्होंने साफ कहा कि 'जो हुआ है, उसे भुलाया नहीं जा सकता।

संक्षिप्त ख़बरें

पोस्ट ऑफिस पैसा निकालने आई महिला अंदर हुई बंद

पलिया कलां लखीमपुर खीरी। सिंगहिया निवासी लज्जावती दवा के लिए पैसा लेने पलिया पोस्ट ऑफिस आई थी पोस्ट ऑफिस गुड फ्राइडे के चलते बंद था पिछले गेट से सेल टैक्स वाले चैनल मार्ग से ऊपर चढ़ गयीं और पोस्ट ऑफिस की तरफ चली गई, सेल टैक्स ऑफिस का चैनल खुला था, चौकीदार को नहीं पता चला और चैनल बंद करके वह चला गया काफी देर बंद रहने के बाद महिला ने परिजनों को फोन कर आपबीती बताते हुए अपने बंद होने की सूचना परिजनों को दी, समाचार लिखे जाने तक महिला चैनल के अंदर ही बंद थी परिजन सेल टैक्स कर्मियों को फोन लगाते रहे। समाचार लिखे जाने तक कोई कर्मी नहीं पहुंचा। महिला भी चैनल के अंदर ही बंद है। राष्ट्रीय प्रेस के लिए विश्वकांत त्रिपाठी।

फर्जी मृत्यु प्रमाण पत्र के सहारे विरासत दर्ज कराने का मामला उजागर

लखीमपुर-खीरी। मितौली खबर। तहसील क्षेत्र में फर्जी मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाकर जमीन की विरासत दर्ज कराने का गंभीर मामला सामने आया है। आरोप है कि ग्राम कोल्हौरा जिला सीतापुर निवासी एक महिला ने सरकारी तंत्र की मिलीभगत से दो अलग-अलग व्यक्तियों के नाम पर फर्जी मृत्यु प्रमाण पत्र तैयार करवा लिए। जानकारी के अनुसार, पहले ग्राम प्रधान कोल्हौरा राकेश कुमार द्वारा भगवानदीन पुत्र बद्री का मृत्यु प्रमाण पत्र जारी गया, जिस दस्तावेज के आधार पर परिवार रजिस्टर में हेरफर करवा कर ग्राम पंचायत अधिकारी से वर्ष 2024 में प्रमाण पत्र बनवाया गया। इसके बाद दुरभी सन्धि कर भगवानदीन पुत्र कन्धाई के नाम का फर्जी मृत्यु प्रमाण पत्र ग्राम प्रधान राकेश कुमार द्वारा प्रमाणित कर वर्ष 2025 में मृत्यु प्रमाण पत्र कर जारी कराया गया।सूत्रों के मुताबिक, इस पूरे मामले में स्थानीय स्तर पर ग्राम प्रधान और सचिव की भूमिका संदिग्ध मानी जा रही है। फर्जी दस्तावेजों के आधार पर विरासत दर्ज कराने की प्रक्रिया पूरी कर ली गई, जिससे राजस्व अभिलेखों में हेरफेर की आशंका जताई जा रही है।मामला सामने आने के बाद प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो रहे हैं। जिससे क्षेत्र में चर्चा का माहौल बना हुआ है।

इलाहाबाद हाई कोर्ट ने यूपी पुलिस से पूछा: एफआईआर में केंद्रीय मंत्री के नाम के आगे 'माननीय' या 'श्री' क्यों नहीं लिखा?

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने उत्तर प्रदेश सरकार से इस बात पर स्पष्टीकरण मांगा है कि पुलिस ने अपनी दर्ज की गई एक एफआईआर (प्रथम सूचना रिपोर्ट) में एक केंद्रीय मंत्री के नाम के आगे 'माननीय' या 'श्री' क्यों नहीं लिखा [हर्षित शर्मा और 2 अन्य बनाम उत्तर प्रदेश राज्य और 2 अन्य]। जस्टिस जे.जे. मुनीर और जस्टिस तरुण सक्सेना की खंडपीठ ने राज्य के गृह सचिव से इस मामले में सम्मानजनक उपाधि (honorific) के न लिखे जाने का कारण बताने को कहा।कोर्ट ने कहा कि पुलिस को यह उपाधि जोड़नी चाहिए थी, भले ही शिकायतकर्ता ने इसका ज़िक्र न किया हो।

कोर्ट ने कहा, 'उत्तर प्रदेश सरकार, लखनऊ के अपर मुख्य सचिव (गृह) अपने हलफनामे में यह स्पष्ट करें कि FIR में जिस माननीय केंद्रीय मंत्री का नाम आया है, उनके नाम के आगे सामान्य सम्मानजनक उपाधि 'माननीय' क्यों नहीं लिखी गई, और एक जगह तो उनका ज़िक्र सिर्फ़ उनके नाम से किया गया है, बिना 'श्री' लगाए। भले ही लिखित रिपोर्ट में शिकायतकर्ता ने माननीय मंत्री का ज़िक्र सही तरीके से न किया हो, लेकिन 'चेक FIR' लिखते समय पुलिस का यह फ़र्ज़ था कि वह प्रोटोकॉल का पालन करते हुए सम्मानजनक उपाधि जोड़ती, भले ही कोष्ठक (brackets) में ही सही। '

कोर्ट उस याचिका पर सुनवाई कर रहा था जिसमें एफआईआर को रद्द करने की मांग की गई थी; इस एफआईआर में आपराधिक धमकी और आपराधिक विश्वासघात के आरोप लगाए गए थे। आरोप है कि आरोपियों ने शिकायतकर्ता से नौकरी दिलाने के बहाने 80 लाख रुपये लिए थे। पुलिस शिकायत के अनुसार, बाद में उन्होंने वह रकम वापस नहीं की और उसे जान से मारने की धमकी भी दी।इस मामले में केंद्रीय मंत्री आरोपी नहीं हैं, लेकिन स्रढ्ढक्र में उनका नाम आया है।

कोर्ट इस एफआईआर को रद्द करने वाली याचिका पर 6 अप्रैल को सुनवाई करेगा। 30 मार्च को, कोर्ट ने सरकारी वकील से आरोपियों के खिलाफ लगाए गए आरोपों के संबंध में कुछ निर्देश लेने को कहा था। दिलचस्प बात यह है कि एक अन्य मामले में, हाई कोर्ट ने हाल ही में यूपी पुलिस से यह सवाल किया था कि उसने ट्रायल कोर्ट को 'निचली अदालत' (the court below) क्यों कहा। कोर्ट के आदेश के जवाब में दायर एक हलफनामे में, कुशीनगर के पुलिस अधीक्षक ने निम्नलिखित बातें लिखी थीं: 'जिस पर निचली अदालत ने 03.01.2026 को अपराध का संज्ञान लिया।' न्यायमूर्ति हरवीर सिंह ने अब पुलिस अधिकारी को अपने शब्दों के चयन के बारे में स्पष्टीकरण देने का निर्देश दिया है।इस मामले पर 10 अप्रैल को विचार किया जाएगा।

भूपेंद्र हुड्डा को बड़ी राहत, एजेएल प्लॉट आवंटन मामले में क्लीन चिट

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पंचकूला के एजेएल (एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड) प्लॉट आवंटन केस में हरियाणा के पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा को बड़ी राहत मिली है. सीबीआई की विशेष अदालत ने हुड्डा के खिलाफ सभी आरोप खारिज कर दिए हैं. इसके साथ ही वरिष्ठ कांग्रेस नेता मोतीलाल वोरा को भी इस मामले में आरोपमुक्त किया गया है. इससे पहले पंजाब-हरियाणा हाई कोर्ट ने पर्याप्त सबूत न मिलने पर आरोप तय करने के आदेश रद्द किए थे, जिसके बाद सीबीआई कोर्ट ने अब ये फैसला सुनाया है ये मामला पंचकूला के सेक्टर-6 में करीब 3,360 वर्ग मीटर सरकारी भूखंड के आवंटन से जुड़ा था. इस केस में जांच एजेंसी का आरोप था कि ये प्लॉट कथित तौर पर बाजार मूल्य से काफी कम कीमत पर एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड (एजेएल) को दिया गया. इससे सरकारी रेवेन्यू को नुकसान हुआ था. सीबीआई ने इस मामले में भूपेंद्र सिंह हुड्डा के साथ हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण (एचएसवीपी) के कुछ वरिष्ठ अधिकारियों को भी आरोपी बनाया था।

हाईकोर्ट ने क्या कहा?

हालांकि, आरोप तय किए जाने के आदेश को चुनौती देते हुए भूपेंद्र सिंह हुड्डा और एजेएल की ओर से पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई थी. हाईकोर्ट ने मामले की सुनवाई के दौरान पाया कि प्रथम दृष्टया आरोपों को समर्थन देने के लिए पर्याप्त और ठोस साक्ष्य मौजूद नहीं हैं. कोर्ट ने स्पष्ट किया कि बिना मजबूत आधार के आपराधिक मुकदमा जारी रखना न्यायिक प्रक्रिया के सिद्धांतों के खिलाफ है इसी आधार पर आरोप तय करने के आदेशों को रद्द कर दिया गया. इसके बाद अब पंचकूला की विशेष सीबीआई कोर्ट से भूपेंद्र सिंह हुड्डा को आज ये राहत मिली है. कोर्ट से राहत मिलने के बाद भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने इस पर प्रतिक्रिया दी है. उन्होंने कहा, मैंने पहले ही कहा था कि मुझे न्यायापालिका पर भरोसा है।

क्या है पूरा मामला?

पंचकूला के सेक्टर-6 में 3,360 वर्ग मीटर के सरकारी भूखंड आवंटित करने के मामले में सीबीआई ने हुड्डा समेत एचएसवीपी के चार अधिकारियों को भी आरोपी बनाया था. हुड्डा पर आरोप था कि उन्होंने 64.93 करोड़ रुपये का प्लॉट एजेएल को 69 लाख 39 हजार रुपये में दिया. सीबीआई ने 27 जनवरी 2017 को केस दर्ज किया था. फिर 1 दिसंबर 2018 को चार्जशीट दायर की थी।

जालसाजों ने यूपीआई के माध्यम से कैसे निकाले चार लाख रुपये? युवक के पैरों तले खिसकी जमीन

लखनऊ। जालसाजों ने मोबाइल गायब कर युवक के खाते से चार लाख रुपये पार कर दिए। वहीं साइबर जालसाजों ने छात्रा समेत दो के खाते से 79 हजार रुपये पार कर दिए। ठगी के यह मामले महिगवां, इंदिरानगर व आशियाना के हैं। पुलिस तीनों मामलों को दर्ज कर साइबर क्राइम सेल की मदद से जांच कर रही है। महिगवां के दौलतपुर निवासी अंबरलाल ने बताया कि एक मार्च को उनका मोबाइल कुछ लोगों ने ले लिया था। जिसके बाद उन्होंने उसी नंबर का दूसरा सिमकार्ड इश्यू कराया था। कुछ दिन बाद सिमकार्ड चालू हुआ। दस मार्च को वे रुपये निकालने के लिए भारतीय स्टेट बैंक बीकेटी शाखा में पहुंचे। वहीं, इंदिरानगर के अबरारनगर स्थित नाज मंजिल अपार्टमेंट निवासी वजीद उज जमां का खाता स्टेट बैंक आफ इंडिया में है। उन्होंने बताया कि कुछ समय पहले ओटीपी आया। इसपर पीड़ित ने बैंक जाकर जानकारी की तो पता चला कि खाते से 50 हजार निकले हैं। पीड़ित ने इंदिरानगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। उधर, आशियाना स्थित राम मनोहर लोहिया ला विवि की छात्रा भूपेंद्र कुमार का खाता बैंक आफ बड़ौदा में है। तीस मार्च को साइबर जालसाज ने खाते से चार बार में 28,910 रुपये गायब कर दिए। वहां पता कि दो से नौ मार्च के बीच खाते से यूपीआइ के माध्यम से जालसाजों ने चार लाख रुपये पार कर दिए। साइबर क्राइम सेल में शिकायत करने के बाद पीड़ित ने महिगवां थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है।

सीएम योगी और अडाणी की मुलाकात से यूपी में क्या बदलेगा? 1 ट्रिलियन अर्थव्यवस्था लक्ष्य को फुल सपोर्ट

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। देश के प्रमुख उद्योगपति गौतम अदाणी ने गुरुवार की देर रात मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात कर प्रदेश के समग्र विकास को लेकर व्यापक चर्चा की। इस दौरान अडाणी ने प्रदेश को वर्ष 2030 तक वन ट्रिलियन डालर अर्थव्यवस्था बनाने के लक्ष्य को अपना पूरा समर्थन दिया। अडाणी ने इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर मुख्यमंत्री के साथ मुलाकात की अपनी तस्वीर साझा करते हुए लिखा... मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा 'विकसित उत्तर प्रदेश' के रोडमैप को सुनना अविस्मरणीय क्षण था।

2047 तक छह ट्रिलियन डालर की अर्थव्यवस्था

वर्ष 2030 तक एक ट्रिलियन डालर और 2047 तक छह ट्रिलियन डालर की अर्थव्यवस्था का लक्ष्य केवल एक आर्थिक योजना नहीं, बल्कि राज्य की क्षमताओं और संभावनाओं का स्पष्ट प्रमाण है। उन्होंने यह भी माना कि यह विजन न सिर्फ उत्तर प्रदेश बल्कि पूरे देश की आर्थिक दिशा को बदलने की क्षमता रखता है। प्रदेश में तेजी से विकसित हो रहे इंफ्रास्ट्रक्चर, बेहतर नीतियों और निवेश के अनुकूल माहौल की सराहना करते हुए कहा कि यह राज्य को उद्योगों के लिए एक आकर्षक गंतव्य बन रहा है। उन्होंने लिखा...अदाणी समूह प्रदेश को ऊर्जा, रक्षा, हवाई अड्डों, लाजिस्टिक्स, औद्योगिक पार्क और डाटा सेंटर जैसे प्रमुख क्षेत्रों में निवेश के माध्यम से उत्तर प्रदेश के परिवर्तन में योगदान देने पर गर्व है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि अडाणी समूह इस परिवर्तनकारी यात्रा में सक्रिय भागीदारी निभाएगा। उन्होंने यह भी लिखा कि कुछ दूर-दृष्टि राष्ट्रों का स्वरूप बदल देती हैं।

जम्मू-कश्मीर से दिल्ली तक भूकंप के झटके, सहम उठे लोग

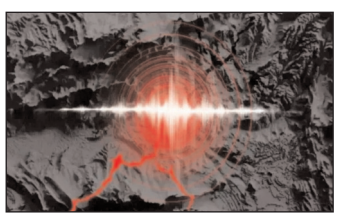

दिल्ली-एनसीआर, जम्मू-कश्मीर और चंडीगढ़ में भूकंप के तेज़ झटके महसूस किए गए. जम्मू-कश्मीर में लगातार दो झटकों से लोग सहम उठे

दिल्ली-एनसीआर, जम्मू-कश्मीर और चंडीगढ़ में भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं. भूकंप ने जम्मू-कश्मीर के कई हिस्सों को हिला दिया। एक के बाद एक दो झटकों से जम्मू-कश्मीर के लोग सहम उठे। कुछ ऐसा ही नजारा दिल्ली-एनसीआर में भी देखने को मिला है। नोएडा में दफ्तरों में काम करने वाले लोग भूकंप के झटकों की वजह से ऑफिस के बाहर आ गए। वहीं, रिहायशी इलाकों में भी लोग घरों के बाहर आ गए. हालांकि, अभी तक राजधानी समेत अन्य जगहों से इस भूकंप में किसी तरह के नुकसान की कोई खबर नहीं है भूकंप का केंद्र अफगानिस्तान-ताजिकिस्तान सीमा क्षेत्र रहा. अफगानिस्तान में 5.9 तीव्रता का भूकंप रिकॉर्ड किया गया है।

दिल्ली हाई कोर्ट ने भारतीय सेना में भ्रष्टाचार के आरोपों पर याचिका

● सीबीआई, सीएजी और केंद्र सरकार को नोटिस।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। दिल्ली हाई कोर्ट ने हाल ही में सेंट्रल ब्यूरो ऑफ़ इन्वेस्टिगेशन (सीबीआई), केंद्र सरकार और भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) को एक नोटिस जारी किया है। यह नोटिस एक सेना अधिकारी द्वारा दायर याचिका पर दिया गया है, जिसमें भारतीय सेना में भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच की मांग की गई है। जस्टिस प्रतीक जालान ने अधिकारियों को चार हफ़्तों के भीतर अपना जवाब दाखिल करने को कहा और मामले की अगली सुनवाई 19 मई को तय की। कोर्ट लेफ्टिनेंट कर्नल सुमित श्योराण की याचिका पर सुनवाई कर रहा था, जिसमें उन्होंने भारतीय सेना के अधिकारियों के खिलाफ लगाए गए आरोपों की कोर्ट की निगरानी में CBI जांच की मांग की थी। उन्होंने दलील दी कि नई दिल्ली में तैनाती के दौरान, उन्होंने 'एनुअल कंटिंजेंट ग्रांट' (ACG) के तहत होने वाली खरीद में बड़े पैमाने पर वित्तीय अनियमितताओं का पर्दाफ़ाश किया था। याचिका के अनुसार, खरीद प्रक्रियाओं में हेरफेर, झूठे रिकॉर्ड बनाने और सरकारी संपत्ति का गलत इस्तेमाल करके सार्वजनिक धन का दुरुपयोग किया गया। सार्वजनिक पैसे से खरीदी गई वस्तुओं को कथित तौर पर अधिकारियों के 'मेस' (भोजनालय) की संपत्ति के रूप में दिखाया गया, जबकि जांच से बचने के लिए खरीद की सीमाओं को जानबूझकर कई हिस्सों में बांट दिया गया। याचिका में कहा गया,'अपने कर्तव्य का पालन करते हुए, याचिकाकर्ता ने 06.09.2024 से शुरू होकर कई शिकायतें दर्ज कराईं। इन शिकायतों के साथ दस्तावेजी सबूत भी दिए गए थे और इनमें विशिष्ट अधिकारियों की भूमिका को स्पष्ट रूप से बताया गया था। आरोपों की गंभीरता के बावजूद, किसी भी अधिकारी द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की गई, जिससे अपराध जारी रहे और सबूतों को नष्ट करने का मौका मिल गया।

इसके अलावा, उन्होंने दावा किया कि उनके कंप्यूटर सिस्टम को बिना किसी अनुमति के एक्सेस किया गया था, जिससे यह संकेत मिलता है कि यह एक सुनियोजित साइबर घुसपैठ थी। श्योराण ने बताया कि उन्होंने जनवरी 2025 में सीबीआई को एक विस्तृत शिकायत भेजी थी, लेकिन कोई स्रढ्ढक्र दर्ज नहीं की गई। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि शिकायतें दर्ज कराने के बाद उन्हें बदले की भावना से की गई कार्रवाई का सामना करना पड़ा। इसमें उनकी 'परफॉर्मेंस रिपोर्ट' में नकारात्मक टिप्पणियां दर्ज करना और उनका नागपुर तबादला कर देना शामिल है।

संक्षिप्त खबरें

राधेश्याम कमलापुरी को बस्ती भाजपा जिला कोषाध्यक्ष बनाए जाने पदाधिकारियों ने किया स्वागत

बस्ती। बस्ती जिले में भारतीय जनता पार्टी उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी की संस्तुति पर जिलाध्यक्ष विवेकानंद मिश्रा द्वारा गुरुवार रात्रि को भारतीय जनता पार्टी बस्ती के जिला पदाधिकारियों एवं जिलाकार्य समिति सदस्यों का घोषणा किया जिसमें वैश्व समाज के वरिष्ठ भाजपा नेता राधेश्याम कमलापुरी को जनपद बस्ती जिला कोषाध्यक्ष नियुक्त किये जाने पर शुक्रवार को भाजपा मंडल गौर के बभनान बाजार में जिला कार्यसमिति सदस्य संतोष शुक्ला के नेतृत्व में पदाधिकारियों द्वारा मिठाई खिलाकर माला व अंग वस्त्र पहनाकर भव्य स्वागत किया और हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दिया। इस मौके पर मंडल अध्यक्ष गौर राजेश कमलापुरी, मंडल अध्यक्ष परसा मंडल मनोज पाठक, दुर्गा प्रसाद दूबे, राजेश कसौधन 'गुरुजी', नामित सभासद रविन्द्र कसौधन, सभासद मंशाराम, राम प्रगट सिंह, डा. अरविन्द कमलापुरी, प्रेम मोदनवाल, दीपक जायसवाल सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

पूर्व प्रधान की पत्नी का निधन, जताया गया दुःख

लालगंज, प्रतापगढ़। नगर पंचायत क्षेत्र के पूरे हरिकिशुन के पूर्व प्रधान एवं सेवानिवृत्त शिक्षक उमाशंकर मिश्र की पत्नी राजदेवी मिश्रा 79 का शुक्रवार की सुबह इलाज के दौरान निधन हो गया। निधन की जानकारी पर क्षेत्रीय विधायक आराधना मिश्रा मोना व सांसद प्रमोद तिवारी ने परिजनों से फोनिक वार्ता कर संवेदना प्रकट की। वहीं शिक्षक विधायक उमेश द्विवेदी, चेयरपर्सन प्रतिनिधि संतोष द्विवेदी, ज्ञानप्रकाश शुक्ल, आचार्य विनय शुक्ल, राकेश तिवारी गुडडू, प्रधानाचार्य सुनील शुक्ल, पूर्व प्राचार्य दयाशंकर पाण्डेय, डा0 पुरूषोत्तम शुक्ल, डा0 सौरभ मिश्र, डॉ0 पूर्णिमा मिश्रा, पूर्व प्रधान बृजेश द्विवेदी आदि ने भी राज देवी के निधन पर दुख जताया है।

भव्य शोभायात्रा में गूंजा जय श्रीराम, जय हनुमान का जयघोष

जगह-जगह आरती, श्रद्धालुओं का स्वागत

तालबेहट। श्रीराम के परम भक्त वीर बजरंगबली के जन्मोत्सव के अवसर पर नगर में गुरुवार की रात भव्य शोभायात्रा निकाली गई। जिसने पूरे माहौल को भक्तिमय बना दिया। शोभायात्रा में शामिल आकर्षक झांकियों, ढोल-मजीरे की गूंजती धुनों और श्रद्धालुओं के जयघोष ने सभी को रोमांचित कर दिया। नगर के बावड़ी वाले हनुमान जी मंदिर से शाम करीब 7:30 बजे शोभायात्रा का शुभारंभ हुआ। शोभायात्रा नगर के प्रमुख मार्गों से होती हुई देर रात पुनः मंदिर परिसर पहुंची, जहां प्रसादी वितरण के साथ समापन हुआ। यात्रा के दौरान 'जय श्रीराम' और 'जय हनुमान' के उद्घोष से वातावरण भक्तिमय बना रहा। जगह-जगह श्रद्धालुओं ने शोभायात्रा का स्वागत करते हुए वंदन-आरती की। शोभायात्रा में एक दर्जन से अधिक आकर्षक झांकियां विशेष आकर्षण का केंद्र रहीं। विशाल ट्रकों पर सजी भगवान श्रीराम, राधा-कृष्ण, भगवान शंकर सहित विभिन्न देवी-देवताओं की झांकियों ने श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। वहीं ढोल-मजीरे की टीमों ने अपने अद्भुत करतबों से समां बांध दिया। इस दौरान सैकड़ों की संख्या में हनुमान भक्त शोभायात्रा में शामिल रहे। सुरक्षा व्यवस्था के लिए क्षेत्राधिकारी, कोतवाली पुलिस और बजरंग सेवा दल के कार्यकर्ता सक्रिय रहे, जिससे कार्यक्रम शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुआ।

युवा अधिवक्ता अनुराग लोधी ने पेश की मिसाल

रक्तदान कर बचाई मरीज की जान

ललितपुर। जिला चिकित्सालय स्थित ब्लड बैंक में मानवता और सेवा भाव की एक प्रेरणादायक तस्वीर सामने आई, जब स्थानीय युवा अधिवक्ता अनुराग लोधी ने एक जरूरतमंद मरीज के लिए रक्तदान कर समाज के सामने मिसाल पेश की। जिला अस्पताल में भर्ती एक गंभीर मरीज को तत्काल रक्त की आवश्यकता थी। इस संबंध में जैसे ही सूचना अधिवक्ता अनुराग लोधी तक पहुंची, उन्होंने बिना देर किए अपने न्यायालयीन कार्यों को बीच में छोड़कर सीधे ब्लड बैंक पहुंचने का निर्णय लिया। वहां पहुंचकर उन्होंने बिना किसी हिचकिचाहट के रक्तदान कर मरीज की जीवन रक्षा में अहम योगदान दिया। अधिवक्ता अनुराग लोधी का यह निस्वार्थ कदम न केवल पीड़ित परिवार के लिए संजीवनी साबित हुआ, बल्कि क्षेत्र के युवाओं के लिए भी एक प्रेरणास्रोत बन गया है।

न्याय या साजिश ? एसडीएम हरैया का आदेश सवालों के घेरे में - ऐसे आदेश ही बनते हैं खूनी संघर्ष का कारण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले के तहसील हरैया के एसडीएम (न्यायिक) शशिबिंदु कुमार द्विवेदी इन दिनों अपने एक ऐसे कारनामे को लेकर चर्चा में हैं, जिसने न्याय व्यवस्था पर ही सवाल खड़े कर दिए हैं। मामला एक औद्योगिक भूमि का है, जिससे संबंधित भागीदार वर्ष 1992 में ही अपनी लायबिलिटी और एसेट से मुक्त हो चुके थे। लेकिन हैरानी की बात यह है कि 34 साल बाद, 2026 में, उन्हीं को दोबारा नाजायज कब्जा दिलाने की कवायद शुरू कर दी कि इस कार्रवाई में दो जालसाजों को उक्त औद्योगिक भूमि पर कब्जा दिलाने की मंशा से पहले से लागू स्टे को खत्म करने की योजना बनाई गई। और इसके लिए 2016 के एक मुकदमे को ही खारिज करने का रास्ता चुना गया। अब जब नीयत पहले से तय हो, तो तर्क जुटाने में भला कितना समय लगता है! साहब ने एक नहीं, कई आधार गढ़े और आनन फानन में मुकदमा खारिज भी कमुकदमे की खारिजी के साथ ही स्टे भी समाप्त हो गया, जो इन कथित जालसाजों के लिए सबसे बड़ी बाधा था। अब आगे क्या होगा ? यह तो किसी घटना के घटित होने के बाद कानून-व्यवस्था ही तय करेगी ! और साहब भी इसके लिए याद जरूर किए जाएंगे। लेकिन मुंसिफ बस्ती के आदेश के आधार पर दाखिल इस मुकदमे को खारिज करने के जो आधार दिए गए, वे खुद अपने आप में गम्भीर सवाल खड़े करते हैंअपने आदेश में साहब लिखते हैं, 'खतौनी में पक्षकारों में किसी भी पक्षकार का नाम फर्म के पार्टनर के रूप में अंकित नहीं है। इस प्रकार इस वाद बिन्दु का निस्तारण वादी के पक्ष में नकारात्मक रूप में किया जाता है।अब सवाल यह उठता है कि, क्या किसी भी खतौनी में भूमिधर के नाम के साथ 'किसान' या 'मकान मालिक' आदि लिखा रहता है? जमीन का स्वरूप और उपयोग तो स्वतः स्पष्ट होता है, यह एक सामान्य समझ की बात है। लेकिन जब नीयत ही कुछ और हो, तो सामान्य समझ भी बेअसर हो जाती आगे आदेश में उल्लेख है, 'प्रतिवादी श्री प्रवीश चन्द्र धर द्विवेदी द्वारा शपथ पत्र के साथ अवगत कराया है कि, प्रकीर्ण वाद संख्या 76/11/2024 श्रीश चंद्र धर द्विवेदी बनाम प्रवीश चन्द्र धर द्विवेदी को निरस्त किया जा चुका है।' हकीकत यह है कि ऐसा कोई मुकदमा अस्तित्व में ही नहीं है। और न ही इस कथित मुकदमे का इस आदेश से कोई सीधा संबंध ही हो सकता है। लेकिन 'निरस्त' शब्द का जादू ऐसा चला कि उसे भी आधार बना लिया गया।

साहब आगे लिखते हैं, 'वास्तव में एक ऐसे आदेश के आधार पर अनुतोष की मांग की गई है जो वर्तमान में माननीय न्यायालय में विचाराधीन है।' जबकि विधि का सामान्य सिद्धांत है कि किसी न्यायालय का आदेश तब तक प्रभावी रहता है, जब तक उस पर कोई नया आदेश पारित न हो जाए। केवल मुकदमे का विचाराधीन होना, आदेश को निष्प्रभावी नहीं करता। यहां जिस मुकदमे को आधार बताया गया, पात्रता के मुताबिक वह 2017 से अब तक केवल एडमिट अवस्था में ही पड़ा हुआ है। लेकिन आदेश लिखने के लिए आधार तो चाहिए थे, सो गढ़ लिएसाहब ने अपने आदेश में तर्क दिया कि, 'वास्तव में प्रश्नगत वाद उभय पक्षों के मध्य भारतीय भागीदारी अधिनियम, 1932 के तहत साझेदारी विवाद से संबंधित है और वादी ने अभिलेखीय राजस्व दस्तावेजों से अपना कब्जा सिद्ध नहीं किया है।' साहब का यह तर्क स्पष्ट करता है कि, वे भी विपक्षियों की राह पर चलते हुए 'मुंसिफ बस्ती' के उस मूल आदेश को स्वीकार करने को तैयार नहीं हैं जो इस पूरे मुकदमे की बुनियाद है। ऐसे में साहब यह साबित करने की पुरजोर कोशिश कर रहे हैं कि, सच चाहे जो भी हो वे उसे हरगिज नहीं देखेंगे। और विपक्षियों के हित में इस मुकदमे का गला घोंटकर ही मानेंसाहब ने आधार गढ़ते समय प्रतिवादी का हवाला देते हुए राजस्व संहिता की सीमाओं से बाहर निकलकर इंडियन पार्टनरशिप एक्ट 1932 आदि पर भी लंबा व्याख्यान दे डाला। एक्ट की धारा 63 का बाकायदा उल्लेख किया गया और प्रतिवादी की भाषा में यह स्थापित करने की कोशिश की गई कि रिटायरमेंट की सूचना सार्वजनिक नहीं की गई। आदेश पढ़ते समय कई जगह ऐसा प्रतीत होता है मानो प्रतिवादी बोल रहा हो और साहब केवल उसे लिख रहे हों। हैरत की बात यह है कि न तो यह जांचने की जरूरत समझी गई कि मूल मुकदमा क्या है? ना ही 27 अगस्त 2025 को फर्म आदि से संबंधित नामांतरण के लिए जारी 'परिषदादेश' का अनुपालन करने की जरूरत समझी गई। और ना ही वाद के आधार, मुंसिफ के आदेश/ डिग्री को तरजीह दी गई। और न ही यह देखा गया कि, जिन आधारों पर साहब का आदेश टिका है, वे प्रासंगिक भी हैं या नहीं। सबसे अहम सवाल यह कि, प्रतिवादी सच बोल रहा है या झूठ ? इस पर तो मानो विचार करना भी जरूरी नहीं समझा गया। विडंबना यह भी है कि जिस प्रतिवादी के नाम के आगे साहब 'श्री' लगाते नहीं थक रहे, उन्हीं पर आरोप है कि, उन्होंने मुकदमे के दौरान ही खतौनी में दर्ज अपने नामों का जमकर दुरुपयोग किया। फर्म की विवादित जमीन का नामांतरण कराया, खारिज-दाखिल कराया। और यहां तक कि समानांतर न्यायालय में बंटवारे का मुकदमा दाखिल कर एकपक्षीय प्राइमरी डिग्री तक हासिल कर ली। लेकिन इन सब तथ्यों का जिक्र आदेश में कहीं नहीं मिलता। कार्रवाई तो दूर की बात है।स्पष्ट है कि, आदेश की शुरुआत ही मुकदमे को खारिज करने की मंशा से हुई थी। और अंत तक प्रतिवादी के पक्ष को साधते हुए वही परिणाम हासिल भी कर लिया गया। अदालत अपनी थी, अधिकार अपने थे, तो परिणाम भी मनमाफिक ही आया। कुल मिलाकर साहब ने वही कहा और किया, जिसकी उम्मीद जालसाज विपक्षी करते रहे हैं। वादी के पक्ष में तो सिर्फ कृत्रिम कमियां ही गिनाई गईं। और उसके द्वारा प्रस्तुत तमाम साक्ष्यों को भी दबाकर साक्ष्यों का अभाव बता दिया जिला अदालत के कई वरिष्ठ अधिवक्ताओं ने इस आदेश को देखकर मुंह बिचकाते हुए इसे 'पूर्व नियोजित ऑर्डर' तक कह डाला। और अंत में वही पुरानी बात याद आती है, 'जब पैसे से वास्ता हो जाए, तो फिर इज्जत आबरू, न्याय अन्याय की चिंता भला कौन करता खैर, जीवन और जीविका की लड़ाई हर व्यक्ति पूरी ताकत से लड़ता है, और वादी भी लड़ेगा ही। यह जरूरी नहीं कि हर जगह ऐसे ही चेहरे बैठे हों। लेकिन असली चिंता इस बात की है कि, आखिर ये साहब कब तक न्यायिक चोला ओढ़कर न्याय का यूँ ही चीरहरण करते रहेंगे, और व्यवस्था देखती रहेगी ?

पुरानी पेंशन बहाली की मांग पर शिक्षक व कर्मचारियों ने मनाया ब्लैक डे

बलरामपुर- अटेवा पुरानी पेंशन बहाली मंच उत्तर प्रदेश के आह्वान पर जिले के शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने पुरानी पेंशन बहाली की मांग को लेकर ब्लैक डे मनाया। इस दौरान विभिन्न विभागों के कर्मचारियों ने अपने-अपने कार्यस्थलों पर बाहों में काली पट्टी बांधकर सरकार के प्रति विरोध दर्ज कराया। जिला अध्यक्ष अनुराग रस्तोगी के नेतृत्व में आयोजित इस विरोध प्रदर्शन में बड़ी संख्या में शिक्षक एवं कर्मचारी शामिल हुए। उन्होंने कहा कि पुरानी पेंशन योजना कर्मचारियों के बुढ़ापे का सबसे बड़ा सहारा है, जिसे लागू करना सरकार की जिम्मेदारी है। ब्लॉक अध्यक्ष पचपेड़वा मयंक यादव ने नई पेंशन योजना को असुरक्षित बताते हुए कहा कि यह कर्मचारियों के भविष्य के लिए भरोसेमंद नहीं है, जबकि पुरानी पेंशन सामाजिक एवं आर्थिक सुरक्षा प्रदान करती है।जिला महामंत्री मोहम्मद शरिक इकबाल ने कहा कि ब्लैक डे के माध्यम से सरकार तक अपनी आवाज पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि मांगों पर ध्यान नहीं दिया गया तो शिक्षक और कर्मचारी आर-पार की लड़ाई के लिए बाध्य होंगे। इस दौरान अनुरुद्र प्रताप तिवारी, विनोद कुमार, तबवाब अहमद, निसार अहमद व अभिमन्यु तिवारी सहित अन्य पदाधिकारियों ने भी एकजुटता का आह्वान करते हुए पुरानी पेंशन बहाली की मांग दोहराई।

तेज तर्रार कप्तान डॉक्टर यशवीर के आदेशों को नहीं मानते सी ओहरैया चार दिन बीत गए दर्ज नहीं हुआ मुकदमा

● ग्राम चौकीदार पर लगा गंभीर आरोप, पुलिस अधीक्षक से जांच कर कार्यवाही की मांग

तेज तर्रार कप्तान का आदेश नहीं मानते हैं सी ओ हरैया और थाना अध्यक्ष हरैया चौकीदार और दबंग का दे रहे हैं सह

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले के पीड़ित पत्रकार दिए गए पुलिस अधीक्षक को पत्र में मुकदमा दर्ज करने का आदेश होने के बावजूद भी थाना अध्यक्ष हराया नहीं दर्ज किया मुकदमा दबंगो के हौसले बुलंद नजर आ रहे हैंग्राम चौकीदार / ग्राम प्रहरी प्रमोद कुमार पर गंभीर आरोप लगा है पीड़ित अनिल कुमार शुक्ला ने

ग्राम चौकीदार के खिलाफ पुलिस अधीक्षक से शिकायत कर मामले की जांच कर कार्यवाही की मांग की है । आपको बता दें कि पीड़ित अनिल कुमार शुक्ला पुत्र स्व0 रामतेज शुक्ला साकिन-महादेउरी, थाना-हरैया, जनपद-बस्ती का निवासी है। पीड़ित थानाध्यक्ष हरैया के कार्य शैली से परेशान है पीड़ित ने आरोप लगाया कि कभी भी थानाध्यक्ष तहसीलदार सिंह मेरी हत्या करवा सकते है पीड़ित के गांव के चौकीदार ने दिनांक 12.02.2026 को चौकीदार के भाई वेद प्रकाश गौतम, तारक नारायन ने मिलकर पीड़ित के घर में चोरी करते पकड़े गये । वेद प्रकाश पीड़ित के बेटे आलोक को चाकू से वार कर दिया था उसके बाद पीड़ित के बेटे ने पास पड़े डंडे से चोर के सिर पर मार दिया था जिससे वे गिर पड़े थे और उनका चप्पल, तौलिया मेरे घर में ही छूट गया था जिसको थानाध्यक्ष ने बरामद कर थाने पर ले गये थे लेकिन आज तक न्यायालय में न तो भेजे और न ही पीड़ित को सूचना दिये उसके बावजूद विपक्षी प्रमोद कुमार चौकीदार, वेद प्रकाश गौतम मिलकर बार - बार मेरे दरवाजे पर लगे बांस को तोड़ते हैं बोलने पर मार पीट पर आमादा हो जाते है और कई बार शिकायत करने पर हरैया पुलिस न तो कोई कार्यवाही कर रही है और न ही कोई पुलिस दरवाजे पर जा रही हैं अर्थात हरैया पुलिस ग्राम चौकीदार के दबाव में कोई कार्यवाही नहीं कर रही है जिससे अपराधियों का हौसला बुलन्द रहा है आये दिन विवाद करते रहते है। एक पक्षीय कार्यवाही करने से तथा अपराधियों को संरक्षण के कारण थानाध्यक्ष थाना हरैया के खिलाफ कार्रवाई की भी मांग की गई है । उक्त प्रकरण में पुलिस अधीक्षक डा0 यशवीर सिंह ने जांच कर कार्रवाई करने का निर्देश दिया है ।

कंबाइन मशीन की चिंगारी से 80 बीघा गेहूं की फसल जलकर राख, 21 किसान परिवार प्रभावित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले में आज का कहर जारी है गेहूं की कटाई के मौसम में कंबाइन मशीनों से लग रहे यार किसानों के लाखों के गेहूं जलकर राख हो गए तहसील प्रशासन ने अपना कोरम पूरा करने के लिए मौके पर पहुंच कर जांच कर रिपोर्ट लगाया लेकिन किसानों की संतुष्टि क्या हजार ?2000 में हो जाएगी यह बड़ा सवाल खड़ा होता है अग्निकांड में किसानों की जमा पूंजी जलकर राख हो जाती है यहां तक उनके केसीसी के लोन भी नहीं जमा हो पाते हैं और खाने के लाले पड़ जाते हैं

ताजा मामलानगर थाना क्षेत्र के बढ़नी गांव में उस समय हड़कंप मच गया जब कंबाइन मशीन से निकली चिंगारी ने भीषण आग का रूप ले लिया। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और करीब 80 बीघा खड़ी पकी गेहूं की फसल जलकर पूरी तरह राख हो गई। इस हादसे में 21 किसान परिवारों को भारी नुकसान झेलना पड़ा है। प्रभावित किसानों में गुड्डू लाल मिश्रा, काशीराम, सुग्रीव, रामनयन, उपेन्द्र कुमार मिश्रा, भूपेंद्र कुमार मिश्रा, केशवनंदन मिश्रा, मरूती मिश्रा, ब्रिज नंदन मिश्रा, विमलेश कुमार मिश्रा, बदलू शर्मा, राजेश शर्मा,

परमेश्वर, शालिग्राम त्रिपाठी, रामकेवल, फताई, गया प्रसाद गौड़ और सत्यनाम धीरेंद्र मिश्रा सहित अन्य किसान शामिल हैं, जिनकी पूरी मेहनत कुछ ही पलों में राख में बदल गई।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, खेत में कंबाइन मशीन से कटाई के दौरान निकली एक छोटी सी चिंगारी ने सूखी फसल को आग की चपेट में ले लिया। तेज हवा के कारण आग तेजी से फैलती चली गई और किसानों को संभलने तक का मौका नहीं मिला। खेतों में खड़ी फसल, जो उनकी सालभर की आजीविका का आधार थी, पलभर में खत्म हो गई।घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और प्रशासनिक टीम मौके पर पहुंच गई। दमकल विभाग की तीन गाड़ियों ने ग्रामीणों के सहयोग से कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। मौके पर 112 पीआरबी टीम और नगर थाना अध्यक्ष भानु प्रताप सिंह अपनी टीम के साथ मौजूद रहे। नेकपाल धीरेन्द्र सिंह ने भी मौके पर पहुंचकर नुकसान का प्रारंभिक आकलन शुरू कर दिया है, जबकि प्रधान प्रतिनिधि प्रशांत मिश्रा सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण घटनास्थल पर मौजूद रहे।

पीड़ित किसानों ने प्रशासन से तत्काल सर्वे कराकर उचित मुआवजा दिलाने की मांग की है। उनका कहना है कि यह फसल ही उनके परिवार के पूरे वर्ष के खर्च का आधार थी और इस नुकसान से वे आर्थिक संकट में आ गए हैं। यह घटना ऐसे समय में सामने आई है जब जिले भर में गेहूं की कटाई जोरों पर है। कंबाइन मशीनों के संचालन में लापरवाही के चलते इस तरह की आग की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं, जिससे किसानों को लगातार भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है।

तेंदुए ने बछड़े को बनाया निवाला, दर्जन भर गांवों में दहशत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बलरामपुर। सुहेलदेव वन्यजीव अभयारण्य के बनकटवा रेंज अंतर्गत ग्राम पंचायत मोतीपुर के मजरे गौरीदासपुरवा गांव में शुक्रवार की भोर करीब तीन बजे एक तेंदुए ने राजेश्वर यादव की पशुशाला के बाहर बंधे बछड़े पर हमला कर उसका गला काटकर मार डाला। गाय के चिल्लाने की आवाज सुनकर राजेश्वर यादव ने टॉर्च जलाकर देखा तो सामने तेंदुआ खड़ा था। शोर मचाने पर तेंदुआ बछड़े को वहीं छोड़कर धीरे-धीरे पास की झाड़ी में घुस गया। सुबह होते ही राजेश्वर ने बनकटवा रेंजर को घटना की सूचना दी। मौके पर पहुंचे वन दरोगा जहीर खान ने घटनास्थल के आसपास कॉम्बिंग की और ग्रामीणों को सतर्क रहने की हिदायत दी।राजेश्वर यादव ने बताया कि 17 मार्च की रात भी उनके एक बछड़े को तेंदुआ निवाला बना चुका है, जिसके अवशेष कुछ दूर झाड़ी में मिले थे। ग्रामीण लालू और राजेश कुमार ने बताया कि गांव के पास पिछले दो दिनों से एक तेंदुआ देखा जा रहा है, जिससे ग्रामीणों में दहशत फैली हुई है। ग्रामीणों के अनुसार तेंदुए ने कई

छुट्टा मवेशियों पर हमला किया है, जिनके अवशेष पहाड़ी नाला धोबैनिया की झाड़ियों में पड़े हुए हैं। किसान अजय कुमार, बच्चू यादव, विजय कुमार, शिवम, रामनरेश, उमेश और प्रदीप ने बताया कि गांव के बाहर एक झाड़ी में तेंदुआ दिखाई दिया है।एक माह से बना हुआ है आतंककरीब एक माह पहले तेंदुआ टेढ़ीप्रास गांव के बुंदीलाल का पालतू पिल्ला उठा ले गया था। गांव के पश्चिम में स्थित पहाड़ी नाला जमधरा, धोबैनिया और खरझार के किनारे एक छुट्टा मवेशी को भी निवाला बना लिया, जिसके अवशेष एक झाड़ी में देखे गए थे। पास के टेढ़ीप्रास गांव में रामचरन के पालतू कुत्ते को भी घर के पाससे उठा ले गया। इसके अलावा तेंदुआ तिलकराम के घर के सामने बंधी बछिया और रामकुमार की बकरी को भी निवाला बना चुका है। सुरेश कुमार, विजय कुमार, विनय कुमार, रामू, पतिराम यादव, गोली, दिनेश कुमार, जगतराम, गुरु प्रसाद, अनिरुद्ध प्रसाद, सालिकराम, लवकुश, गुरु सहाय, बीपत, लखन और मन्नू आदि ग्रामीणों ने बताया कि इस समय गौरीदासपुरवा, टेढ़ीप्रास, छिटनडीह, बलदानडीह, रंगबंशपुरवा, करौंदापुरवा, लछुआपुर और खैरहनिया सहित दर्जन भर गांवों में तेंदुए का आतंक व्याप्त है।रामू ने बताया कि गांव के पश्चिम में कुछ दूरी पर धोबैनिया, जमधरा और पहाड़ी नाला खरझार के किनारे एक सैकड़ों वर्ष पुराना खंडहर मंदिर स्थित है और तेंदुआ उसी के आसपास रहता है। उल्लेखनीय है कि यह गांव जंगल से करीब दस किलोमीटर दूर स्थित है। सुरेश कुमार ने बताया कि एक माह से अधिक समय से आसपास के क्षेत्र में तेंदुए का आतंक बना हुआ है। अब तक तेंदुआ करीब आधा दर्जन बंदरों और कुत्तों को भी निवाला बना चुका है। इससे ग्रामीणों में भारी दहशत व्याप्त है और कई किसान खेतों की ओर जाने से भी कतरा रहे हैं, जिससे उनकी खेती-किसानी बुरी तरह प्रभावित हो रही है। इस संबंध में बनकटवा रेंजर शत्रुहन लाल ने बताया कि गांव में टीम भेजकर जांच कराई जा रही है।

बलरामपुर महोत्सव का रंगारंग आगाज, तीन दिवसीय उत्सव शुरू

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बलरामपुर- संवाददाता।उत्तर प्रदेश के बलरामपुर में तीन दिवसीय बलरामपुर महोत्सव का शुक्रवार को भव्य एवं रंगारंग कार्यक्रमों के साथ शुभारंभ हो गया। महोत्सव का उद्घाटन जिलाधिकारी विपिन कुमार जैन एवं स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर स्थानीय स्कूली बच्चों द्वारा प्रस्तुत विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों की दर्शकों ने भूरि-भूरि प्रशंसा की। महोत्सव का विधिवत शुभारंभ पूरे हर्षोल्लास के साथ किया गया। जिलाधिकारी विपिन कुमार जैन, मुख्य विकास अधिकारी हिमांशु गुप्ता, नगर पालिका अध्यक्ष धीरेंद्र प्रताप सिंह 'धीरू' सहित अन्य जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में जैसे ही रंगारंग कार्यक्रमों का आगाज हुआ, तालियों की गड़गड़ाहट से पूरा पांडाल गूंज उठा।कार्यक्रमशुरुआत सरस्वती वंदना से हुई, जिसे डिवाइन पब्लिक स्कूल की छात्राओं ने मनमोहक ढंग से प्रस्तुत किया। इसी विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने स्वागत गीत एवं समूह नृत्य की भी आकर्षक प्रस्तुति

दी। चिकित्सा विभाग की सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों (सीएचओ) द्वारा प्रस्तुत समूह नृत्य को दर्शकों ने खूब सराहा। केंद्रीय विद्यालय के छात्रों ने अवधी लोक नृत्य प्रस्तुत कर समां बांध दिया। अधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं दर्शक स्थानीय कलाकारों का निरंतर उत्साहवर्धन करते रहे।महोत्सव को लेकर नगरवासियों में पहले से ही भारी उत्सुकता थी, यही कारण था कि दोपहर बारह बजते-बजते भव्य पंडाल दर्शकों से पूरी तरह भर गया। सायंकाल महोत्सव में प्रसिद्ध गायिका मालविका हरिओम, सुप्रसिद्ध भजन गायिका तृप्ति शाक्या एवं हेमंत बृजवासी अपनी प्रस्तुति देंगे, जिसे लेकर स्थानीय लोगों में भारी उत्साह व्याप्त है।महोत्सव में उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए जिलाधिकारी विपिन कुमार जैन ने कहा कि यह महोत्सव स्थानीय प्रतिभाओं को मंच प्रदान करने और उन्हें निखारने में मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने कहा कि देश के नामी-गिरामी कलाकारों की प्रस्तुतियों का आनंद उठाते हुए स्थानीय लोग आगामी तीन दिनों तक भरपूर मनोरंजन कर सकेंगे।स्थानीय बड़ा परेड ग्राउंड में आयोजित इस महोत्सव में विभिन्न सरकारी विभागों एवं नगर के प्रतिष्ठित प्रतिष्ठानों के स्टॉल लगाए गए हैं। बच्चों के मनोरंजन का विशेष ध्यान रखा गया है। परिसर में झूले, सेल्फी पॉइंट सहित मनोरंजन के अनेक साधन उपलब्ध हैं।

कांग्रेस नेतृत्व ने रामबचन भारती को सौंपी अनुसूचित जाति के जिला अध्यक्ष की जिम्मेदारी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले के रुधौली विधानसभा क्षेत्र के वरिष्ठ कांग्रेसीनेता रामबचन भारती को पार्टी नेतृत्व मे अनुसचित विभाग का जिलाध्यक्ष नियुक्त किया है। कांग्रेस पार्टी अनुसूचित विभाग के नेशनल चेयरमैन राजेन्द्र पाल गौतम सांसद तनुज पूनिया प्रदेश अध्यक्ष अनुसूचित विभाग) ने तदर्थ नियुक्ति कर जिलाध्यक्षों से पार्टी हित मे कार्य करने और अनुसूचित जाति के लोगों की आवाज उठाने का कार्य करने का निर्देश दिया है। वरिष्ठ कांग्रेसी रामबचन भारती को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिलने पर पार्टी के पदाधिकारियों वे कार्यकर्ताओं ने बधाइयां व शुभकामनायें दिया है। पूर्व जिलाध्यक्ष ज्ञानेन्द्र पाण्डेय 'ज्ञानू' ने कहा रामबचन भारती कांग्रेस के निष्ठावान कार्यकर्ता हैं। कई दशक से उन्होने पार्टी के लिये कार्य करके न केवल अपना अनुभव बड़ा किया है बल्कि समय समय पर पार्टी के कार्यक्रमों मे बढ़चढ़कर हिस्सेदारी कर अपनी सक्रियता भी सिद्ध की है। रामबचन भारती को पार्टी द्वारा जिम्मेदारी दिये जाने पर पूर्व विधायक अंबिका सिंह, बसंत चौधरी, देवेन्द्र कुमार श्रीवास्तव, अनूप पाण्डेय, अफसर यू अहमद, विरेन्द्र प्रताप नारायण पाण्डेय, अनिरूद्ध त्रिपाठी, विश्वनाथ चौधरी, मो. रफीक खां, डा. शीला शर्मा, प्रशान्त पाण्डेय, लक्ष्मी यादव, बाबूराम सिंह एडवोकेट, नर्वदेश्वर शुक्ला,अनिल भारती, गिरजेश पाल, विनय तिवारी, अशोक श्रीवास्तव, सुनील पाण्डेय, अजय शुक्ला, शिवनरायन पाण्डेय, अतीउल्लाह सिद्धीकी, अवधेश सिंह, वाहिद सिद्धीकी, भूमिधर गुप्ता, रामबहादुर, शिवविभूति मिश्रा, डा. मारूफ खान, शकुन्तला देवी,अलीम अख्तर, मंजू पाण्डेय, संदीप श्रीवास्तव, गुड्डू सोनकर, लालजीत सिंह, विवेक श्रीवास्तव, शौकत अली नन्हू, साधूसरन आर्या, साधू पाण्डेय, अनिल तिवारी, सुरेन्द्र मिश्रा, राकेश गांधियन, राहुल चतुर्वेदी, अमरदेव सिंह, डा. दीपेन्द्र सिंह, डीएन शास्त्री, हरिशंकर तिवारी, राजकूपर,घनश्याम शुक्ला, देवी प्रसाद पाण्डेय, बृजभान कनौजिया, रामबाबू कल्पू, शिवशंकर भारती, राजेश भारती, रामधीरज चौधरी, शेर मोहम्मद, सूर्यमणि पाण्डेय, अजय प्रताप सिंह ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुये बधाइयां व शुभकामनायें देते हुये प्रदेश अध्यक्ष तनुज पूनिया व राष्ट्रीय नेतृत्व के प्रति आभार जताया है।

मोटरसाइकिल चोरी का खुलासा, 18 घंटे में अभियुक्त गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बलरामपुर। थाना कोतवाली नगर पुलिस ने मोटरसाइकिल चोरी की घटना का त्वरित खुलासा करते हुए महज 18 घंटे के भीतर अभियुक्त को चोरी की मोटरसाइकिल सहित गिरफ्तार कर लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, दिनांक 02 अप्रैल 2026 को आवेदक दिलीप कुमार कश्यप पुत्र शिवशंकर निवासी नीलकोठी अचलापुर, थाना कोतवाली देहात जनपद बलरामपुर की तहरीर पर मोटरसाइकिल चोरी के संबंध में मु0अ0सं0 74/2026 धारा 303(2) बीएनएस के तहत अज्ञात के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया गया था। पुलिस अधीक्षक बलरामपुर विकास कुमार के निर्देशन में, अपर पुलिस अधीक्षक विशाल पाण्डेय व क्षेत्राधिकारी नगर ज्योति श्री के पर्यवेक्षण तथा प्रभारी निरीक्षक मनोज कुमार सिंह के नेतृत्व में गठित टीम ने तेजी से कार्रवाई करते हुए मामले का सफल अनावरण किया।

दिनांक 03 अप्रैल 2026 को पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना के आधार पर ग्राम गेल्हापुर रोड से कस्बा बलरामपुर की ओर आने वाली सड़क के पास से अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया। उसके कब्जे से चोरी की मोटरसाइकिल भी बरामद कर ली गई। पुलिस ने मामले में धारा 317(2) बीएनएस की बढ़ोत्तरी करते हुए अभियुक्त को विधिक कार्रवाई के बाद माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत कर दिया है। पुलिस की इस त्वरित कार्रवाई से क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर आमजन में विश्वास बढ़ा है।

संक्षिप्त खबरें

जनचौपाल मे नहीं पहुंचे अधिकारी, औपचारिकता बनकर रह गया, आयोजन

ग्रामीणों को मिला सिर्फ इंतजार और निराशा, लौटे मायूस

लालगंज (रायबरेली)। आदर्श ग्राम पंचायत ऐहार में शुक्रवार को लगा जनचौपाल का बोर्ड, कुर्सियां भी सजीं... लेकिन जिनके लिए सब इंतजाम था, वही अधिकारी नदारद रहे। नतीजा–जनचौपाल 'जन' से भरी रही, पर 'अफसर' गायब! सुबह से अपनी समस्याएं लेकर पहुंचे ग्रामीण घंटों इंतजार करते रहे। हर आहट पर नजरें दरवाजे की ओर उठती रहीं, लेकिन कोई जिम्मेदार अधिकारी नहीं पहुंचा। आखिरकार लोगों की उम्मीदें मायूसी में बदल गईं। मौके पर सिर्फ ग्राम पंचायत सचिव, सफाई कर्मचारी और आंगनबाड़ी सहायक ही नजर आए। यानी जनचौपाल का मकसद वहीं दम तोड़ गया, जहां से शुरू होना था। ग्रामीणों ने प्रशासन पर सीधा निशाना साधते हुए कहा– 'जब सुनवाई ही नहीं होनी थी तो बुलाया क्यों?' लोगों का आरोप है कि जनचौपाल अब सिर्फ कागजों में दिखाने का खेल बनकर रह गया है। प्रधान विद्यावती यादव, प्रधान प्रतिनिधि राजेश फौजी, सदस्य सोनी निर्मल, रामविलास लोधी, भोला यादव, रजनू यादव, पुनीत सैनी, राहुल यादव, आदि मौजूद रहे, लेकिन बिना अधिकारियों के यह पूरा आयोजन बेमानी साबित हुआ।

केवाईसी और सर्वर संकट से जूझ रहे गैस उपभोक्ता

घंटों लाइन में लगकर भी लौटे मायूस

लालगंज (रायबरेली)। घरेलू गैस उपभोक्ताओं की परेशानी कम होने का नाम नहीं ले रही है। शुक्रवार को इंडेन और एचपी गैस एजेंसी के बाहर लंबी लाइनें लगी रहीं। सुबह से ही महिला, पुरुष और बुजुर्ग अपनी बारी का इंतजार करते नजर आए।अधिकतर लोग केवाईसी को लेकर परेशान दिखे। कई उपभोक्ताओं को कर्मचारियों ने सर्वर न होने की बात कहकर लौटा दिया। इससे लोगों में नाराजगी भी देखने को मिली। सातनपुर गांव की निर्मला ने बताया कि वह पिछले 15 दिनों से परेशान हैं। गैस बुक कराने के बाद ओटीपी नहीं आया।जानकारी करने पर पता चला कि केवाईसी नहीं है। वह तीन दिन से एजेंसी के चक्कर लगा रही हैं, लेकिन काम नहीं हो पा रहा। सुहाईखाग के रामनरेश सुबह 9 बजे से लाइन में लगे थे। 11:30 बजे तक उनका नंबर नहीं आया। उन्होंने बताया कि एक दिन पहले भी लाइन में लगे थे लेकिन बिना काम के वापस लौटना पड़ा।सूदन खेड़ा के एक बुजुर्ग ने बताया कि उन्होंने गैस सिलेंडर बुक किया था। मोबाइल पर डिलीवरी का मैसेज भी आ गया। इसके बावजूद सिलेंडर नहीं मिला। एजेंसी पहुंचने पर उन्हें बाद में देने की बात कही गई। लगातार हो रही इस समस्या से उपभोक्ता परेशान हैं। लोगों का कहना है कि व्यवस्था में सुधार की जरूरत है ताकि उन्हें बार बार एजेंसियों के चक्कर न लगाना पड़े।

आवारा सांड के हमले से बेकाबू बैलगाड़ी ने ली बुजुर्ग महिला की जान, परिजनों में मचा कोहराम

आवारा सांड बना मौत का कारण, ग्रामीणों में आक्रोश

लालगंज (रायबरेली)। कोतवाली क्षेत्र के पिलखा गांव में शुक्रवार को एक बेहद दर्दनाक हादसा हो गया। आवारा सांड के हमले से बेकाबू हुई बैलगाड़ी ने एक वृद्ध महिला की जान ले ली, जिससे पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई। गांव निवासी सुशीला (65) पत्नी दयाराम दोपहर में खेत से घर लौट रही थीं। वह पैदल आगे चल रही थीं, जबकि उनके पीछे उनका बेटा सोनू बैलगाड़ी लेकर आ रहा था। इसी दौरान गांव के पास अचानक एक आवारा सांड ने बैलगाड़ी पर हमला कर दिया। सांड को देख बैल बुरी तरह भड़क गए और तेज दौड़ने लगे, जिससे बैलगाड़ी अनियंत्रित हो गई। स्थिति बिगड़ते देख सोनू ने किसी तरह कूदकर अपनी जान बचाई और आगे चल रही मां को हटने के लिए आवाज लगाई। लेकिन जब तक सुशीला कुछ समझ पातीं, तब तक बेकाबू बैलगाड़ी उनके ऊपर से गुजर गई और मौके पर ही उनकी मौत हो गई। घटना के बाद गांव में दहशत का माहौल है। वहीं परिवार में कोहराम मच गया है। मृतका के तीनों बेटे–मनोज, सोनू और विजय का रो-रोकर बुरा हाल है। पति दयाराम, जो परदेश में एक कूलर फैक्ट्री में काम करते हैं, उन्हें भी घटना की सूचना दे दी गई है।

अव्यवस्था की आग में झुलसता बचपन: टिकरा सामद के विद्यालय में गैस के बजाय चूल्हे पर बन रहा मिड-डे मील वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। उन्नाव जनपद के औरास ब्लॉक स्थित ग्राम पंचायत टिकरा सामद के एक उच्च प्राथमिक विद्यालय से शिक्षा व्यवस्था की जमीनी हकीकत को उजागर करती एक चिंताजनक तस्वीर सामने आई है। जहां एक ओर सरकार डिजिटल शिक्षा और स्वच्छ भारत जैसे अभियानों का जोर-शोर से प्रचार कर रही है, वहीं दूसरी ओर इस विद्यालय में बच्चों का भविष्य धुएं और अव्यवस्था के बीच पक रहा है। मामला विद्यालय में बनने वाले मिड-डे मील (MDM) से जुड़ा है। जानकारी के अनुसार, यहां बच्चों के लिए भोजन गैस चूल्हे पर नहीं, बल्कि लकड़ियों और गोबर के उपलों से जलने वाले पारंपरिक चूल्हों पर तैयार किया जा रहा है। यह स्थिति न केवल सरकारी दावों पर सवाल खड़े करती है, बल्कि बच्चों के स्वास्थ्य और शिक्षा दोनों के लिए गंभीर खतरा बन चुकी है।

विद्यालय में कार्यरत रसोइयों–मोती, सलोनी और बताशा–ने अपनी पीड़ा साझा करते हुए बताया कि पहले खाना गैस सिलेंडर पर बनाया जाता था, जिससे काम आसान होता था और समय की भी बचत होती थी। लेकिन अब गैस सिलेंडर उपलब्ध नहीं है, जिसके चलते उन्हें मजबूरी में चूल्हे का सहारा लेना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि बड़ी संख्या में बच्चों के लिए भोजन बनाना चूल्हे पर बेहद कठिन होता है और इससे निकलने वाला धुआं आंखों और फेफड़ों पर बुरा असर डाल रहा है। रसोइयों का आरोप है कि मिड-डे मील के लिए गैस सिलेंडर का बजट सरकार द्वारा जारी किया जाता है और इसकी राशि सीधे ग्राम प्रधान के खाते में भेजी जाती है। इसके बावजूद विद्यालय तक सिलेंडर नहीं पहुंच रहा है, जिससे कई सवाल खड़े हो रहे हैं कि आखिर आवंटित धनराशि कहां जा रही है।

इस पूरी स्थिति का असर सीधे बच्चों पर पड़ रहा है। चूल्हे से उठने वाला जहरीला धुआं विद्यालय परिसर में फैल जाता है, जिससे छोटे-छोटे बच्चे भी प्रभावित हो रहे हैं। इससे उनके स्वास्थ्य पर नकारात्मक असर पड़ने की आशंका बढ़ गई है। साथ ही, पढ़ाई का माहौल भी प्रभावित हो रहा है, क्योंकि धुएं और अव्यवस्था के बीच पढ़ाई करना बच्चों के लिए आसान नहीं है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या बच्चे विद्यालय में शिक्षा ग्रहण करेंगे या फिर इस तरह की लापरवाही और अव्यवस्था का शिकार बनते रहेंगे? ग्राम प्रधान और संबंधित अधिकारियों की इस उदासीनता पर आखिर कौन कार्रवाई करेगा? अब देखना यह होगा कि प्रशासन इस गंभीर मामले का संज्ञान कब लेता है और विद्यालय में दोबारा गैस सिलेंडर की व्यवस्था कब बहाल होती है। जब तक जिम्मेदार लोग अपनी जिम्मेदारी नहीं निभाते, तब तक ऐसे ही हालात में बच्चों का बचपन और भविष्य दोनों प्रभावित होते रहेंगे।

दारुल उलूम हबीबिया रिज्विया गोपीगंज का दीक्षांत समारोह कल

स्वतंत्र प्रभात ब्रेकिंग न्यूज़

गोपीगंज। दारुल उलूम हबीबिया रिज्विया गोपीगंज का 34वां सालाना दस्तार ए फजीलत (हबीब ए दो आलम कांफ्रेंस) पूरी शानो शौकत के साथ 05 अप्रैल रविवार को आयोजित किया गया है। यह जानकारी प्राचार्य मोहम्मद मुख्तार रिज्वी ने देतेबताया कि इसमें हजरत अल्लामा मौलाना हम्माद रजा मुरादाबाद, सैयद मोहम्मद शारीक, अलाऊद्दीन चतुर्वेदी एवं हजरत अल्लामा अब्दुस्समद जियाई भदोही और शायरो में मो.अख्तर काशब गिरीडीह झारखंड, शमीर रजा, एहशान शाबरी शामिल होंगेमदरसे के 30 छात्र हाफिज मौलवी व कारी का खिताब हासिल करेंगे।

फ्री मेडिकल हेल्थ एजुकेशन कैंप का ग्राम खानपुर सादात में किया गया आयोजन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लहरपुर सीतापुर जनरल इंश्योरेंस कारपोरेशन ऑफ़ इंडिया श्री पीतांबरा शिक्षा समिति एवं के पी सिंह मेमोरियल हॉस्पिटल पारा सराय के संयुक्त तत्वाधान में एक फ्री मेडिकल हेल्थ एजुकेशन कैंप का आयोजन ग्राम सभा खानपुर सादात में किया गया जिसमें 168 रोगियों का परीक्षण कर उन्हें दवाइयां और स्वास्थ्य संबंधी जानकारी एवं परामर्श दिया गया कैंप में डॉक्टर एस ए मीर एमडी मेडिसिन जनरल फिजिशियन डा अनुज वर्मा डॉक्टर एहतेशाम खान जनरल फिजिशियन डॉ मधुलिका राय गाईनी डॉक्टर हर्षित जैन सर्जन डॉक्टर मुस्कान गाईनी महिला रोग विशेषज्ञ तथा फार्मासिस्ट एवं नर्सिंग स्टाफ के द्वारा रोगियों को चिकित्सा एवं परामर्श की सुविधा प्रदान की गई। कार्यक्रम में के पी सिंह मेमोरियल इंस्टीट्यूट आफ फार्मेसी तथा केपी सिंह हॉस्पिटल पारा सराय के चेयरमैन डॉक्टर एसपी सिंह के द्वारा कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में 70 वर्ष आयु पूर्ण कर चुके लोगों का आयुष्मान कार्ड भी बनाया गया कार्यक्रम में मुख्य रूप से सलमान जैदी अंशुमान सिंह ऐश्वर्य प्रताप सिंह समेत ग्राम सभा के सम्मानित नागरिक एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

कोतवाली में भावुक माहौल के बीच सात होमगार्ड जवानों के सेवानिवृत्त होने पर भव्य विदाई समारोह

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महाराजगंज/रायबरेली: महाराजगंज कोतवाली परिसर में एक भावुक माहौल के बीच सात होमगार्ड जवानों के सेवानिवृत्त होने पर भव्य विदाई समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सेवानिवृत्त हुए जवानों को माला पहनाकर, मुंह मीठा कराकर तथा प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मानपूर्वक विदाई दी गई। आपको बता दें कि, सेवानिवृत्त होने वालों में कमलेश कुमार शुक्ला, जगदेव मिश्रा, जंग बहादुर यादव, छेदी लाल यादव, सुरेन्द्र बहादुर सिंह, शिवमंगल चौरसिया एवं देव नारायण शामिल रहे। सभी ने वर्षों तक अपनी सेवाएं देकर विभाग की जिम्मेदारियों का निर्वहन किया।

इस अवसर पर कोतवाली प्रभारी जगदीश यादव ने अपने संबोधन में कहा, 'होमगार्ड जवानों ने विपरीत परिस्थितियों में भी निष्ठा, अनुशासन और समर्पण के साथ अपनी सेवाएं दी हैं। इनकी भूमिका कानून-व्यवस्था बनाए रखने में अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। आज इनकी विदाई केवल एक औपचारिकता नहीं, बल्कि उनके योगदान के प्रति हमारा सम्मान है। हम सभी इनके उज्ज्वल, स्वस्थ और सुखद भविष्य की कामना करते हैं। कार्यक्रम के दौरान मौजूद अन्य अधिकारियों और कर्मचारियों ने भी सेवानिवृत्त जवानों के साथ बिताए गए अनुभव साझा किए और उनके योगदान को सराहा। माहौल भावुक रहा और कई लोगों की आंखें नम हो गईं। इस मौके पर प्लाटून कमांडर इंद्रमणि सिंह सहित राजेश राय, एसीसी बुद्धिसेन शर्मा, रामप्रताप यादव, रामदास, शिवकरण यादव, संतोष द्विवेदी, अनुज कुमार सिंह, मनीराम, दिनेश कुमार सिंह, रामकुमार सिंह, लाल मोहम्मद, धर्मदास, मातापेर, ब्रजेश सिंह, रमापति बाजपेई, तेजकुमार, संतलाल, राजीव मिश्रा, आशीष द्विवेदी, रामयश मौर्य, रामप्रकाश सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

शिक्षा की नींव मजबूत करने का प्रयास, प्रदेश के परिषदीय स्कूलों में हर सप्ताह 'रीडिंग डे' से बढ़ेगी पढ़ने की आदत

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में शिक्षा की नींव मजबूत करने पर जोरदार प्रयास किया जा रहा है। अब परिषदीय विद्यालयों में बच्चों की पढ़ने की आदत विकसित करने के लिए अब हर सप्ताह एक दिन 'रीडिंग डे' मनाया जाएगा। प्रदेश में कक्षा दो से आठ तक के छात्र-छात्राएं इस दिन लाइब्रेरी में बैठकर पठन-पाठन करेंगे। यह व्यवस्था शैक्षिक सत्र 2026-27 के लिए तैयार किए गए नए शैक्षिक कैलेंडर में लागू की गई है। प्रदेश के परिषदीय, प्राथमिक, उच्च प्राथमिक, कंपोजिट विद्यालयों के साथ-साथ कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों में निर्धारित शैक्षिक कैलेंडर के अनुसार पढ़ाई कराई जाएगी। अप्रैल से ही इसकी शुरुआत करते हुए पूरे वर्ष के लिए महीनेवार पाठ्यक्रम तय किया गया है, ताकि समयबद्ध तरीके से पढ़ाई पूरी हो सके। इसकी हर माह प्रधानाध्यापक समीक्षा भी करेंगे। बढ़ते स्क्रीन टाइम को देखते हुए बच्चों को मोबाइल और टीवी से दूर रखने के लिए पहल की गई है। इसके तहत बच्चों को समाचार पत्र पढ़ने की आदत विकसित करने के निर्देश दिए गए हैं। प्रार्थना सभा में रोजाना मुख्य समाचार बच्चों से पढ़वाए जाएंगे। कैलेंडर के मुताबिक, अप्रैल में वार्षिक पाठ्यक्रम का करीब 20 प्रतिशत हिस्सा पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके लिए शिक्षकों को उसी अनुसार पाठ योजना तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं।

AIM CBSE कॉलेज का वार्षिक सम्मान समारोह बना भावनाओं का उत्सव

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर बारी (सिधौली), 2 अप्रैल 2026 AIM CBSE कॉलेज, बारी (सिधौली) का वार्षिक सम्मान समारोह इस वर्ष केवल एक औपचारिक आयोजन नहीं रहा, बल्कि यह भावनाओं, गर्व और प्रेरणा का अद्भुत संगम बन गया। पूरे परिसर में उत्साह, उल्लास और आत्मीयता का ऐसा वातावरण था, जिसने हर उपस्थित व्यक्ति के हृदय को छू लिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उत्तर प्रदेश सरकार के शहरी विकास मंत्री माननीय श्री राकेश राठौर की गरिमामयी उपस्थिति रही। विशिष्ट अतिथि के रूप में उप श्रम आयुक्त डॉ. महेश पांडेय तथा गेस्ट ऑफ ऑनर कर्नल राजेश त्रिवेदी ने समारोह की शोभा बढ़ाई। इसके साथ ही क्षेत्र के सम्मानित प्रधान, सभासद, अधिवक्ता, पत्रकार एवं अभिभावकों की उपस्थिति ने कार्यक्रम को सामाजिक एकता का स्वरूप प्रदान किया।

कॉलेज के सचिव एडवोकेट एम. एस. फ़रीदी द्वारा अतिथियों का पुष्पगुच्छ, अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह देकर स्वागत किया गया, जो केवल औपचारिकता न होकर सम्मान और संस्कारों की सजीव अभिव्यक्ति प्रतीत हुआ। मुख्य अतिथि श्री राकेश राठौर ने अपने संबोधन में विद्यार्थियों को मेहनत, अनुशासन और लक्ष्य के प्रति समर्पण का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि ढ़ूरू कॉलेज केवल शिक्षा प्रदान नहीं कर रहा, बल्कि छात्रों को राष्ट्रनिर्माता बनने की दिशा में अग्रसर कर रहा है। उनके प्रेरणादायक शब्दों ने विद्यार्थियों के भीतर नई ऊर्जा और आत्मविश्वास का संचार किया। जब मेधावी छात्र-छात्राओं को मंच पर बुलाकर सम्मानित किया गया, तो वह दृश्य सभी के लिए गर्व का क्षण बन गया। तालियों की गूंज के बीच जब बच्चों ने मेडल, ट्रॉफी और प्रमाण पत्र ग्रहण किए, तो उनकी आंखों में चमकते सपने स्पष्ट दिखाई दे रहे थे। विशिष्ट अतिथि डॉ. महेश पांडेय ने शिक्षा को जीवन की सबसे बड़ी शक्ति बताते हुए कहा कि यही वह आधार है, जो व्यक्ति को सही दिशा देता है और समाज को सशक्त बनाता है। वहीं कर्नल राजेश त्रिवेदी ने अनुशासन, देशभक्ति और नेतृत्व पर बल देते हुए विद्यार्थियों को राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका समझने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के दौरान प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने वातावरण को रंगीन और भावनाओं से भर दिया। नृत्य, गीत और नाट्य प्रस्तुतियों ने न केवल मनोरंजन किया, बल्कि प्रत्येक प्रस्तुति में विद्यार्थियों की मेहनत और समर्पण स्पष्ट झलकता रहा। समारोह का सबसे भावुक और अविस्मरणीय क्षण वह था, जब अपने बच्चों को मंच पर सम्मानित होते देख कई अभिभावकों की आंखें नम हो गईं। उन आंसुओं में वर्षों की मेहनत, त्याग और सपनों की चमक समाई हुई थी। यह दृश्य इस बात का प्रतीक था कि यह सम्मान केवल बच्चों का नहीं, बल्कि उनके परिवारों के संघर्ष और विश्वास की भी जीत है। पूरे कार्यक्रम ने यह सिद्ध कर दिया कि ढ़ूरू कॉलेज केवल एक शिक्षण संस्थान नहीं, बल्कि सपनों को साकार करने का एक सशक्त मंच है। अंत में धन्यवाद ज्ञापन के साथ समारोह का समापन हुआ, लेकिन यह आयोजन हर उपस्थित व्यक्ति के मन में एक प्रेरणादायक स्मृति बनकर बस गया।

भागवत सुनने मात्र से दूर हो जाते हैं कष्ट- कथा व्यास पंडित चंद्रेश कृष्ण शास्त्री

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महराजगंज/रायबरेली। अखरी पोस्ट कसेरुवा में ससवेदी, गणेश आविका, रूद्र हनुमत देव, सहित मोक्षदायिनी श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन मुख्य यजमान शिव सिंह, सपत्नीक किरन सिंह, के यहां आनंद मिश्रा के द्वारा संकल्पित सातवीं श्रीमद् भागवत कथा का हो रहा भव्य आयोजन। आपको बता दें कि, ग्राम सभा अखरी पोस्ट कसेरुवा जिला फतेहपुर में श्रीमद् भागवत कथा के तीसरे दिन शुक्रवार को श्री अयोध्या धाम से पधारे कथा व्यास पंडित चंद्रेश कृष्ण शास्त्री ने विभिन्न प्रसंगों पर अद्भुत व्याख्यान प्रस्तुत करते हुए लोगों से सन्मार्ग पर चलने की बात कही।

कथा व्यास ने बताया कि, भागवत कथा से मनुष्यों को ज्ञान व वैराग्य की प्राप्ति होती है। श्रीमद् भागवत कथा जीवन में उद्देश्य व दिशा को दर्शाती है इसीलिए कहते हैं की श्रीमद् भागवत कथा सुनने मात्र से मनुष्य को मोक्ष की प्राप्ति होती है उसे ईश्वर के श्री चरणों में स्थान मिलता है। कथा व्यास ने यह भी बताया कि, मनुष्य का क्या कर्तव्य है इसका बोध भागवत सुनकर ही होता है विडंबना यह है कि मृत्यु निश्चित होने के बाद भी हम उसे स्वीकार नहीं करते हैं निष्काम भाव से प्रभु का स्मरण करने वाले लोग अपना जन्म और मरण दोनों सुधार लेते हैं। प्रभु जब अवतार लेते हैं तो माया के साथ आते हैं साधारण मनुष्य माया को शाश्वत मान लेता है और अपने शरीर को प्रधान मान लेता है जबकि शरीर नश्वर है भागवत कथा यह सिखाती है कि, कर्म ऐसे करो जो निष्काम हो वही सच्ची भक्ति है। कथा व्यास ने सती प्रसंग, ध्रुव चरित्र, श्रृंगीऋषि के प्रसंग पर अद्भुत व्याख्यान प्रस्तुत किया। कथा व्यास पंडित चंद्रेश कृष्ण शास्त्री द्वारा विभिन्न प्रसंगों को सुनकर पांडाल में उपस्थित हजारो श्रद्धालु भाव विभोर हो गए। इस मौके पर यज्ञ शाला के मुख्य आचार्य पंडित सीताराम शास्त्री, यज्ञाचार्य सुबोध शास्त्री, उपयज्ञाचार्य योगेंद्र नाथ त्रिपाठी, व्यवस्थापक शीतला बख्श सिंह, श्रवण मिश्रा, शेर सिंह, विजय बहादुर सिंह, राजा सिंह चौहान, अक्षत सिंह, शुभम सिंह, मोनू सिंह, विक्रम सिंह, हर्षित सिंह, निखिल सिंह, रंग बहादुर सिंह, धीरेंद्र सिंह एवं समस्त मित्रगण सहित आदि भक्त उपस्थित रहे।

'साधना सप्ताह' में एआइ कोर्स अनिवार्य, यूपी में शिक्षा विभाग के सभी अधिकारियों-कर्मचारियों के लिए नया फरमान जारी

लखनऊ। मिशन कर्मयोगी के तहत आठ अप्रैल तक आयोजित 'साधना सप्ताह' में बेसिक और माध्यमिक शिक्षा विभाग के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए एआइ (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) से जुड़े कोर्स करना अनिवार्य कर दिया गया है। तीन एआइ कोर्स पूरा करने पर कर्मचारियों को 'एआइ दक्ष' का खिताब और प्रमाण-पत्र दिया जाएगा। महानिदेशक स्कूल शिक्षा मोनिका रानी की ओर से जारी निर्देश में कहा गया है कि इस सप्ताह के दौरान कम से कम चार घंटे का आनलाइन प्रशिक्षण पूरा करना होगा। इसके लिए आइगाट कर्मयोगी पोर्टल पर एआइ से जुड़े छह कोर्स उपलब्ध कराए गए हैं, जिनमें से किसी भी तीन को पूरा करना जरूरी है। यदि कोई अधिकारी आइगाट मार्केट प्लेस से संबंधित एक कोर्स पूरा करता है, तो उसे 'कर्मयोगी उत्कृष्ट' बैच का खिताब भी मिलेगा। फ्रंटलाइन वर्कर्स के लिए संचार कौशल, सेवा भाव और राजधर्म जैसे विषयों पर विशेष कोर्स भी शामिल किए गए हैं। विभाग ने सभी कार्यालयाध्यक्षों को निर्देश दिया है कि वे व्यक्तिगत रुचि लेकर अपने अधीनस्थ कर्मचारियों से तय समय में कोर्स पूरा कराएं, ताकि डिजिटल और एआइ आधारित कार्य संस्कृति को बढ़ावा मिल सके।

बिसवां बार एसोसिएशन चुनाव का आगाज, नामांकन के साथ गूंजा तहसील परिसर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बिसवां (सीतापुर)। बिसवां बार एसोसिएशन के वार्षिक चुनाव का विधिवत शुभारंभ हो गया। चुनावी प्रक्रिया के तहत अध्यक्ष पद के उम्मीदवार राजकिशोर यादव एडवोकेट तथा सचिव पद के उम्मीदवार नीरज कुमार श्रीवास्तव ने बैंड-बाजे के साथ उत्साहपूर्ण माहौल में अपना-अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। नामांकन से पूर्व दोनों प्रत्याशियों ने तहसील परिसर स्थित शहीद स्मारक पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की तथा परिसर में स्थित भोलेनाथ मंदिर में पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इसके उपरांत निर्वाचन अधिकारी ब्रजेश नारायण गुप्ता, प्रमोद कुमार श्रीवास्तव एवं राजेश वर्मा के समक्ष विधिवत नामांकन प्रक्रिया पूरी की गई। अध्यक्ष पद हेतु राजकिशोर यादव, पुत्ती लाल वर्मा, सचिव पद के लिए नीरज वर्मा, इन्द्रपाल वर्मा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद के लिए संतोष कटेरिया, उपाध्यक्ष पद के लिए इंतखाब आलम, संयुक्त सचिव प्रशासन विपिन कुमार यादव ने नामांकन दाखिल किया।

इस अवसर पर तहसील परिसर में अधिवक्ताओं की अच्छी खासी भीड़ देखने को मिली। कार्यक्रम में वरिष्ठ अधिवक्ता आर.एन. सिंह, अध्यक्ष बिसवां बार एसोसिएशन दिनेश श्रीवास्तव, अशोक वर्मा, सूर्य प्रसाद यादव, रामकिशोर वर्मा, शिशुलाल यादव, के0के0वैश्य बिसवां बार एसोसिएशन के अधिवक्ता मौजूद रहे इसके अलावा बिसवां लॉयर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष आनंद मेहरोत्रा एवं सचिव नागेंद्र मौर्य भी उपस्थित रहे। इसके अलावा निर्भय मौर्य, राजेंद्र प्रताप सिंह, राजेश सिंह, वीरेंद्र शुक्ला, राजेंद्र वर्मा, रजनीश मिश्रा, नईम अंसारी, सर्वेश मोहन श्रीवास्तव, कुंवर आशीष सिंह, रेनू राजपूत सहित बड़ी संख्या में अधिवक्ताओं की मौजूदगी रही। चुनावी माहौल के आगाज के साथ ही तहसील परिसर में उत्साह और सरगर्मी का माहौल बन गया है। आगामी दिनों में चुनावी गतिविधियों के और तेज होने की संभावना है।

दलित मतदाताओं में पैठ बढ़ाने के लिए अखिलेश का नया दांव, 2027 के चुनाव को लेकर एक्टिव हुई सपा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। वर्ष 2027 के विधान सभा की जमीन मजबूत करने में जुटी सपा दलित मतदाताओं में पैठ बढ़ाने के लिए बड़ा दांव चलने जा रही है। इस बार पार्टी द्वारा 14 अप्रैल को डा. बीआर आंबेडकर की जयंती का आयोजन गांव और सेक्टर स्तर पर किया जाएगा। इससे पहले राज्य मुख्यालय के साथ केवल जिला कार्यालयों पर ही जयंती मनाई जाती रही है। इस बार कोशिश है कि अधिक से अधिक दलित आबादी को जोड़ा जाए और संविधान बचाने के लिए पार्टी के समर्थन को प्रेरित किया जाए। शुक्रवार को सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने पत्रकार वार्ता में कहा कि भाजपा सरकार में संविधान पर जो संकट है, उसकी चर्चा इन आयोजनों में की जाएगी। पार्टी मुख्यालय पर युवा संगठनों के पदाधिकारियों संग बैठक के बाद पत्रकार वार्ता में सपा प्रमुख ने कहा कि यह अमृत काल नहीं, संकट काल चल रहा है। हम समाजवादी लोग बाबा साहब, डा. राममनोहर लोहिया और नेताजी मुलायम सिंह यादव के रास्ते पर चलते हुए समाज को नई दिशा देना चाहते हैं। भाजपा लोकतंत्र को नहीं, एकतंत्र को मानती है। संविधान को कमजोर करना चाहती है। हम सब पीडीए के पीड़ित, दुखी, अपमानित लोगों को साथ लेकर वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव की तरह वर्ष 2027 के विधान सभा चुनाव में भाजपा को हराकर प्रदेश में पुनः समाजवादी सरकार बनाएंगे।

प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के क्षेत्र में दिन दहाड़े हत्याएं: अखिलेश

सपा प्रमुख ने कहा कि प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के क्षेत्र में दिन दहाड़े हत्याएं होती हैं। भाजपा के सांसद ने कहा न्याय नहीं मिलेगा तो पोल खोल दूंगा। जापान देखकर आने के बाद भी लोगों की आंखें नहीं खुल रही हैं। स्वास्थ्य विभाग वेंटीलेटर पर है। लापरवाही की हद है कि जानवर को लगने वाली सिरिंज आदमियों को लगाने के लिए खरीद ली गई। मुद्दों से ध्यान भटकाने को सरकार बहाना ढूंढती है। अब तो खाद, गंगा सफाई आदि समस्याओं के लिए ईरान-इजरायल युद्ध को जिम्मेदार ठहरा देगी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर तंज

उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर तंज करते हुए कहा कि लखनऊ में बने ग्रीन कारीडोर की बर्बादी के लिए डिजाइन बनाने वाला जिम्मेदार है। लगता है इसकी डिजाइन मुख्यमंत्री ने की है। भाजपा सबकुछ बेच रही है तो जेपीएनआइसी को भी बेच दे, अब हम उसे नहीं खरीदेंगे। इससे पहले बैठक में पदाधिकारियों को निर्देश दिए कि सपा सरकार बनाने के लिए युवा पूरी मुस्तैदी से बूथ स्तर तक जुटें। अपनी भाषा, व्यवहार और शिष्ट आचरण का परिचय दें। हमारी भाषा एक दूसरे के प्रति सम्मानजनक व्यवहार होना चाहिए।

मलिहाबाद में ईमानदारी की मिसाल: उप निरीक्षक ने लौटाया 10,500 रुपये व महत्वपूर्ण दस्तावेजों से भरा पर्स

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ के मलिहाबाद क्षेत्र में पुलिस की ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा का एक सराहनीय उदाहरण सामने आया है। यहां तैनात उप निरीक्षक दिनेश कुमार सिंह ने एक बार फिर यह साबित कर दिया कि पुलिस सिर्फ कानून-व्यवस्था बनाए रखने तक ही सीमित नहीं है, बल्कि समाज में विश्वास और मानवता की मिसाल भी पेश करती है। जानकारी के अनुसार, मलिहाबाद थाने में तैनात उप निरीक्षक दिनेश कुमार सिंह को ड्यूटी के दौरान एक लावारिस पर्स मिला। पर्स की तलाशी लेने पर उसमें 10,500 रुपये नकद के साथ कई महत्वपूर्ण दस्तावेज पाए गए। ऐसे मामलों में अक्सर सामान के मालिक तक पहुंचना चुनौतीपूर्ण होता है, लेकिन उप निरीक्षक ने जिम्मेदारी और ईमानदारी का परिचय देते हुए पर्स के असली मालिक को खोजने का निर्णय लिया।

पर्स में मिले दस्तावेजों की बारीकी से जांच की गई। इसी दौरान एक मोबाइल नंबर मिला, जो इस मामले में अहम कड़ी साबित हुआ। उप निरीक्षक दिनेश कुमार सिंह ने तुरंत उस नंबर पर संपर्क किया और पर्स के मालिक के बारे में जानकारी जुटाई। जांच के बाद यह स्पष्ट हुआ कि यह पर्स फिरोजपुर निवासी सरोज का है, जो किसी कारणवश रास्ते में गिर गया था। सूचना मिलने के बाद सरोज तुरंत मलिहाबाद थाने पहुंचे। वहां पुलिस ने आवश्यक सत्यापन प्रक्रिया पूरी की, ताकि पर्स सही व्यक्ति को ही सौंपा जा सके। पूरी जांच-पड़ताल के बाद उप निरीक्षक दिनेश कुमार सिंह ने पर्स उसके असली मालिक सरोज को सौंप दिया। पर्स में रखे सभी रुपये और दस्तावेज सुरक्षित पाकर सरोज की खुशी का ठिकाना नहीं रहा।

अपना खोया हुआ पर्स वापस मिलने पर सरोज ने मलिहाबाद पुलिस और विशेष रूप से उप निरीक्षक दिनेश कुमार सिंह का दिल से आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि आज के समय में इस तरह की ईमानदारी बहुत कम देखने को मिलती है और पुलिस का यह कदम समाज में विश्वास को मजबूत करता है। इस घटना के बाद क्षेत्र में उप निरीक्षक दिनेश कुमार सिंह की जमकर सराहना हो रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि ऐसे कार्य पुलिस की सकारात्मक छवि को मजबूत करते हैं और आम जनता का भरोसा बढ़ाते हैं। यह घटना न केवल पुलिस की ईमानदारी को दर्शाती है, बल्कि समाज के लिए भी एक प्रेरणा है कि सच्चाई और जिम्मेदारी का रास्ता हमेशा सबसे बेहतर होता है। मलिहाबाद पुलिस की इस पहल ने ये साबित कर दिया है कि जब कर्तव्य के साथ ईमानदारी जुड़ जाती है, तो हर काम समाज के लिए एक मिसाल बन जाता है।

सम्यक्त्व के भाव जागृत हों, आत्म-जागरण, समत्व और सच्चे दर्शन की ओर एक गहन यात्रा

मनुष्य जीवन केवल भौतिक उपलब्धियों का नाम नहीं है, बल्कि यह आत्मा की पहचान और उसके वास्तविक स्वरूप की खोज का माध्यम है। जब तक मनुष्य अपने भीतर छिपे सत्य को नहीं पहचानता, तब तक वह बाहरी संसार में भटकता रहता है। सम्यक्त्व, अर्थात् सम्यक् दर्शन, इस आत्म-जागरण की प्रथम सीढ़ी है। यह वह अवस्था है, जहाँ से आत्मा अपने वास्तविक स्वरूप की ओर अग्रसर होती है और जीवन का सच्चा उद्देश्य स्पष्ट होने लगता है।

जैसे सागर का जल ऊपर से खारा प्रतीत होता है, परंतु गहराई में उतरने पर वही जल मधुर हो जाता है, ठीक उसी प्रकार दर्शन का विषय भी प्रारंभ में सामान्य व्यक्ति को नीरस या कठिन लग सकता है। लेकिन जैसे-जैसे साधक इसकी गहराई में उतरता है, उसे इसमें आनंद और शांति का अनुभव होने लगता है। यह अनुभव बाहरी नहीं, बल्कि आंतरिक होता है, जो आत्मा को स्थिरता और संतोष प्रदान करता है।

सम्यक्त्व का अर्थ केवल किसी सिद्धांत को स्वीकार करना नहीं है, बल्कि यह आत्मा की एक ऐसी जागृत अवस्था है, जहाँ मिथ्यात्व अर्थात् गलत दृष्टिकोण का प्रभाव समाप्त हो जाता है। जब सम्यक् दर्शन आत्मा में प्रकट होता है, तब वह सूर्य के समान प्रकाशित होता है, जिसके सामने अज्ञान रूपी अंधकार टिक नहीं पाता। यह स्थिति सहज नहीं होती, बल्कि इसके लिए आत्म-पुरुषार्थ, साधना और निरंतर प्रयास आवश्यक है।

आज के समय में मनुष्य बाहरी दिखावे और भौतिक सुखों में इतना उलझ गया है कि वह अपने वास्तविक स्वरूप को भूल चुका है। वह अपने शरीर, पद, प्रतिष्ठा और संपत्ति को ही अपना सब कुछ मान बैठता है। यही आसक्ति उसे सत्य से दूर ले जाती है। यदि सम्यक्त्व की प्राप्ति करनी है, तो सबसे पहले इस देह और संसार के प्रति अत्यधिक मोह को त्यागना होगा। जब तक मनुष्य अपने भीतर वैराग्य और समत्व की भावना विकसित नहीं करता, तब तक वह आत्मा के सच्चे स्वरूप को नहीं जान सकता।

सम्यक्त्व कोई बाहरी वस्तु नहीं है, जिसे किसी से प्राप्त किया जा सके। यह तो आत्मा का स्वाभाविक गुण है, जो अज्ञान के कारण दबा हुआ है। जब मनुष्य अपने भीतर की चेतना को जागृत करता है, तब यह गुण स्वतः प्रकट हो जाता है। इसके लिए किसी बाहरी आडंबर, दिखावे या कर्मकांड की आवश्यकता नहीं होती, बल्कि सच्ची साधना और आत्म-निरीक्षण की आवश्यकता होती है।

आत्म-विश्वास इस मार्ग का एक महत्वपूर्ण आधार है। बिना आत्म-विश्वास के कोई भी व्यक्ति आध्यात्मिक प्रगति नहीं कर सकता। जब मनुष्य अपने भीतर की शक्ति को पहचानता है, तब वह किसी भी परिस्थिति में विचलित नहीं होता। जीवन में मित्र और शत्रु दोनों मिलते हैं, परंतु जिसका आत्म-विश्वास दृढ़ होता है, वह किसी से भयभीत नहीं होता। वह हर स्थिति में संतुलित और स्थिर रहता है।

इतिहास और धर्मग्रंथों में ऐसे अनेक उदाहरण मिलते हैं, जहाँ आत्म-विश्वास और सम्यक् दृष्टि के कारण व्यक्तियों ने असंभव को संभव कर दिखाया। यह आत्म-विश्वास ही वह शक्ति है, जो मनुष्य को कठिनाइयों से लड़ने और सत्य के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती है। जब मनुष्य अपने भीतर इस शक्ति को जागृत कर लेता है, तब वह बाहरी परिस्थितियों से प्रभावित नहीं होता, बल्कि स्वयं अपने जीवन का निर्माता बन जाता है।

समत्व की भावना भी सम्यक्त्व का एक महत्वपूर्ण अंग है। जीवन में सुख और दुःख, लाभ और हानि, मान और अपमान आते रहते हैं। जो व्यक्ति इन सभी परिस्थितियों में समान भाव रखता है, वही सच्चा साधक है। जब मनुष्य समत्व को अपनाता है, तब वह कर्मों के बंधन से मुक्त होने लगता है। क्योंकि कर्मों का बंधन राग और द्वेष के कारण ही होता है, और समत्व इन दोनों को समाप्त कर देता है।

शरीर के प्रति अत्यधिक मोह भी सम्यक्त्व की प्राप्ति में बाधा है। यह शरीर नश्वर है और रोगों का घर है। जब तक मनुष्य इसे ही अपना सब कुछ मानता रहेगा, तब तक वह दुःखों से मुक्त नहीं हो सकता। लेकिन जब वह समझता है कि वह शरीर नहीं, बल्कि आत्मा है, तब उसके दृष्टिकोण में परिवर्तन आने लगता है। यही परिवर्तन उसे सम्यक् दर्शन की ओर ले जाता है।

कर्मों का सिद्धांत भी इस संदर्भ में महत्वपूर्ण है। प्रत्येक जीव अपने कर्मों का फल भोगता है। कोई भी व्यक्ति अपने कर्मों से बच नहीं सकता। इसलिए आवश्यक है कि हम अपने विचारों और भावों को शुद्ध रखें। क्योंकि जैसा हमारा चिंतन होगा, वैसा ही हमारा जीवन बनेगा। यदि हमारे भाव शुद्ध और सम्यक् होंगे, तो हमारे कर्म भी शुद्ध होंगे और उनका फल भी शुभ होगा।

महत्त्व वस्तुओं का नहीं, बल्कि भावों का होता है। यदि किसी के पास देने के लिए कुछ नहीं है, लेकिन उसके मन में देने की भावना है, तो वह भी महान है। वहीं यदि किसी के पास सब कुछ है, लेकिन उसके भीतर दया और करुणा नहीं है, तो उसका जीवन अधूरा है। इसलिए आवश्यक है कि हम अपने भीतर अच्छे भावों को विकसित करें।

सम्यक्त्व का जागरण जीवन को एक नई दिशा देता है। यह हमें सिखाता है कि सच्चा सुख बाहरी वस्तुओं में नहीं, बल्कि हमारे भीतर है। जब हम अपने भीतर झांकते हैं और आत्मा के स्वरूप को पहचानते हैं, तब हमें वास्तविक शांति और आनंद की प्राप्ति होती है। यही सम्यक् दर्शन का सार है।

अंततः यह कहा जा सकता है कि सम्यक्त्व केवल एक आध्यात्मिक अवधारणा नहीं है, बल्कि यह जीवन जीने की एक कला है। यह हमें सिखाता है कि कैसे हम अपने जीवन को संतुलित, शांत और सार्थक बना सकते हैं। जब हमारे भीतर सम्यक्त्व के भाव जागृत होते हैं, तब हमारा जीवन स्वतः ही कल्याण के मार्ग पर अग्रसर हो जाता है। इसलिए आवश्यक है कि हम अपने भीतर झांकें, अपने विचारों को शुद्ध करें और आत्मा की ओर उन्मुख हों। यही सम्यक्त्व की सच्ची साधना है और यही जीवन का वास्तविक उद्देश्य भी।

कांतिलाल मांडोत

पश्चिम बंगाल की कानून-व्यवस्थाः चुनावी उफान के बीच उठते सवाल

पश्चिम बंगाल में पिछले डेढ़ दशक से ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस की सरकार का शासन रहा है। वर्तमान समय में राज्य विधानसभा चुनावों का माहौल गर्म है, और ऐसे में राजनीतिक बयानबाजी तथा तनाव का बढ़ना स्वाभाविक भी माना जा सकता है। किंतु हाल ही में मालदा में घटी घटना जहाँ सात न्यायिक अधिकारियों को उग्र भीड़ द्वारा कई घंटों तक बंधक बनाकर रखा गया ने राज्य की कानून-व्यवस्था पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़े कर दिए हैं ? लोकतंत्र में विरोध प्रदर्शन नागरिकों का अधिकार है, लेकिन जब यह विरोध हिंसक रूप ले ले और न्यायिक अधिकारियों जैसी संवैधानिक संस्थाओं से जुड़े लोगों की सुरक्षा खतरे में पड़ जाए, तब यह केवल राजनीतिक असहमति का मामला नहीं रह जाता, बल्कि प्रशासनिक विफलता का संकेत बन जाता है। इस घटना के संदर्भ में सर्वोच्च अदालत की कड़ी प्रतिक्रिया भी इस बात को रेखांकित करती है कि स्थिति कितनी गंभीर रही होगी।

चुनावी दौर में राजनीतिक दलों के बीच आरोप-प्रत्यारोप तेज होना सामान्य है, परंतु कानून-व्यवस्था को बनाए रखना किसी भी राज्य सरकार की प्राथमिक जिम्मेदारी होती है। यह अपेक्षा की जाती है कि प्रशासन निष्पक्ष और प्रभावी तरीके से कार्य करे, ताकि आम नागरिकों का भरोसा कायम रहे। यदि प्रशासनिक निर्णय राजनीतिक समीकरणों से प्रभावित होते प्रतीत हों, तो यह लोकतांत्रिक संस्थाओं की विश्वसनीयता को कमजोर कर सकता है। साथ ही, राज्य में अवैध घुसपैठ, मतदाता सूची में संशोधन (जैसे स्क्रुक्र प्रक्रिया) और पहचान से जुड़े मुद्दे भी समय-समय पर चर्चा में रहे हैं। ये विषय न केवल राजनीतिक विमर्श को प्रभावित करते हैं, बल्कि सामाजिक संतुलन और सुरक्षा से भी जुड़े होते हैं। इसलिए इन पर पारदर्शिता और तथ्यों के आधार पर संवाद आवश्यक है, न कि केवल राजनीतिक ध्रुवीकरण।

पश्चिम बंगाल ऐतिहासिक और सांस्कृतिक दृष्टि से अत्यंत समृद्ध राज्य रहा है यह गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर और बंकिमचन्द्र चट्टोपाध्याय जैसी विभूतियों की धरती है, जिन्होंने देश की एकता और सांस्कृतिक चेतना को नई दिशा दी। ऐसे राज्य में कानून-व्यवस्था और सामाजिक सौहार्द का बनाए रखना और भी अधिक महत्वपूर्ण हो जाता है। अंततः, सत्ता परिवर्तन लोकतंत्र का स्वाभाविक हिस्सा है, लेकिन कानून-व्यवस्था पर नियंत्रण किसी भी सरकार की सबसे बड़ी कसौटी होता है। यदि इस दिशा में कमी दिखाई देती है, तो उसे सुधारना शासन की जिम्मेदारी है। चुनावी माहौल चाहे जितना भी गर्म क्यों न हो, प्रशासनिक संतुलन और विधि का शासन सर्वोपरि रहना चाहिए क्योंकि यही लोकतंत्र की असली ताकत है।

अरविंद रावल

होर्मुज संकट के बीच वैश्विक तनाव और संवाद की आवश्यकता, होरमुज संकट का समाधान बातचीत से ही सम्भव

मध्य पूर्व में चल रहा तनाव अब केवल क्षेत्रीय संघर्ष नहीं रह गया है, बल्कि यह एक ऐसा वैश्विक संकट बन चुका है जिसका असर पूरी दुनिया पर पड़ रहा है। होर्मुज जलडमरूमध्य, जो विश्व के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री व्यापार मार्गों में से एक है, इस समय संघर्ष का केंद्र बना हुआ है। यहां से गुजरने वाले तेल और गैस की आपूर्ति पर पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था निर्भर करती है। ऐसे में इस क्षेत्र में किसी भी प्रकार की अस्थिरता का सीधा प्रभाव वैश्विक बाजार, महंगाई और आम जनजीवन पर पड़ता है।

हाल ही में आयोजित एक अंतरराष्ट्रीय ऑनलाइन बैठक में साठ से अधिक देशों ने भाग लिया, जिसमें इस संकट को सुलझाने के उपायों पर विचार किया गया। इस बैठक में भारत ने स्पष्ट रूप से कहा कि इस पूरे संकट का समाधान केवल बातचीत और शांति के माध्यम से ही संभव है। भारत का यह रुख उसकी पारंपरिक विदेश नीति के अनुरूप है, जिसमें वह हमेशा संवाद, संयम और संतुलन को प्राथमिकता देता रहा है।

भारत द्वारा यह भी बताया गया कि इस संघर्ष में अब तक केवल भारतीय नागरिकों की मृत्यु हुई है, जो विदेशी जहाजों पर काम कर रहे थे। यह तथ्य इस संकट की गंभीरता को और बढ़ा देता है, क्योंकि इससे यह स्पष्ट होता है कि युद्ध का प्रभाव सीमाओं तक सीमित नहीं रहता, बल्कि यह निर्दोष लोगों की जान भी लेता है। भारत का यह बयान एक प्रकार से अंतरराष्ट्रीय समुदाय को चेतावनी भी है कि यदि समय रहते स्थिति को नियंत्रित नहीं किया गया तो इसके परिणाम और भी भयावह हो सकते हैं।

दूसरी ओर, अमेरिका और उसके सहयोगी देश इस संघर्ष को अपनी रणनीतिक दृष्टि से देख रहे हैं। अमेरिकी नेतृत्व द्वारा दिए गए बयान इस बात का संकेत देते हैं कि वे इस युद्ध को अपनी शक्ति और प्रभुत्व स्थापित करने के अवसर के रूप में देख रहे हैं। हालांकि उन्होंने बातचीत की बात भी की है, लेकिन उनके वक्तव्यों में कठोरता और चेतावनी का स्वर अधिक स्पष्ट दिखाई देता है। इस प्रकार के विरोधाभासी संकेत स्थिति को और जटिल बना देते हैं।

ईरान की ओर से भी कड़ा रुख अपनाया गया है। उसने स्पष्ट किया है कि होर्मुज जलडमरूमध्य उसके नियंत्रण में है और यह तभी खुलेगा जब उसकी शर्तों को स्वीकार किया जाएगा। यह स्थिति न केवल क्षेत्रीय बल्कि वैश्विक स्तर पर तनाव को बढ़ाने वाली है। यदि यह मार्ग लंबे समय तक बाधित रहता है, तो तेल की आपूर्ति में भारी कमी आ सकती है, जिससे विश्वभर में ऊर्जा संकट उत्पन्न हो सकता है।

इस संघर्ष का एक और गंभीर पहलू मानवीय संकट है। विभिन्न देशों में हजारों लोगों की जान जा चुकी है और लाखों लोग घायल या विस्थापित हुए हैं। अस्पतालों, स्कूलों और अन्य बुनियादी ढांचों को भारी नुकसान पहुंचा है। यह स्थिति दर्शाती है कि युद्ध केवल सैनिकों के बीच नहीं होता, बल्कि इसका सबसे बड़ा खामियाजा आम नागरिकों को भुगतना पड़ता है।

संयुक्त राष्ट्र और अन्य अंतरराष्ट्रीय संगठनों ने भी इस स्थिति पर चिंता व्यक्त की है और युद्धविराम की अपील की है। उनका मानना है कि यदि यह संघर्ष जारी रहा तो इसके परिणामस्वरूप वैश्विक आर्थिक मंदी, खाद्य संकट और सामाजिक अस्थिरता जैसी समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। विशेष रूप से विकासशील देशों पर इसका प्रभाव अधिक गंभीर होगा, क्योंकि वे पहले से ही आर्थिक चुनौतियों से जूझ रहे हैं।

भारत का रुख इस पूरे परिदृश्य में संतुलित और दूरदर्शी दिखाई देता है। उसने न तो किसी पक्ष का समर्थन किया है और न ही किसी के खिलाफ आक्रामक बयान दिए हैं। इसके बजाय उसने शांति और संवाद का मार्ग अपनाने की अपील की है। यह नीति न केवल भारत के राष्ट्रीय हितों के अनुरूप है, बल्कि वैश्विक शांति के लिए भी आवश्यक है।

यह भी ध्यान देने योग्य है कि भारत जैसे देश, जो ऊर्जा आयात पर निर्भर हैं, इस प्रकार के संकट से सबसे अधिक प्रभावित होते हैं। यदि तेल की कीमतें बढ़ती हैं तो इसका सीधा असर देश की अर्थव्यवस्था और आम जनता पर पड़ता है। इसलिए भारत का यह प्रयास कि स्थिति को शांतिपूर्ण तरीके से सुलझाया जाए, पूरी तरह से व्यावहारिक और आवश्यक है।

वर्तमान परिस्थिति यह स्पष्ट संकेत देती है कि युद्ध किसी समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो सकता। इतिहास गवाह है कि युद्धों ने केवल विनाश और पीड़ा ही दी है। इसके विपरीत, संवाद और सहयोग के माध्यम से ही स्थायी शांति स्थापित की जा सकती है। इसलिए सभी देशों को अपने मतभेदों को भुलाकर एक साथ बैठकर समाधान खोजने की आवश्यकता है।

अंततः यह कहा जा सकता है कि होर्मुज संकट केवल एक क्षेत्रीय विवाद नहीं है, बल्कि यह पूरी मानवता के लिए एक चुनौती है। इस चुनौती का सामना केवल शक्ति प्रदर्शन से नहीं, बल्कि समझदारी, संयम और संवाद से किया जा सकता है। यदि विश्व समुदाय समय रहते सही कदम उठाता है, तो इस संकट को टाला जा सकता है और एक स्थिर तथा शांतिपूर्ण भविष्य की दिशा में आगे बढ़ा जा सकता है।

कांतिलाल मांडोत

भारत के पुनर्जागरण की तथा-कथा, देश की सर्वांगीण प्रगति का मूल राष्ट्रीय जागरण

1947 में भारत एवं पाकिस्तान ने एक साथ स्वतंत्रता की प्राप्ति की थी किंतु पाकिस्तान एक मुस्लिम राष्ट्र की अवधारणा धारण कर अलग दिशा में आगे बढ़ता गया जिसके फलस्वरुप आज पाकिस्तान विपन्न और गरीब देश बन गया है। दूसरी तरफ भारत एक लोकतांत्रिक, जनतांत्रिक अवधारणा की दिशा में नई-नई विकास के सोपनो को प्रतिपादित कर आगे बढ़ता गया। भारत वैश्विक स्तर पर सामरिक आर्थिक एवं अन्य विषयों पर काफी हद तक प्रगति प्राप्त कर चुका है।भारत ने आश्चर्यजनक रूप से देश को विकसित मजबूत एवं सशक्त बना दिया है ।भारतीय परिदृश्य और संदर्भ में भारत में विगत एक दशक में व्यापक तथा आमूल चूल परिवर्तन देखे गये हैं। राजनीतिक परिदृश्य में उत्तरदायित्व आधारित शासन प्रशासन-प्रणाली, सांस्कृतिक विमर्श में सनातनी सांस्कृतिक सभ्यता-गौरव की पुनर्प्राप्ति और आर्थिक नीतियों के संरचनात्मक सुधारों ने देश की दिशा और दशा तय की है। इन नई विचारधारा एवं रणनीति ने भारत को न केवल आंतरिक रूप से सशक्त किया बल्कि अंतरराष्ट्रीय मंच पर भी एक निर्णायक शक्ति के रूप में स्थापित किया।

भारतीय राजनीति में पिछले दो दशकों का सबसे बड़ा परिवर्तन रिपोर्ट कार्ड राजनीति का उदय रहा, जिसमें आम जनता और राजनीतिक नेताओं और दलों का मूल्यांकन उनके किए गए कार्यों और परिणामों के आधार पर कसौटी पर कसा जाने लगा है ।संवैधानिक और नीतिगत स्तर पर कई ऐतिहासिक कदम उठाए गए। 2019 में अनुच्छेद 370 का निरसन और जम्मू-कश्मीर का पुनर्गठन केंद्र की सख्त और मजबूत राजनीतिक इच्छाशक्ति तथा विचारधारा का प्रतीक बना। तीन तलाक कानून ने मुस्लिम महिलाओं को न्याय दिलाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम रखा। वहीं नागरिकता संशोधन अधिनियम ने राष्ट्रीयता और शरणार्थी नीति पर नई विचारों की श्रृंखला को जन्म दिया। भारत की परंपरागत लोकतांत्रिक विरासत को तकनीकी रूप से सशक्त बनाने के लिए नया संसद भवन, ई-संसद और डिजिटलीकरण जैसे महत्वपूर्ण कार्य को शामिल किया गया है। दूसरी तरफ विपक्ष की भूमिका, मीडिया की स्वतंत्रता और चुनावी राजनीति में सोशल मीडिया तथा धनबल के प्रभाव ने लोकतांत्रिक विमर्श को चुनौतीपूर्ण और प्रभावशाली भी बनाया गया है।

नये भारत की संकल्पना और अवधारणा को केवल राजनीति या अर्थव्यवस्था तक सीमित परिसीमित नहीं रखा गया है बल्कि सांस्कृतिक क्षेत्र के व्यापक फलक पर भी इसका गहरा असर और परिणाम परिलक्षित हुए हैं । भारत की महान अर्वाचीन योग और आयुर्वेद जैसी परंपरा को वैश्विक स्तर प्रचारित प्रसारित कर नई अवधारणा तथा पहचान प्रदान की गई है। अयोध्या में राममंदिर निर्माण ने भारतीय परंपरा और धार्मिक-सांस्कृतिक आकांक्षाओं की विशाल अवधारणा को मूर्त रूप दिया गया है। शिक्षा और पाठ्यपुस्तकों में भारतीय आख्यानों और इतिहास को नवीन स्वरूप देने के प्रयास किए गए हैं। हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं को पुष्पित पल्लवित करने के प्रयासों को संपूर्ण प्रोत्साहन दिया गया। साथ ही, सांस्कृतिक कूटनीति नवीन अवधारणा के माध्यम से भारत ने अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अपनी पहचान और अधिक सुदृढ़ रूप से विस्तारित की है। हालाँकि, इस सांस्कृतिक पुनर्जागरण के साथ अनेक कठिन एवं दुष्कर चुनौतियाँ भी रहीं हैं। बहुलतावाद और अल्पसंख्यक अधिकारों पर उठते सवाल तथा परंपरा बनाम आधुनिकता की खींचतान समाज में गूढ विचार विमर्श का विषय बनी रही।

आर्थिक पुनर्जागरण के संदर्भ में यही कहा जा सकता है कि भारत की अर्थव्यवस्था ने इस दशक में उल्लेखनीय और अभूतपूर्व प्रगति प्राप्त की है । मेक इन इंडिया ने विनिर्माण और रक्षा उत्पादन को बढ़ावा दिया। जीएसटी (2017) ने कर संरचना को एकीकृत और पारदर्शी बनाया। जीएसटी को 2025 में 22 सितंबर से नवीन संशोधन कर एकदम सरल एवं स्पष्ट कर काफी हद तक सस्ता करके आम जन को बड़ी राहत पहुंचाई है। डिजिटल इंडिया, जनधन योजना और PI ने वित्तीय समावेशन और नकदी रहित लेन-देन की दिशा में क्रांतिकारी बदलाव लाए।

स्टार्टअप इंडिया ने उद्यमिता और नवाचार को प्रोत्साहित किया। इसके परिणामस्वरूप भारत आज विश्व की पाँचवीं सबसे बड़ी सशक्त अर्थव्यवस्था के रूप में उभरा है। विदेशी निवेश वृद्धि, रेलवे और सड़क निर्माण में गति तथा बिजली और डिजिटल नेटवर्क का विस्तार इस आर्थिक पुनर्जागरण के प्रमुख संकेतक रहे।इसके बावजूद बेरोजगारी की समस्या, ग्रामीण-शहरी असमानता और आय-विभाजन जैसी बड़ी और गंभीर चुनौतियाँ भारत देश के आर्थिक परिदृश्य को संतुलित होने से रोकती रही हैं। कृषि सुधार अभी तक आधे अधूरे रह गए और हरियाणा पंजाब तथा अन्य प्रदेशों में किसान आंदोलनों ने यह यह साफ तथा स्पष्ट संकेत दिया कि विकास की अवधारणा सबके लिए समान रूप से सुलभ नहीं है।

भारत ने पिछले दशक में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी नई पहचान बनाई ग्लोबल साउथ के नेता के रूप में भारत की भूमिका स्पष्ट हुई। 2023 में आयोजित द्20 सम्मेलनों में भारत ने वैश्विक मुद्दों पर संतुलित और निर्णायक नेतृत्व प्रस्तुत किया। चीन में हुए शंघाई सहयोग संगठन की बैठक में 10 महत्वपूर्ण देशों के साथ 27 देशों ने भारत चीन और रूस पर अपना विश्वास जाहिर कर यूरोपीय शक्तियों एवं मनमानी का खुला विरोध किया है, जिसमें भारत पर अमेरिका द्वारा 50% लगाए गए टैरिफ का भी खुला विरोध हुआ है। रूस, चीन और पड़ोसी देशों के साथ संतुलित कूटनीतिक संबंधों ने भारत की स्थिति को और सशक्त मजबूत किया।पिछले दस वर्षों का भारत राजनीतिक दृढ़ता, सांस्कृतिक आत्मगौरव और आर्थिक नवाचारों से परिपूर्ण रहा है। यह अवधि भारतीय लोकतंत्र को नई परिभाषा देने, सांस्कृतिक मूल्यों को पुनर्जीवित करने और आर्थिक संरचना को मज़बूत करने में महत्वपूर्ण रही। हालाँकि असमानता, बेरोजगारी और राजनीतिक ध्रुवीकरण जैसी विकराल चुनौतियाँ अब भी बनी हुई हैं, फिर भी यह कहना उचित होगा कि यह दशक भारत के लिए राजनीतिक-सांस्कृतिक-आर्थिक पुनर्जागरण का समय रहा है, जिसने भारत को वैश्विक राजनीति और अर्थव्यवस्था में निर्णायक शक्ति बना दिया है। भारत की सनातनी सांस्कृतिक विरासत, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और भारत की सामरिक शक्ति में इजाफा होकर पिछले एद्धक दशक में भारतीय जनमानस की एकजुटता एवं देश के नेतृत्व की कार्य कुशलता के परिणाम स्वरूप भारत का सम्मान और कद वैश्विक परिदृश्य में काफी हद तक ऊंचा हुआ है।

संजीव ठाकुर

शिक्षक, शोध और शिक्षा - सबका नया केंद्र बनेगी एनसीईआरटी

[एनसीईआरटी अब किताबों की मेज से उठकर नीति की कुर्सी पर]
[एनसीईआरटी का डीम्ड यूनिवर्सिटी बनना क्यों है ऐतिहासिक फैसला]

जब किसी देश की शिक्षा व्यवस्था करवट लेती है, तो बदलाव केवल पाठ्यपुस्तकों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि आने वाली पीढ़ियों की दिशा और दशा दोनों बदल जाती हैं। भारत की शिक्षा यात्रा में 2026 का आरंभ ऐसा ही एक निर्णायक पड़ाव बन गया है। पिछले 6 दशकों से करोड़ों विद्यार्थियों को अपनी पुस्तकों के माध्यम से मार्ग दिखाने वाली एनसीईआरटी अब 'डीम्ड-टू-बी-यूनिवर्सिटी' बनने जा रही है। अब वह केवल किताबें तैयार करने वाली संस्था नहीं रहेगी, बल्कि डिग्री प्रदान करेगी, शोध को बढ़ावा देगी, नए शिक्षकों का निर्माण करेगी और शिक्षा की नई नीतियों की आधारशिला रखेगी। यह बदलाव महज एक प्रशासनिक फैसला नहीं, बल्कि भारतीय शिक्षा व्यवस्था को भीतर तक बदल देने वाली उस ऐतिहासिक क्रांति की शुरुआत है, जिसकी नींव राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 ने रखी थी।

1961 में स्थापित एनसीईआरटी ने दशकों तक भारतीय विद्यालयी शिक्षा की आधारशिला बनकर कार्य किया। देश के अधिकांश स्कूलों में पढ़ाई जाने वाली पुस्तकें, पाठ्यक्रम और मूल्यांकन पद्धतियां इसी संस्था की दृष्टि से आकार लेती रहीं। इसकी किताबों ने गांव के छोटे विद्यालय से लेकर महानगरों के प्रतिष्ठित स्कूलों तक शिक्षा का एक समान आधार तैयार किया। लेकिन समय बदलने के साथ यह स्पष्ट हो गया कि केवल पाठ्यपुस्तकें तैयार कर देना पर्याप्त नहीं है। नई शिक्षा व्यवस्था को ऐसे विशेषज्ञों की जरूरत है, जो शिक्षा को गहराई से समझें, उस पर शोध करें और बदलते समय के अनुसार उसे नया स्वरूप दे सकें। यही सोच एनसीईआरटी को विद्यालयी शिक्षा की सीमाओं से आगे बढ़ाकर उच्च शिक्षा के केंद्र में ले आई।

वर्ष 2023 में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने पहली बार सार्वजनिक रूप से संकेत दिया था कि एनसीईआरटी को शोध और शिक्षक शिक्षा का राष्ट्रीय केंद्र बनाया जाएगा। लगभग 3 वर्षों की तैयारी, विशेषज्ञों की सिफारिशों और प्रशासनिक प्रक्रियाओं के बाद अब यह निर्णय अंतिम रूप लेने जा रहा है। दिल्ली स्थित एनसीईआरटी मुख्यालय के साथ-साथ अजमेर, भोपाल, भुवनेश्वर, मैसूर और शिलांग के क्षेत्रीय संस्थान भी इस नए स्वरूप का हिस्सा बनेंगे। इसका अर्थ केवल इतना नहीं कि एनसीईआरटी का दायरा बढ़ेगा, बल्कि यह कि देश के अलग-अलग हिस्सों में शिक्षा और शोध के नए केंद्र उभरेंगे। पहली बार विद्यालयी शिक्षा और विश्वविद्यालयी शोध एक ही मंच पर साथ दिखाई देंगे।

डीम्ड यूनिवर्सिटी का दर्जा मिलने के बाद एनसीईआरटी को व्यापक शैक्षणिक अधिकार प्राप्त हो जाएंगे। अब वह स्वतंत्र रूप से डिप्लोमा, स्नातक, स्नातकोत्तर और पीएचडी स्तर तक के पाठ्यक्रम संचालित कर सकेगा। शिक्षा, मनोविज्ञान, बाल विकास, समावेशी शिक्षा, डिजिटल शिक्षण, बहुभाषी अध्ययन और शिक्षक-प्रशिक्षण जैसे विषयों में विशेष डिग्रियां दी जा सकेंगी। संस्था को अपने पाठ्यक्रम स्वयं बनाने, शैक्षणिक ऋण बैंक प्रणाली लागू करने और राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग ढांचे में शामिल होने की स्वतंत्रता मिलेगी। इसके साथ ही विदेशी विश्वविद्यालयों के साथ साझेदारी, छात्र-शिक्षक आदान-प्रदान तथा नए परिसर खोलने का मार्ग भी प्रशस्त होगा। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि एनसीईआरटी का उद्देश्य लाभ कमाना नहीं, बल्कि शिक्षा की गुणवत्ता को नई ऊंचाई तक पहुंचाना होगा।

दशकों से भारतीय शिक्षा व्यवस्था दो हिस्सों में बंटी हुई दिखाई देती रही है–एक ओर स्कूल, दूसरी ओर विश्वविद्यालय। विद्यालयों में पढ़ाई जाने वाली सामग्री और विश्वविद्यालयों में होने वाला शोध शायद ही कभी एक-दूसरे से जुड़ पाए। परिणामस्वरूप शोध पुस्तकालयों और रिपोर्टों तक सीमित रह गया, जबकि स्कूल पुराने ढर्रे पर चलते रहे। एनसीईआरटी का यह नया रूप अब इस दूरी को समाप्त करने वाला सशक्त सेतु बनेगा। जो विशेषज्ञ पाठ्यक्रम तैयार करेंगे, वही शिक्षक गढ़ेंगे और वही शिक्षा पर शोध भी करेंगे। इससे नई खोजें और नए विचार सीधे कक्षा तक पहुंचेंगे। बच्चों की पढ़ाई अधिक व्यावहारिक, वैज्ञानिक और भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप बन सकेगी।

भारत की शिक्षा व्यवस्था में सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक हमेशा से प्रशिक्षित और सक्षम शिक्षकों की कमी रही है। अनेक शिक्षक-प्रशिक्षण संस्थान आज भी पुराने पाठ्यक्रमों और पारंपरिक तरीकों तक सीमित हैं। ऐसे समय में एनसीईआरटी का यह नया स्वरूप शिक्षक-शिक्षा के क्षेत्र में नई क्रांति ला सकता है। अब वह ऐसे पाठ्यक्रम प्रारंभ कर सकेगा, जिनमें डिजिटल शिक्षा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित शिक्षण, व्यावसायिक शिक्षा, समावेशी कक्षाएं और बहुभाषी अध्ययन जैसे आधुनिक विषय शामिल होंगे। क्षेत्रीय संस्थानों में पीजी और पीएचडी कार्यक्रम शुरू होने से युवा शोधकर्ताओं को विद्यालयी शिक्षा की वास्तविक चुनौतियों पर काम करने का अवसर मिलेगा। उनके शोध के परिणाम सीधे पाठ्यपुस्तकों और शिक्षा नीतियों में दिखाई देंगे, जिससे शिक्षा अधिक जीवंत, प्रभावी और समयानुकूल बन सकेगी।

हर बड़ा परिवर्तन अपने साथ चुनौतियां भी लाता है। एनसीईआरटी के सामने भी कई गंभीर प्रश्न हैं। कुछ शिक्षाविदों का मानना है कि यूजीसी के नियमों के अधीन आने से उसकी स्वतंत्र कार्यशैली प्रभावित हो सकती है। जिस संस्था की पहचान अब तक विद्यालयी शिक्षा से रही है, उसके लिए विश्वविद्यालयी ढांचे में ढलना आसान नहीं होगा। नए विभाग, प्रशिक्षित संकाय, शोध सुविधाएं, पर्याप्त बजट और प्रशासनिक सुधारों की आवश्यकता पड़ेगी। साथ ही यह भी सुनिश्चित करना होगा कि उच्च शिक्षा की नई भूमिका निभाते हुए एनसीईआरटी अपनी मूल जिम्मेदारी, यानी स्कूल शिक्षा को मजबूत बनाने, से दूर न हो। यदि योजना, पारदर्शिता और गुणवत्ता पर बराबर ध्यान दिया गया, तो यही चुनौतियां उसकी सबसे बड़ी शक्ति बन सकती हैं।

यदि यह परिवर्तन सफल हुआ, तो आने वाले समय में एनसीईआरटी केवल एक संस्था नहीं, बल्कि भारतीय शिक्षा का सबसे बड़ा केंद्र बन जाएगी। एक ओर देश का विद्यार्थी उसकी किताबों से पढ़ेगा, दूसरी ओर उसी संस्था का शोधकर्ता नई शिक्षा नीति तैयार करेगा और वही शिक्षक गढ़े जाएंगे, जो आने वाली पीढ़ियों को दिशा देंगे। यह ऐसा मॉडल होगा, जहां शिक्षा, शोध और प्रशिक्षण एक-दूसरे से सीधे जुड़े होंगे। विकसित भारत का सपना केवल उद्योग, तकनीक और अर्थव्यवस्था से पूरा नहीं होगा; उसकी सबसे मजबूत आधारशिला शिक्षा ही बनेगी। एनसीईआरटी का यह नया स्वरूप उसी आधारशिला को अधिक मजबूत, व्यापक और विश्वस्तरीय बनाने की दिशा में उठाया गया एक ऐतिहासिक कदम है।

प्रो. आरके जैन 'अरिजीत'

स्वामी-स्वतंत्र प्रभात मीडिया, मुद्रक एवं प्रकाशक प्रीती शुक्ला द्वारा अनवर ऑफसेट एम- 58, 59 बेसमेंट विकासदीप बिल्डिंग स्टेशन रोड लखनऊ से मुदित ई-4 सेक्टर-एम/29 अपोजिट उमान एन्क्लेव अलीगंज लखनऊ 226024 से प्रकाशित संपादक-राजीव कुमार शुक्ला , मो0-9511151254 Mail: news@swatantraprabhat.com, RNI No: UPHIN/2019/79073 इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी आर वी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायीं। किसी भी कानूनी विवाद का निपटारा न्यायलय जनपद लखनऊ ही होगा।

संक्षिप्त खबरें

पीसीएस में चयनित अनुष्का को भारतीय संविधान भेंट कर किया सम्मानित

देवरिया। जनपद के भाटपार रानी क्षेत्र के खोरहवा निवासी पीसीएस में चयनित अनुष्का यादव को सपा के पूर्व प्रवक्ता एवं सामाजिक चिंतक चंद्रभूषण यादव द्वारा भारतीय संविधान भेंट कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर कहा कि प्रतिभा की पहचान हर जगह होती है और कठिन परिश्रम व ज्ञान के बल पर व्यक्ति बड़ी से बड़ी सफलता प्राप्त कर सकता है। अनुष्का यादव ने यह साबित कर दिखाया है। सम्मान से अभिभूत अनुष्का यादव ने कहा कि उन्हें आगे भारतीय संविधान के अनुरूप कार्य करना है, इसलिए सम्मान स्वरूप मिला भारतीय संविधान उनके लिए अत्यंत आदरणीय है। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय माता-पिता और गुरुओं को दिया। इस अवसर पर दीनानाथ चौधरी, डॉ. मुकेश यादव, प्रदीप कुमार यादव सहित अन्य लोगों ने अनुष्का यादव को पीसीएस में चयनित होने पर बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

डमी कंपनी बनाकर 60 करोड़ का ट्रांजैक्शन, साइबर ठगी गिरोह का पर्दाफाश

देवरिया। साइबर क्राइम पुलिस ने म्यूल अकाउंट के माध्यम से ऑनलाइन ठगी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश करते हुए एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अभियुक्त माखन लाल गुप्ता निवासी बरहज डमी कंपनी बनाकर विभिन्न बैंक खातों के माध्यम से ठगी के धन का ट्रांजैक्शन करता था। पुलिस जांच में पता चला कि अभियुक्त द्वारा संचालित कंपनी के खातों पर विभिन्न राज्यों से एनसीआरपी पोर्टल पर 46 शिकायतें दर्ज हैं और लगभग 60 करोड़ रुपये का संदिग्ध लेन-देन किया गया है। पुलिस ने अभियुक्त के पास से चेकबुक, एटीएम कार्ड, पासबुक, आधार कार्ड, कंपनी से संबंधित दस्तावेज, एक एप्पल मोबाइल फोन और दो लैपटॉप बरामद किए हैं। पुलिस ने अभियुक्त के खिलाफ आईटी एक्ट सहित विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है तथा गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश की जा रही है।

सड़क खराब होने से क्षेत्रीय लोगों तथा विद्यालय आवागमन में बच्चों को हो रही भारी समस्याएं प्रशासन से दुरुस्त कराए जाने की उठाई मांग

इटियाथोक। ब्लॉक क्षेत्र के ग्राम सभा बरडीहा में प्राथमिक विद्यालय तक जाने वाली सड़क की हालत बेहद खराब है। इससे बच्चों और अन्य ग्रामीणों को आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।सरकार जहां 'सब पढ़े सब बढ़े' अभियान पर जोर दे रही है, वहीं बरडीहा के प्राथमिक विद्यालय तक सड़क का निर्माण कार्य अधूरा है। सेखई से बरडीहा ग्राम सभा तक सड़क का निर्माण पिछले वर्षों में किया गया था, लेकिन विद्यालय से महज 400 मीटर की दूरी तक यह कार्य पूरा नहीं हो पाया।इस अधूरी सड़क के कारण विद्यालय आने-जाने वाले बच्चों के साथ-साथ आनंद पुरवा, निर्वाहन जोत, रामस्वरूप पुरवा और साढ़सिया जैसे अन्य गांवों के लोगों को भी काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।सड़क की स्थिति इतनी खराब है कि बारिश के मौसम में यहां जलभराव हो जाता है और सड़क तालाब जैसी दिखने लगती है। इससे आवागमन पूरी तरह बाधित हो जाता है। ग्रामीण और क्षेत्र वासियों द्वारा सड़क को बनवाए जाने की प्रशासन से मांग की है।

पाक्सो एक्ट का वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

देवरिया। जनपद की एएचटी पुलिस ने पाक्सो एक्ट के एक वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार अभियुक्त करन साहनी उर्फ करन शाह निवासी भीखमपुर थाना रामपुर कारखाना है। पुलिस के अनुसार अभियुक्त ने अवयस्क लड़की को बहला-फुसलाकर भगा ले जाने की घटना को अंजाम दिया था, जिसके संबंध में थाना कोतवाली में मुकदमा दर्ज किया गया था। इस मामले की विवेचना थाना एएचटी पुलिस द्वारा की जा रही थी। पुलिस ने पहले ही पीड़िता को सकुशल बरामद कर परिजनों को सुपुर्द कर दिया था, जबकि अभियुक्त फरार चल रहा था। पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर अभियुक्त को देवरिया-सलेमपुर रोड स्थित जिला कारागार के पास से गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार अभियुक्त के विरुद्ध विधिक कार्रवाई की जा रही है।

टेट अनिवार्यता के विरोध में उबाल: दिल्ली कूच को गोरखपुर से सैकड़ों शिक्षक रवाना

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोरखपुर। शिक्षक पात्रता परीक्षा (TET) की अनिवार्यता के खिलाफ देशभर में उभर रहे विरोध ने अब बड़ा रूप ले लिया है। सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के विरोध में 4 अप्रैल को दिल्ली के रामलीला मैदान में आयोजित होने वाले विशाल प्रदर्शन में शामिल होने के लिए गोरखपुर जनपद से सैकड़ों शिक्षक शुक्रवार को जोश और उत्साह के साथ रवाना हुए। टीचर फेडरेशन ऑफ इंडिया (TFI) के बैनर तले आयोजित इस प्रदर्शन में देश के विभिन्न राज्यों से लाखों शिक्षकों के जुटने का दावा किया जा रहा है। गोरखपुर से खजनी और पिपरौली विकासखंड के शिक्षकों का जत्था बसों और ट्रेनों के जरिए दिल्ली के लिए निकला। इस दौरान जिला उपाध्यक्ष राजेश पांडे और जिला मांडलिक मंत्री संतोष कुमार त्रिपाठी ने हरी झंडी दिखाकर शिक्षकों को रवाना किया। जिला उपाध्यक्ष राजेश पांडे ने कहा कि शिक्षा का अधिकार अधिनियम (RTE) लागू होने से पहले नियुक्त शिक्षकों पर ञ्जश्वञ्ज की अनिवार्यता थोपना पूरी तरह अन्यायपूर्ण है। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश में 27 जुलाई 2011 से TET लागू हुआ, ऐसे में उससे पहले नियुक्त शिक्षकों को इसके दायरे में लाना उनके साथ भेदभाव है। इसी मुद्दे को लेकर शिक्षकों में भारी आक्रोश है और वे अपने अधिकारों के लिए एकजुट हो रहे हैं।

शिक्षकों का कहना है कि वे वर्षों से शिक्षा व्यवस्था में अपनी सेवाएं दे रहे हैं, ऐसे में अब नई शर्तें लागू करना उनके भविष्य के साथ खिलवाड़ है। इस प्रदर्शन के जरिए शिक्षक सरकार और न्यायपालिका तक अपनी आवाज मजबूती से पहुंचाना चाहते हैं। दिल्ली के लिए रवाना होने वालों में सुरेंद्र सिंह, वीरेंद्र त्यागी, रामानंद मौर्य, संजय मिश्रा, ज्ञानेश्वर प्रसाद शुक्ल, राम मूरत मौर्य, राम मुरारी लाल, विजय प्रकाश मिश्रा, रजनीश चौरसिया, अखिलेश यादव, अरविंद पाठक, राकेश सिंह, संजय गौड़, राम प्रकाश, इरशाद, अभिषेक मिश्रा, सुभाष यादव, विश्वनाथ, चंद्रजीत मद्धेशिया, अजय कुमार पांडे, नीरज राय, हेमंत, जितेंद्र, डॉ. कमलेश गौड़ समेत सैकड़ों शिक्षक शामिल हैं। मीडिया प्रभारी अंजनी कुमार त्रिपाठी ने बताया कि उत्तर प्रदेश से एक लाख से अधिक शिक्षक इस आंदोलन में भाग लेने दिल्ली पहुंच रहे हैं। ऐसे में 4 अप्रैल का यह प्रदर्शन शिक्षक आंदोलन के इतिहास में एक बड़ी ताकत के रूप में उभर सकता है।

सीएचसी पिपरौली का अपर निदेशक व एसीएमओ ने किया औचक निरीक्षण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सहजनवां, गोरखपुर- सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) पिपरौली का शुक्रवार को अपर निदेशक, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण गोरखपुर मंडल डॉ. जयंत कुमार तथा अपर मुख्य चिकित्साधिकारी (एसीएमओ) डॉ. ए.के. चौधरी ने औचक निरीक्षण किया। इस दौरान अधीक्षक डॉ. शिवानंद मिश्रा सहित समस्त स्टाफ मौजूद रहा। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने ओपीडी, आईपीडी, दवा वितरण काउंटर, प्रसव कक्ष, पैथोलॉजी लैब तथा ऑप्टोमेट्रिस्ट विभाग का बारीकी से निरीक्षण किया। उन्होंने मरीजों को दी जा रही स्वास्थ्य सेवाओं, दवाओं की उपलब्धता, साफ-सफाई व्यवस्था तथा स्टाफ की कार्यप्रणाली का गहन आकलन किया। सभी व्यवस्थाओं को संतोषजनक पाए जाने पर अधिकारियों ने संतोष व्यक्त किया। अपर निदेशक डॉ. जयंत कुमार ने कहा कि सीएचसी पिपरौली ग्रामीण क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण स्वास्थ्य केंद्र है, जहां बेहतर सेवाएं सुनिश्चित करना विभाग की प्राथमिकता है। उन्होंने कर्मचारियों को निर्देश दिया कि मरीजों के प्रति संवेदनशीलता बनाए रखें और सेवाओं में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। वहीं एसीएमओ डॉ. ए.के. चौधरी ने बताया कि स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए विभाग द्वारा समय-समय पर औचक निरीक्षण किए जाते हैं। ऐसे निरीक्षणों से व्यवस्थाओं में सुधार और जवाबदेही सुनिश्चित होती है। उन्होंने कहा कि भविष्य में भी इस तरह की कार्रवाई जारी रहेगी, ताकि आमजन को बेहतर चिकित्सा सुविधा मिल सके।

भांडेर का आयोजन, प्रसाद वितरण

सिद्धार्थनगर- जिले के जोगिया क्षेत्र में मां जोगमाया मंदिर के पावन प्रांगण में आस्था और सेवा का एक अद्भुत दृश्य देखने को मिला। केंद्रीय संयुक्त सचिव शिक्षा मंत्रालय गोविंद जायसवाल द्वारा विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। इस अवसर पर गोविंद जायसवाल और उनके परिवार द्वारा पूजन किया गया गोविंद जायसवाल ने अपनी पत्नी चंदन चौधरी आईपीएस, बच्चों के साथ जोगमाया मंदिर में माथा टेका भंडारे का आयोजन करते हुए उन्होंने कहा की माता की कृपा सदैव हमारे पुरे परिवार पर बनी रहे और माता सभी भक्तों का कल्याण करें उन्होंने लोगों को प्रसाद वितरण किया भंडारे में सैकड़ो की संख्या में आए भक्तों ने मां का आशीर्वाद लिया और प्रसाद ग्रहण किया। इस मौके पर कविता साहनी, शिवमंगल साहनी आदि मौजूद रहे

गोरखपुर मंदिर के दानपात्र से चोरी करने वाला गिरफ्तार, नकदी बरामद

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोरखपुर- थाना गोरखनाथ पुलिस ने मंदिर के दानपात्र से चोरी करने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। आरोपी के कब्जे से चोरी की गई नकदी भी बरामद कर ली गई है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक गोरखपुर द्वारा जनपद में चोरी की घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण एवं अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। पुलिस अधीक्षक नगर के मार्गदर्शन और क्षेत्राधिकारी गोरखनाथ के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक के नेतृत्व में पुलिस टीम ने तत्परता दिखाते हुए आरोपी को दबोच लिया। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार अभियुक्त प्रगीत पुत्र ब्रिज बहादुर, निवासी गढ़वा गांव, वार्ड नंबर 3, जिला डांग (नेपाल) है। उसके पास से 12,715 रुपये बरामद किए गए हैं, जो मंदिर के दानपात्र से चोरी किए गए थे।

क्या है पूरा मामला?

घटना 01 अप्रैल 2026 की है, जब आरोपी ने एक मंदिर के दानपात्र का ताला तोड़कर उसमें रखे पैसे चुरा लिए थे। इस संबंध में पीड़ित द्वारा थाना गोरखनाथ में तहरीर दी गई, जिसके आधार पर मुकदमा संख्या 132/2026 धारा 305(स्र) के तहत केस दर्ज किया गया। बाद में बरामदगी के आधार पर धारा 317(2) की बढ़ोतरी भी की गई।

ऐसे हुई गिरफ्तारी

उपनिरीक्षक हैदर अली खाँ अपनी टीम के साथ संदिग्धों की तलाश में जुटे थे। मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया और उसके पास से चोरी की रकम बरामद कर ली।

गिरफ्तारी करने वाली टीम

इस कार्रवाई में प्रभारी निरीक्षक विजय प्रताप सिंह, उपनिरीक्षक हैदर अली खाँ, कांस्टेबल वीरेन्द्र यादव और कांस्टेबल रितेश सरोज की अहम भूमिका रही।

पुलिस की आगे की कार्रवाई जारी

पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आवश्यक धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आगे की विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

रात्री नदी में दर्दनाक हादसा: मिर्जापुर घाट पर डूबे चार किशोर, दो दिन बाद मिले शव

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोरखपुर। खोराबार थाना क्षेत्र के मिर्जापुर घाट पर रात्री नदी में नहाने के दौरान चार किशोरों की डूबकर मौत हो जाने से पूरे इलाके में शोक की लहर दौड़ गई। दो दिन तक चले सघन तलाशी अभियान के बाद शुक्रवार को चारों शव बरामद कर लिए गए। घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। जानकारी के अनुसार, कैंट थाना क्षेत्र के रानीडीहा शिवमंदिर टोला निवासी अमन उर्फ बीरू राजभर (15), मालवीय नगर निवासी विवेक निषाद (15), जंगल सिकरी निवासी गगन पासवान (15) और रानीडीहा निवासी अनिकेत यादव (13) अपने साथी राजकरन उर्फ टाइमपास के साथ बुधवार दोपहर करीब 3:30 बजे साइकिल से मिर्जापुर घाट पहुंचे थे। सभी किशोर पीपा पुल के पास रात्री नदी में नहाने लगे। इसी दौरान चार किशोर गहरे पानी में चले गए और डूबने लगे, जबकि राजकरन किसी तरह बाहर निकल आया और लोगों को सूचना दी। सूचना मिलते ही स्थानीय लोग, ग्राम प्रधान और पुलिस मौके पर पहुंच गई। खोराबार व कैंट पुलिस ने तत्काल एसडीआरएफ और एनडीआरएफ की टीमों को बुलाया, जिन्होंने देर शाम तक सर्च ऑपरेशन चलाया। मौके से चार साइकिल, कपड़े और एक मोबाइल फोन बरामद हुआ, जिससे डूबने की आशंका और पुख्ता हो गई। गुरुवार सुबह से दोबारा शुरू हुए अभियान में सबसे पहले विवेक निषाद का शव घटना स्थल से करीब 100 मीटर दूरी पर मिला। इसके बाद शुक्रवार सुबह शेष तीन किशोरों के शव घटना स्थल से लगभग एक किलोमीटर दूर बरामद किए गए। पुलिस ने सभी शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। विवेक का शव मिलने के बाद परिवार में कोहराम मच गया। मां बेटे का नाम लेकर बार-बार बेहोश हो जा रही थी, जबकि पिता सतीश, जो पेशे से ऑटो चालक हैं, बेटे के शव से लिपटकर बिलख पड़े। विवेक तीन भाइयों में सबसे बड़ा था और कक्षा 6 का छात्र था। अन्य तीनों किशोरों के घरों में भी मातम पसरा हुआ है। स्थानीय लोगों का कहना है कि मिर्जापुर घाट पर गहराई अधिक है और पहले भी हादसे हो चुके हैं, बावजूद इसके सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम नहीं हैं। यह हादसा एक बार फिर नदी घाटों पर सतर्कता और सुरक्षा व्यवस्था की जरूरत को उजागर करता है।

शादी से इंकार पर युवती की हत्या, अभियुक्त गिरफ्तार

देवरिया। जनपद के मदनपुर पुलिस ने हत्या की घटना का खुलासा करते हुए अभियुक्त बीरबहादुर उर्फ शिवम निवासी बरांव को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार अभियुक्त युवती से जबरन शादी करना चाहता था, लेकिन युवती द्वारा इंकार करने पर उसने खुन्नस में आकर घटना को अंजाम दिया। बताया गया कि 1/2 अप्रैल की रात अभियुक्त युवती को जबरन अपने घोठे पर ले गया और रस्सी से गला घोटकर हत्या कर दी। घटना के संबंध में युवती के पिता की तहरीर पर मुकदमा दर्ज किया गया था। पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर अभियुक्त को सेमरा पुल मार्ग के पास से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने घटना में प्रयुक्त रस्सी भी बरामद कर ली है। मामले में विधिक कार्रवाई की जा रही है।

वरिष्ठ समाजसेवी दिनेश मिश्रा की माता की तेरहवीं पर श्रद्धांजलि सभा आयोजित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

खजनी, गोरखपुर। खजनी तहसील क्षेत्र के सतुआभार गांव में वरिष्ठ समाजसेवी दिनेश मिश्रा की पूज्य माता स्व. छोहाड़ी देवी की तेरहवीं के अवसर पर श्रद्धांजलि सभा एवं हवन का आयोजन भावपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर बड़ी संख्या में क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों तथा दूर-दराज से आए लोगों ने उपस्थित होकर दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम की शुरुआत विधि-विधान से हवन पूजन के साथ हुई, जिसमें परिवारजनों एवं उपस्थित लोगों ने आहुति देकर आत्मा की शांति की कामना की। श्रद्धांजलि सभा के दौरान वक्ताओं ने स्व. छोहाड़ी देवी के सादगीपूर्ण जीवन, पारिवारिक मूल्यों और समाज के प्रति उनके योगदान को याद किया। इस दौरान समाजसेवी दिनेश मिश्रा भावुक हो उठे। उन्होंने कहा कि उनकी माता उनके जीवन की सबसे बड़ी प्रेरणा और शक्ति थीं। उन्होंने हर कठिन परिस्थिति में परिवार को संभाला और अपने संस्कारों से सभी को मार्गदर्शन दिया। उनके बताए रास्ते पर चलना ही सच्ची श्रद्धांजलि होगी। सभा में त्रिपुरारी मिश्रा, संतोष मिश्रा, आनंद मिश्रा, डॉ. मनीष मिश्रा, आकाश मिश्रा, राजू शुक्ला सहित क्षेत्र के अनेक लोग मौजूद रहे। सभी ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम का समापन प्रसाद वितरण के साथ हुआ।

कांग्रेस की बैठक में संगठन की मजबूती पर जोर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

देवरिया। जिला कांग्रेस कमेटी की मासिक बैठक शुक्रवार को पार्टी कार्यालय में सम्पन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष विजय शेखर मल्ल ने की। बैठक में संगठनात्मक समीक्षा के साथ आगामी रणनीति पर चर्चा की गई। बैठक को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष विजय शेखर मल्ल ने केंद्र सरकार की नीतियों की आलोचना करते हुए कहा कि गलत नीतियों के कारण देश में अव्यवस्था का माहौल है। गैस के लिए शहर से लेकर गांव तक लोगों को लंबी लाइनों में खड़ा होना पड़ रहा है और महंगाई से आम जनता परेशान है। उन्होंने कहा कि संगठन को और मजबूत करते हुए जनता के बीच संवाद स्थापित करने की आवश्यकता है। बैठक में जनपद में गेहूं की तैयार फसल में हो रही आगजनी की घटनाओं पर भी चर्चा हुई। कांग्रेस नेताओं ने मांग किया कि जिन किसानों की फसल आग से नष्ट हो रही है, उन्हें समय से मुआवजा दिया जाए। चेतावनी दी गई कि यदि किसानों को समय से मुआवजा नहीं मिला तो जिला कांग्रेस कमेटी किसानों के साथ मिलकर आंदोलन करेगी।

इसी दौरान जिला कांग्रेस कार्यालय पर कांग्रेस जन सूचना अधिकार प्रकोष्ठ की नवनियुक्त जिलाध्यक्ष मधु शर्मा के प्रथम आगमन पर जिलाध्यक्ष ने उनका स्वागत किया। मधु शर्मा ने कहा कि पार्टी ने एक कार्यकर्ता को सम्मान देकर कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ाने का काम किया है। बैठक में अरविन्द शाही, सुनील तिवारी, जयप्रकाश धनगर, भरत मणि त्रिपाठी, अब्दुल जब्बार, डॉ. धर्मेंद्र पाण्डेय, संजीव कुमार मिश्रा, राजेश प्रताप सिंह, आलोक त्रिपाठी, शहनाज जफर, रत्नेश मल्ल, मनोज मणि, रामप्रवेश सिंह, रजनीश प्रसाद, सच्चिदानंद मिश्रा, नौशाद खान, बशिष्ठ मोदनवाल, रीता देवी, रविप्रकाश तिवारी, पन्नालाल पाठक, विनोद दुबे, परमानंद प्रसाद, व्यास दुबे, सत्यपाल सिंह, वासुदेव तिवारी आदि मौजूद रहे।

ऑपरेशन चक्रव्यूह अभियान के तहत थाना बाजार शुक्ल पुलिस द्वारा चोरी के अभियोग में वांछित 03 अभियुक्त गिरफ्तार

●चोरी की 02 बोरी गेहूँ बरामद

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

शुकुल बाजार अमेठी । पुलिस अधीक्षक अमेठी सरवणन टी. के निर्देशन में एवं अपर पुलिस अधीक्षक अमेठी ज्ञानेन्द्र कुमार सिंह के पर्यवेक्षण में जनपद अमेठी में अपराध एवं अपराधियों की धर पकड़ हेतु चलाये जा रहे 'ऑपरेशन चक्रव्यूह' अभियान के तहत क्षेत्राधिकारी मुसाफिरखाना अतुल कुमार सिंह के कुशल नेतृत्व में थाना बाजारशुक्ल पुलिस द्वारा मु0अ0सं0 72/26 धारा 303(2) बीएनएस थाना बाजार शुक्ल जनपद अमेठी में वांछित 03 अभियुक्तों जाने आलम पुत्र जुम्मन निवासी पूरे भरोसी मजरे शेखपुर भड़रा थाना बाजार शुक्ल जनपद अमेठी उम्र करीब 23 वर्ष, चाँद पुत्र ताज मो0 निवासी पूरे मेढी लाल मजरे बदलगढ़ थाना बाजार शुक्ल जनपद अमेठी उम्र करीब 24 वर्ष, मशरूफ पुत्र मंसूर निवासी बदलगढ़ थाना बाजार शुक्ल जनपद अमेठी उम्र करीब 22 वर्ष को गिरफ्तार किया गया । अभियुक्तों के कब्जे से चोरी की 02 बोरी गेहूँ बरामद हुआ । बरामदगी के आधार पर उक्त अभियोग में धारा 317(2) बीएनएस की बढ़ोत्तरी की गई । थाना बाजार शुक्ल पुलिस द्वारा विधिक कार्यवाही की गई।

मिशन शक्ति अभियान चलाकर महिलाओं को किया गया जागरूक

देवरिया। महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा व जागरूकता के लिए जनपद पुलिस द्वारा मिशन शक्ति फेज-5.0 अभियान चलाया गया। पुलिस अधीक्षक संजीव सुमन के निर्देशन में जनपद के विभिन्न थानों की मिशन शक्ति एवं एंटी रोमियो टीमों ने सार्वजनिक स्थानों, धार्मिक स्थलों और गांवों में महिलाओं और बालिकाओं को जागरूक किया। इस दौरान पुलिस टीमों ने महिलाओं को विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों जैसे 112, 1090, 181, 1098, 1076, 102, 108 और 1930 आदि के बारे में जानकारी दी और पम्पलेट वितरित किए। पुलिस अधिकारियों ने महिलाओं को बताया कि किसी भी आपात स्थिति में इन हेल्पलाइन नंबरों पर संपर्क कर तुरंत सहायता प्राप्त की जा सकती है। पुलिस द्वारा चलाया गया यह अभियान महिलाओं की सुरक्षा और आत्मविश्वास बढ़ाने के उद्देश्य से चलाया जा रहा है।

काली माता मंदिर पर विशाल भंडारे का आयोजन

●वरिष्ठ भाजपा नेता गिरीश चंद्र शुक्ला के प्रयास से एमएलसी गोविंद नारायण शुक्ला के सौजन्य से लगवाई गई इस मंदिर पर हाई मास्क लाइट से भंडारे में रही पर्याप्त लाइट

श्रद्धालुओं में दिखा विशेष उत्साह

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

अमेठी । विकासखंड शुकुल बाजार कस्बा स्थित प्राचीन काली माता मंदिर में प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी भक्तगणों के सौजन्य से विशाल भंडारे का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने पहुंचकर माता के दर्शन किए तथा महाप्रसाद ग्रहण कर पुण्य लाभ अर्जित किया।कस्बा वासियों के लिए यह मंदिर आस्था और श्रद्धा का प्रमुख केंद्र है, जहां वर्ष भर धार्मिक गतिविधियां आयोजित होती रहती हैं। भंडारे के दौरान पूरे मंदिर परिसर में भक्ति और उल्लास का माहौल देखने को मिला। श्रद्धालुओं ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना की।इस अवसर पर मंदिर परिसर में बेहतर प्रकाश व्यवस्था की भी विशेष चर्चा रही। वरिष्ठ भाजपा नेता गिरीश चंद्र शुक्ला के प्रयासों से एमएलसी गोविंद नारायण शुक्ला के सौजन्य से मंदिर परिसर में मिनी हाई मास्क लाइट लगवाई गई है, जिससे रात के समय भी पूरे परिसर में पर्याप्त उजाला बना रहता है। इससे श्रद्धालुओं को पूजा-पाठ, आरती एवं अन्य धार्मिक कार्यों में काफी सुविधा मिल रही है।बताया जाता है कि क्षेत्र के कई अन्य धार्मिक स्थलों पर भी इसी प्रकार की प्रकाश व्यवस्था कराई गई है, जिससे श्रद्धालुओं को लाभ मिल रहा है। स्थानीय लोगों ने इस पहल की सराहना करते हुए वरिष्ठ भाजपा नेता गिरीश चंद्र शुक्ला एवं एमएलसी गोविंद नारायण शुक्ला के प्रति आभार व्यक्त किया है। कस्बा के प्रतिष्ठित व्यापारी पुत्तन सेठ, मनोज गुप्ता, श्री भगवान कौशल व अन्य कस्बा वासियो ने बताया कि क्षेत्र के विकास को लेकर वरिष्ठ भाजपा नेता गिरीश चंद्र शुक्ला हमेशा प्रयत्नशील रहते हैं, तथा लोगों के सुख-दुख में भागीदार होते हैं।भंडारे के सफल आयोजन में पुत्तन सेठ श्री भगवान कौशल, संजय कौशल, ननकऊ गुप्ता, मनोज गुप्ता शिवकुमार गुप्ता, अरुण कौशल, महेश गुप्ता, अनिल कौशल सहित स्थानीय श्रद्धालुओं एवं आयोजकों की महत्वपूर्ण भूमिका रही, जिनके सहयोग से कार्यक्रम शांतिपूर्ण एवं भव्य रूप से संपन्न हुआ।

यातायात पुलिस का चेकिंग अभियान, 132 वाहनों का चालान

देवरिया। यातायात पुलिस द्वारा सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए विशेष चेकिंग अभियान चलाया गया। पुलिस अधीक्षक संजीव सुमन के निर्देशन में यातायात प्रभारी गुलाब सिंह के नेतृत्व में शहर के बस स्टैंड, हनुमान मंदिर, कसया रोड, रुद्रपुर मोड़ और गोरखपुर ओवरब्रिज सहित विभिन्न स्थानों पर वाहनों की चेकिंग की गई। इस दौरान बिना ड्राइविंग लाइसेंस, बिना फिटनेस और सड़क किनारे खड़े होकर सवारी भरने वाले ऑटो और ई-रिक्शा चालकों के खिलाफ कार्रवाई की गई। अभियान के दौरान कुल 132 वाहनों का ई-चालान किया गया तथा 5 वाहनों को सीज किया गया। पुलिस ने वाहन चालकों को यातायात नियमों का पालन करने की हिदायत दी और कहा कि नियमों का उल्लंघन करने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

दो बच्चो सहित महिला ने कुंवानो नदी मे लगाई छलांग, बच्ची की मौत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मनकापुर गोण्डा - गोंडा जनपद के थाना खोड़ारे क्षेत्र से एक बेहद दर्दनाक घटना प्रकाश मे आया है, एक महिला ने आत्मघाती कदम उठा लिया।जानकारी के अनुसार, ग्राम बैजपुर निवासी सोनम (30 वर्ष), पत्नी मदनलाल, अपने दो मासूम बच्चों–आयुष (4 वर्ष) और अंशी (डेढ़ वर्ष)–को लेकर घर से करीब 2 किलोमीटर दूर राजा घाट पुल पर पहुंच गई। वहां पहुंचने के बाद महिला ने पहले अपनी डेढ़ वर्षीय बच्ची अंशी को कुआनो नदी में फेंक दिया और उसके बाद बेटे आयुष को गोद में लेकर खुद भी नदी में कूद गई।घटना के दौरान मौके पर मौजूद राहगीरों में से दो युवकों ने तुरंत साहस दिखाते हुए नदी में छलांग लगा दी। कड़ी मशक्कत के बाद उन्होंने महिला और उसके बेटे आयुष को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। दोनों को तत्काल जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। वहीं, मासूम बच्ची अंशी की काफी खोजबीन के बावजूद देर तक कोई पता नहीं चल सका। बाद में शुक्रवार सुबह घटनास्थल से करीब 3 किलोमीटर दूर खलगवा गांव के पास नदी में उसका शव उतराता हुआ मिला। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। फिलहाल नदी मे कूदने की घटना के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है।इस बावत थानाध्यक्ष खोड़ारे कृष्ण गोपाल राय ने दूरभाष पर जानकारी लेने पर बताया की सूचना पर तत्काल मौके पर पहुंच कर गौतखोरो की मदद से बच्चे का शव निकलवाकर उसे कब्जे मे लेकर पंचनामा करवाकर जिला मुख्यालय पीएम के लिए भेज कर विधिक कार्यवाही करते हूए घटना की जाँच पड़ताल जारी है।

संक्षिप्त खबरें

घरेलू सिलेंडरों का व्यापारिक प्रयोग करने पर दो पर मुकदमा दर्ज

तिलहर। घरेलू सिलेंडर का व्यवसायिक कार्यों में प्रयोग करने के मामले में पूर्ति निरीक्षक मनीष यादव ने दो लोगों के विरुद्ध आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कराया है। गौरतलब है कि ईरान तथा इजरायल के युद्ध के चलते पूरे क्षेत्र में गैस का संकट छाया हुआ है जिसके चलते जिलाधिकारी धर्मेंद्र प्रताप सिंह ने घरेलू सिलेंडरों का व्यवसायिक प्रयोग करने तथा इसकी कालाबाजारी करने वालों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए थे इसी तारतम्य में पूर्ति निरीक्षक मनीष यादव ने क्षेत्र में छापामार कार्रवाई करते हुए मोहल्ला दातागंज निवासी मनोज कुमार गुप्ता तथा मोहल्ला नितगंजा निवासी प्रदीप कुमार गुप्ता के विरुद्ध आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कराया है पूर्ति निरीक्षक ने बताया कि दोनों लोग घरेलू सिलेंडरों का वाणिज्यिक कार्य में प्रयोग कर रहे थे।

वाहन चोर गिरोह का खुलासा, तीन आरोपी गिरफ्तार, छह मोटरसाइकिलें बरामद

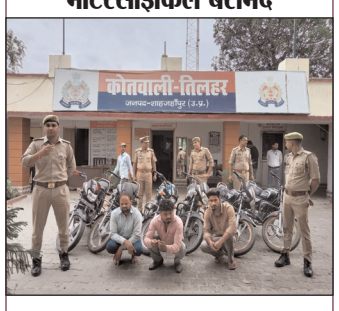

तिलहर। कोतवाली पुलिस ने वाहन चोरी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश करते हुए तीन शातिर अभियुक्तों को गिरफ्तार कर है इनके कब्जे से चोरी की छह मोटरसाइकिलें बरामद की हैं। प्रभारी निरीक्षक जुगल किशोर पाल जब अपनी टीम के साथ जैतीपुर से आने वाले मार्ग पर नहर की पुलिया के पास वाहन चेकिंग कर रहे थे इसी दौरान नहर की तरफ से बाइक पर बैठकर आ रहे तीन लोग पुलिस को देखकर भागने लगे शक होने पर पुलिस ने घेराबंदी कर तीनों लोगों को दबोच लिया। पूछताछ के बाद उनके कब्जे से पुलिस ने चोरी की 6 मोटरसाइकिलें बरामद की है। प्रभारी निरीक्षक जुगल किशोर पाल ने बताया कि पकड़े गए अभियुक्त थाना कटरा क्षेत्र के ग्राम रमापुर निवासी रामलखन उर्फ नन्हे पुत्र हेतराम, अवनीश पुत्र रामकिशोर तथा थाना कटरा क्षेत्र के ग्राम फील नगर निवासी इमरान खां पुत्र वहीद खां है। जो लंबे समय से गिरोह बनाकर बाइक चोरी के अनैतिक कार्य को अंजाम दे रहे थे उनके कब्जे से पुलिस ने तीन हीरो डीलक्स तथा तीन हीरो स्प्लेंडर मोटरसाइकिल बरामद की है। इस दौरान पुलिस टीम में उपनिरीक्षक नितिन कुमार, मोहम्मद मारूफ, मुख्य आरक्षी रामनरेश भारतमणि तथा शरद यादव शामिल रहे। पुलिस ने बताया कि पकड़े गए आरोपियों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर उनके अन्य साथियों की तलाश की जा रही है।

सड़क दुर्घटना में घायल कर्मी की उपचार के दौरान मौत, जताया शोक

बरेली/रिठौरा। थाना हाफिजगंज के कस्बा रिठौरा के मोहल्ला साहूकारा के टेक चन्द (56) राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान सीबीगंज में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी के पद पर तैनात थे। मंगलवार को वह घर से ड्यूटी पर निकले थे। कुछ समय बाद उनके बेटे सचिन साहू के मोबाइल पर काल आई हमारा एक्सीडेंट हो गया है।हम अस्पताल में भर्ती हैं। तुरंत परिजन शहर अस्पताल पहुंचे, परिजनों के अनुसार रस्ते में कहीं टैम्पो पलट गया था। जिसके चलते वह घायल हो गए। उन्हें टैम्पो चालक ने ही अस्पताल में भर्ती करवाया था। जहां बृहस्पतिवार को देर रात उनकी उपचार के दौरान मौत हो गई। जैसे ही उनके निधन की खबर घर पहुंची पत्नी यशोदा का रो -रो कर बुरा हाल हो गया। मृतक अपने पीछे दो बेटे तीन बेटियां छोड़ गये हैं। आकस्मिक निधन की खबर पर भाजपा के शिवमंगल सिंह राठौर, शोध प्रमुख ओबीसी मोर्चा भारतीय जनता पार्टी, चेयरमैन प्रतिनिधि सुरेंद्र गुप्ता, पूर्व चेयरमैन अशोक कुमार गुप्ता, अंजलि गुप्ता, अमित कुमार गुप्ता , शिक्षक प्रदीप कुमार गुप्ता, धनपाल सिंह, दीपिका बंसर्वा, रेहान खान सुलभ अग्रवाल, ममता शंखधार रूबी, शीतल साहू ,आदि ने गहरा शोक जताया है।

डूडा में भ्रष्टाचार का 'मायाजाल', अब एजेंट महेश श्रीवास्तव और दलाल मनोज शुक्ला के गठजोड़ का खुलासा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखीमपुर-खीरी। जनपद में प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ती जा रही है। सी एल टी सी मधुकर तिवारी पर लगे गंभीर आरोपों के बाद अब विभाग से जुड़े अन्य चेहरों के नाम भी सामने आने लगे हैं। ताजा मामला एजेंट महेश कुमार श्रीवास्तव और उसके कथित दलाल मनोज शुक्ला के गठजोड़ का है, जो उच्च अधिकारियों के संरक्षण में अवैध धन उगाही का नया केंद्र बन गया है।

घर से चल रहा है 'वसूली का दफ्तर'- सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, महेश कुमार श्रीवास्तव ने अपने घर को ही अवैध गतिविधियों का अड्डा बना रखा है। आरोप है कि महेश ने मनोज शुक्ला नाम के एक दलाल को अपने घर में पनाह दे रखी है। यह दलाल लाभार्थियों से सीधा संपर्क साधता है और किश्त जारी कराने के बदले मोटी रकम की मांग करता है।

उच्च अधिकारियों की मिलीभगत का आरोप- चौंकाने वाली बात यह है कि यह पूरा खेल अकेले नहीं चल रहा है। चर्चा है कि लखीमपुर नगरपालिका परिषद और खीरी नगर पंचायत के कुछ उच्च अधिकारियों का वरदहस्त इन लोगों पर है। अधिकारियों की मदद से पात्रों को डराना और अपात्रों को लाभ दिलाने का गोरखधंधा धड़ल्ले से फल-फूल रहा है।

बड़ा सवाल: आखिर विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों की नाक के नीचे एक निजी घर से सरकारी योजना की डीलिंग कैसे हो रही है?

भ्रष्टाचार का मॉडस ऑपरेंडी (काम करने का तरीका): दलालों का जाल: पूर्व में हटाए गए सर्वेयरों की तरह अब नए चेहरे जैसे मनोज शुक्ला फील्ड में सक्रिय हैं।

धमकी और दबाव: पैसा न देने पर लाभार्थियों को 'अपात्र' घोषित करने या 'जियो-टैगिंग' में कमियां निकालकर फाइल रोकने की धमकी दी जाती है।

सिंडिकेट का खेल: लखीमपुर से लेकर खीरी तक के लाभार्थियों को इस सिंडिकेट के जरिए निशाना बनाया जा रहा है।

कार्रवाई की मांग तेज- स्थानीय नागरिकों और पीड़ित लाभार्थियों ने मांग की है कि केवल छुटभैया ही नहीं, बल्कि महेश कुमार श्रीवास्तव और मनोज शुक्ला के बैंक खातों और कॉल डिटेल्स की भी गहनता से जांच की जाए। यदि शासन स्तर से निष्पक्ष जांच हुई, तो करोड़ों रुपये के इस घोटाले में कई 'सफेदपोश' चेहरों के बेनकाब होने की संभावना है।अगली खबर में: जल्द ही हम उन अन्य नामों का भी खुलासा करेंगे जो इस भ्रष्टाचार की चेन का अहम हिस्सा हैं।

लघु सिंचाई विभाग में बोरिंग घोटाला

● बड़ी मशीन के बजाय ट्रैक्टर-ट्रॉली पर छोटी मशीन से कर दी गई बोरिंग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखीमपुर-खीरी। लघु सिंचाई विभाग में मध्यम गहरी व गहरी बोरिंग में भ्रष्टाचार का मामला सामने आया है, जिस पर किसानों ने आवाज उठाई है। किसानों का आरोप है कि जिस फर्म ठेकेदार इंटरप्राइजेज ने बड़ी मशीन (ट्रक पर) दिखाकर टेंडर पास कराया था, उसने इसके विपरीत छोटी या लोकल मशीनों से बोरिंग कराई। कुछ किसानों ने बताया कि कई स्थानों पर बोरिंग खुद किसानों से ही कराई गई, जबकि कुछ जगहों पर बोरिंग निर्धारित गहराई से कम की गई। किसानों का कहना है कि बड़ी मशीन के बजाय ट्रैक्टर-ट्रॉली पर छोटी मशीन से बोरिंग की गई, जिससे पानी की मात्रा कम मिल रही है।

किसानों ने यह भी आरोप लगाया कि इस प्रक्रिया में मशीनों के खेल के जरिए जीएसटी की चोरी की गई और बोरिंग की गहराई भी कम रखी गई। इस संबंध में कई बार शिकायत किए जाने के बावजूद विभाग के जेई और सहायक अभियंता ने कोई ठोस कार्रवाई नहीं की। इससे किसानों में यह आशंका है कि अधिकारियों और ठेकेदार के बीच मिलीभगत है, जिसके तहत कम बोरिंग करके अधिक भुगतान लिया जा रहा है। मामले की जानकारी लघु सिंचाई विभाग के अधिशासी अभियंता को होने पर उन्होंने तत्काल विकासखंड मितौली का निरीक्षण किया, जिसमें कई कमियां पाई गईं। अधिशासी अभियंता द्वारा जल्द ही जेई और ठेकेदार के खिलाफ कार्रवाई की जा सकती है।लखीमपुर ब्लॉक के रामपुर गोकुल गांव में जांच के दौरान 200 फीट के स्थान पर केवल 150 फीट बोरिंग पाई गई, साथ ही किसान के पास अतिरिक्त पाइप भी बरामद हुआ। बेहजम ब्लॉक में 28 मार्च को हुई जांच में भी कम गहराई की बोरिंग और छोटी मशीनों के उपयोग का मामला सामने आया। इससे पहले मितौली ब्लॉक में भी निरीक्षण के दौरान कई बोरिंग में अनियमितताएं पाई गई थीं।

खेत में लगाई आग से 77 पेड़ जलकर राख, पक्षियों और सांपों की मौत का आरोप

तहरीर के आधार पर पुलिस ने पंजीकृत किया मुकदमा

सिंगाही-खीरी। थाना क्षेत्र में रंजिश के चलते खेत में आग लगाने का मामला सामने आया है, जिसमें दर्जनों पेड़ जलकर नष्ट हो गए। पीड़ित पक्ष ने आरोप लगाया है कि इस आगजनी में पेड़ों के साथ-साथ पक्षियों और सांपों की भी मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, रमुआपुर निवासी सरदार बलविन्दर सिंह ने आरोप लगाया है कि 28 फरवरी 2026 को राधेश्याम शर्मा के नौकर राजकुमार निवासी बसंतापुर ने उनके खेत में जानबूझकर आग लगा दी। खेत में सागवान, आम, यूकेलिप्टस और बेर के कुल 77 पेड़ लगे थे, जो आग की चपेट में आकर जलकर राख हो गए। पीड़ित का कहना है कि इन पेड़ों पर कई पक्षियों ने अपना बसेरा बना रखा था, जो आग में जलकर नष्ट हो गए। साथ ही, दो सांपों के भी आग में जलकर मरने की बात कही गई है। घटना के बाद पीड़ित ने थाना सिंगाही में तहरीर देकर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। सिंगाही थाना प्रभारी दिलीप कुमार चौबे ने बताया कि प्राप्त तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और मामले की जांच कर आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

पुलिस लाइन से आये मेला चैती मे आये पूर्व मेला प्रभारी ने सम्हाली कमान

● मेला चैती में बिछड़े दो मासूम, पुलिस ने तत्परता से परिवार से मिलाया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

चैती मेले मे लगे पुलिस कर्मचारियो की सक्रियता से कुछ ही छडो मे बच्चो को बिछडे बच्चो को मिलाया मां बाप से, गोला गोकर्णनाथ खीरी, छोटी काशी गोला के ऐतिहासिक मेला चैती में उस समय अफरा-तफरी मच गई जब दो छोटे बच्चे अपने परिवार से बिछड़ गए। परिजनों द्वारा तत्काल इसकी सूचना गोला पुलिस को दी गई।

आकृति मिश्र पुत्र अशोक मिश्र ग्राम मोहम्मदाबाद थाना हैदराबाद, तीन वर्ष, व इल्मा पुत्री मोमिन गोला खीरी पांच वर्ष, को सूचना मिलते ही मेला प्रभारी क्राइम इंस्पेक्टर संतोष कुमार, पुलिस लाइन से विशेष रूप से आये पूर्व मेला चैती प्रभारी रविंद्र पांडे, महिला सिपाही आंचना जायसवाल, सिपाही पवन कुमार वर्मा व सुग्रीव गंगवार ने तेजी दिखाते हुए खोजबीन शुरू की और कुछ ही समय में दोनों बच्चों को सकुशल बरामद कर उनके परिवार के सुपुर्द कर दिया। इस सराहनीय कार्य के बाद मेले में मौजूद लोगों ने गोला पुलिस व बाहर से आए पुलिस कर्मियों की जमकर प्रशंसा की। पुलिस की सतर्कता और सक्रियता से एक बड़ा हादसा टल गया। जनता ने कहा 'ऐसी ही मुस्तैदी से सुरक्षित रहता है मेला।

तालाब पाटकर बसाई कॉलोनी, अब तीन मोहल्ले जलमग्न जिम्मेदारों पर उठे सवाल

● कागजों में दर्ज तालाब पर प्लॉटिंग कर बिकी जमीन, वर्षों तक सोता रहा प्रशासन अब गंदे पानी में डूबे लोग पूछ रहे जवाब

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखीमपुर खीरी। कस्बा खीरी के मोहल्ला हनिया टोला में वर्षों पहले अवैध रूप से तालाब पाटकर की गई प्लॉटिंग अब लोगों के लिए बड़ी मुसीबत बन गई है। जल निकासी का रास्ता बंद होने से कस्बे के तीन मोहल्ले जलमग्न हो गए हैं और सड़कों पर गंदा पानी भरा हुआ है, जिससे लोगों का जीना दूभर हो गया है।स्थानीय लोगों का आरोप है कि जिस तालाब को नगर पंचायत के अभिलेखों में दर्ज बताया जाता है, उसे पहले पाट दिया गया और फिर उस पर प्लॉट काटकर रजिस्ट्री तक कर दी गई। इतना ही नहीं, कई मकानों का निर्माण भी हो चुका है। हैरानी की बात यह है कि यह सब लंबे समय तक प्रशासन की नजरों से ओझल रहा।समस्या बढ़ने पर मोहल्ले के लोगों ने शिकायत की, जिसके बाद नगर पंचायत ने तालाब पाटने वाले व्यक्ति को नोटिस जारी किया है। लेकिन सवाल यह उठ रहा है कि जब तालाब पर अवैध कब्जा कर प्लॉटिंग और निर्माण हो रहा था, तब जिम्मेदार अधिकारी आखिर कहां थे?

मामला उस समय और गंभीर हो गया जब पीस कमेटी की बैठक में स्थानीय लोगों ने यह मुद्दा सीओ/सहायक पुलिस अधीक्षक विवेक तिवारी, सदर एसडीएम अश्विनी सिंह और नायब तहसीलदार के सामने उठाया। इस पर सदर एसडीएम ने अधिशासी अधिकारी को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।एक ओर उत्तर प्रदेश सरकार तालाबों के संरक्षण के लिए अभियान चला रही है, वहीं दूसरी ओर खुलेआम तालाब पाटकर कॉलोनियां बसाई जा रही हैं। ऐसे में अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या प्रशासन तालाब को पुनः खुदवाकर उसकी मूल स्थिति बहाल करेगा या फिर प्रभावशाली लोगों के दबाव में मामला ठंडे बस्ते में डाल दिया जाएगा।फिलहाल गंदे पानी से जूझ रहे लोग राहत की आस लगाए प्रशासन की कार्रवाई का इंतजार कर रहे हैं।

16 घंटे तक जमा नहीं होंगे बिजली बिल, प्रीपेड मीटर भी नहीं होंगे रीचार्ज; बंद रहेगा पावर कॉरपोरेशन का पोर्टल

फिरोजाबाद। पावर कॉरपोरेशन का का पोर्टल शुक्रवार रात 10 बजे से 16 घंटे तक बंद रहेगा। इस दौरान बिल भुगतान, स्मार्ट मीटर रीचार्ज, नए बिल बनाने और भार वृद्धि सहित सभी सेवाएं बंद रहेंगी। विद्युत वितरण जोन के मुख्य अभियंता भरत सिंह ने बताया कि दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम लि. के अंतर्गत समस्त 21 जिलों में आरएमएस बिलिंग प्रणाली पर मेंटिनेंस और कान्फिगरेशन कार्य कराया जाएगा। इस कार्य के चलते शुक्रवार रात 10 बजे से शनिवार को दोपहर दो बजे तक विद्युत विभाग की सभी सेवाएं पूरी तरह बंद रहेंगी। इस दौरान बिलिंग प्रणाली, आनलाइन उपभोक्ता पोर्टल और यूपीपीसीएल कंज्यूमर एप पर सभी आनलाइन सेवाएं भी स्थगित रहेंगी। शनिवार दोपहर दो बजे बाद पोर्टल चालू होने के बाद उपभोक्ता बिल जमा करने के साथ मीटर रीचार्ज कर सकेंगे। इस दौरान उपभोक्ता किसी भी सहायता के लिए 1912 पर संपर्क कर सकते हैं।

इंडस्ट्रियल कॉरिडोर के लिए गंगा एक्सप्रेसवे के किनारे 200 एकड़ भूमि की तलाश शुरू

तिलहर। गंगा एक्सप्रेसवे के किनारे प्रस्तावित औद्योगिक कॉरिडोर को लेकर प्रशासनिक हलचल तेज हो गई है। कटरा क्षेत्र के विधायक डॉ. वीर विक्रम सिंह द्वारा विधानसभा में इस मुद्दे को प्रमुखता से उठाए जाने के बाद जिला प्रशासन ने जमीन चिन्हांकन की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इसी क्रम में गुरुवार को उपजिलाधिकारी सदानंद सरोज राजस्व विभाग की टीम के साथ गांव खमरिया पहुंचे और संभावित स्थल का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने लगभग 200 हेक्टेयर भूमि की उपलब्धता का आकलन करने के उद्देश्य से स्थानीय किसानों के साथ बैठक भी की। इस दौरान किसानों को परियोजना के संभावित लाभों के बारे में विस्तार से बताया गया और उनसे जमीन देने के संबंध में राय ली गई। किसानों ने भी अपनी शंकाएं और सुझाव अधिकारियों के सामने रखे, जिस पर सकारात्मक चर्चा हुई। प्रशासन का कहना है कि प्रारंभिक स्तर पर किसानों का रुख सहयोगात्मक नजर आया है। यदि भूमि उपलब्धता की प्रक्रिया शीघ्र पूरी हो जाती है, तो प्रस्ताव को शासन के पास भेजा जाएगा, जिससे आगे की कार्यवाही शुरू की जा सके। औद्योगिक कॉरिडोर के निर्माण से क्षेत्र में निवेश के अवसर बढ़ने की संभावना है। साथ ही स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के नए रास्ते खुलेंगे और क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी। प्रशासन इस परियोजना को लेकर तेजी से आगे बढ़ने की तैयारी में है।

ऐतिहासिक चैती मेले के मंच पर रंगारंग प्रोग्राम का आयोजन

04 अप्रैल 2026 को चैती मेला के सांस्कृतिक मंच पर स्कूली बच्चों का सांस्कृतिक कार्यक्रम सायं सात बजे से।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोलागोकर्णनाथ खीरी, छोटी काशी के ऐतिहासिक मेला चैती के सांस्कृतिक मंच पर राजेश दीक्षित एण्ड पार्टी के नृत्य एवं गीत संगीत कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पूर्व जिला महामंत्री भाजपा खीरी अनुराग मिश्रा, कार्यक्रम अध्यक्ष भारत विकास परिषद छोटी काशी अध्यक्ष अनुज खरे विशिष्ट अतिथि टी वी एस गोला, हीरो मोटर्स सिकन्दवाद आनर समाजसेवी दिनेश मिश्रा, एड सतेन्द्र सिंह, समाजसेवी वारिस सिद्दीकी, प्रधानाचार्य प्रकाशदीप शिक्षा निकेतन प्रकाश सिंह, प्रदेश उपाध्यक्ष हिन्दू युवा वाहिनी रत्ना अवस्थी, असिस्टेंट गवर्नर रोटरी क्लब डा० योगेश कनौजिया, प्रधानाचार्य सेण्ट जोसेफ संजय अग्निहोत्री एवं नगर पालिका अध्यक्ष विजय शुक्ला रिंकू द्वारा दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया गया।तत्पश्चात नगर पालिका अध्यक्ष विजय शुक्ला रिंकू ने अतिथियों को स्मृति चिन्ह देकर पुष्प मालाओं से स्वागत करते हुए सहयोग के लिये आभार व्यक्त किया।

मुख्य अतिथि पूर्व जिला महामंत्री भाजपा खीरी अनुराग मिश्रा ने कहा, 'ऐतिहासिक मेला चैती को बडे भाई पालिकाध्यक्ष विजय शुक्ला रिंकू ने सजाने सवारने के लिए अथक प्रयास किए है। मेले को भव्यता देने के साथ ही सांस्कृतिक मंच को बहुत शानदार, विविधता से सजाया है इसके लिए बधाई देता हूँ , कार्यक्रम अध्यक्ष भारत विकास परिषद छोटी काशी अध्यक्ष अनुज खरे ने कहा 'मेला चैती के साथ-साथ पालिका अध्यक्ष विजय शुक्ला रिंकू नगर की स्वच्छता, विकास पर भी पूरा ध्यान देते है।

संगीतमय गीतों का शुभारंभ

सावन के झूलों ने मुझको बुलाया मैं परदेशी घर वापस आया। तुमसे मिलकर ना जाने क्यों याद आता है। इस अवसर पर व्यापार मण्डल जिला अध्यक्ष राम मोहन सोनी, पूर्व सभासद अयूब खान, सेवानिवृत्त शिक्षक श्यामपूर्ति शुक्ला, पूर्व सभासद विश्वनाथ राजपूत, सभासद इजरान अहमद, धर्मेन्द्र जायसवाल, धर्मेन्द्र बाल्मीकि, आनंद सोनी,हर्ष अवस्थी, सौरभ तिवारी, सुफियान खान, नानक चन्द्र वर्मा ,राजेश वर्मा, राजेश अवस्थी, मोहित कुमार कनौजिया, सुरेश जायसवाल, कफील अहमद,नामित सभासद गीता विश्वकर्मा, रामचन्द्र राठौर, समाजसेवी सुरेश ठाकुर, डा० राम औतार यादव,पिंकी संजीव गुप्ता, संजय तिवारी, अमित मिश्रा, सहित अनेक गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

शौचालय के नाम पर ठगी करने आए ठगों का लुधौरी के ग्रामीणों ने बीच सड़क पर कर दिया 'सिस्टम' हैंग!

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

निघासन (लखीमपुर खीरी): कहते हैं कि 'बकरे की अम्मा कब तक खैर मनाएगी', और निघासन के लुधौरी इलाके में यही सच साबित हुआ। सरकारी योजना का चोला ओढ़कर मासूम ग्रामीणों की जेब पर डाका डालने वाले शातिर ठगों का 'खेला' उस वक्त फेल हो गया, जब ग्रामीणों ने उन्हें रंगे हाथों दबोच लिया।

लेडी डॉन के साथ आए थे ठगी का 'टेंडर' लेकर- हैरानी की बात यह है कि इस ठगी के सिंडिकेट में एक महिला भी 'फुल फॉर्म' में शामिल थी। खुद को सरकारी नुमाइंदा बताकर ये तिकड़ी शौचालय दिलाने का झांसा दे रही थी और धड़ल्ले से वसूली कर रही थी। लेकिन ग्रामीणों को दाल में कुछ काला लगा और फिर क्या था... देखते ही देखते पूरे गांव में हड़कंप मच गया और ठगों की घेराबंदी शुरू हो गई।

वीडियो हुआ वायरल, गिड़गिड़ाने लगे ठग- जैसे ही ग्रामीणों ने इन्हें घेरा, ठगों की सारी हेकड़ी हवा हो गई। ग्रामीणों का रौद्र रूप देख तीनों के चेहरे की हवाइयां उड़ने लगीं। पकड़े जाने के डर से ठगों ने तुरंत 'यू-टर्न' लिया और वसूली गई पाई-पाई मौके पर ही वापस कर दी। इस पूरे हाई-वोल्टेज ड्रामे का वीडियो अब सोशल मीडिया पर आग की तरह फैल रहा है।

पैसा लौटाया और फिल्मी स्टाइल में हुए 'नौ दो ग्यारह'- पैसे वापस करने के बाद, जैसे ही ग्रामीणों का ध्यान थोड़ा भटका, ये तीनों शातिर मौका ताड़कर वहां से रफूचक्कर होने में कामयाब रहे। ग्रामीणों के मुताबिक, पकड़े गए लोगों में से महिला और एक पुरुष पास के ही ग्राम बौधिया खुर्द मजरा खैरहना गांव के 'लाल' बताए जा रहे हैं, जबकि तीसरे साथी की पहचान अभी भी एक रहस्य बनी हुई है।

अब पुलिस खंगालेगी इनकी 'कुंडली'- भले ही ये ठग मौके से भाग निकले हों, लेकिन ग्रामीणों ने इनकी पूर 'कुंडली' पुलिस और उच्च अधिकारियों की चौखट तक पहुंचा दी है। अब देखना यह है कि खाकी इन 'शौचालय ठगों' को कब तक सलाखों के पीछे पहुंचाती है ताकि भविष्य में कोई और 'चूना' न लगा सके।इस ठगों के खिलाफ एलिकेशन खंड विकास अधिकारी और निघासन पुलिस को भी दी गई थी लेकिन ठगों के खिलाफ कोई कार्यवाही नहीं हुई।

वन कर्मी पर कीमती लकड़ी की अवैध ढुलाई व बिक्री का आरोप, वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिंगाही-खीरी। मझगई वन रेंज में तैनात एक वन कर्मी पर कीमती लकड़ी की अवैध ढुलाई और बिक्री का मामला सामने आया है। इस पूरे प्रकरण का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद क्षेत्र में हड़कंप मच गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, चुन्ना नाम का वन कर्मी रेंज क्षेत्र से कीमती लकड़ी को रिक्शा के माध्यम से लाकर बेलरायां रेंज में बेचता रहा। वायरल वीडियो में कथित तौर पर लकड़ी की ढुलाई का दृश्य दिखाई देने की बात कही जा रही है।स्थानीय सूत्रों का कहना है कि यह कार्य लंबे समय से जारी था, लेकिन संबंधित विभाग को इसकी भनक नहीं लग सकी। जैसे ही वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, मामले ने तूल पकड़ लिया और वन विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठने लगे। ग्रामीणों व क्षेत्रीय लोगों ने मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। वहीं, मझगई रेंजर अंकित सिंह का कहना है कि मामला उनके संज्ञान में आते ही वन कर्मी को चौकी अटैच कर दिया गया है। जांच के बाद आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

अराजक तत्वों का परिषदीय विद्यालयों में प्रवेश पर लगे रोक- जितेंद्र गंगवार

बरेली। उत्तरप्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ बरेली की टीम ने बृहस्पतिवार को सहायक शिक्षा निदेशक अजीत गंगवार एवं जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी से भेंट की। उनके समक्ष अपनी समस्याओं को रखा ,और उनका हल कराया गया।जिला अध्यक्ष जितेंद्र गंगवार ने बीएसए को बताया पूर्व में विद्यालय में अनाधिकृत लोगों के विद्यालय में प्रवेश न करने के संदर्भ में एक ज्ञापन दिया था। उस पर कोई कार्यवाही नहीं हुई है, बीएसए ने बताया इस संबंध में आदेश एक दो दिन में जारी कर दिया जाएगा। संगठन द्वारा उनका आभार जताया गया, शेष तीन ब्लॉकों के चयन वेतनमान लिस्ट भी अगले सप्ताह जारी कर दी जाएगी।भेंट करने वालों में जिला मंत्री गिरजेश कुमार, जिला उपाध्यक्ष अरविंद गंगवार, जिला संगठन मंत्री अतुल सिंह, जिला उपाध्यक्ष गौरव गुप्ता, ब्लॉक अध्यक्ष अरविंद चौधरी, मंत्री अजय कुमार, इफ्तियारअहमद, अंकित सिंह आदि लोग रहे।

अगवा कर के ले गए इंदौर, एक महीने तक बंधक बनाकर लगातार किया दुष्कर्म, वीडियो बनाकर ब्लैकमेलिंग

● युवती को नारखी से अगवा कर इंदौर ले गए।

● कोर्ट के आदेश पर पांच आरोपियों पर FIR दर्ज।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नारखी (फिरोजाबाद)। एक गांव में दवा लेने गई युवती को मैनपुरी के कुछ लोगों ने पिछले वर्ष 21 जुलाई को अगवा कर लिया। फिर इंदौर में एक तीन मंजिला मकान में बंधकर बनाकर एक महीने तक उसके साथ दुष्कर्म किया गया। साथ ही उसकी अश्लील वीडियो भी बना लीं। पीड़िता किसी तरह उनके चंगुल से बच कर भाग आई। गुरुवार को पुलिस ने कोर्ट के आदेश पर पांच लोगों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की है। पीड़िता की मां ने प्रार्थना पत्र में बताया कि उसने कुछ महीने पहले अपनी 19 वर्षीय बेटी को दवा लेने के लिए बाजार भेजा था। वापस आते समय मैनपुरी, घिरोर के शाहजहांपुर निवासी नवी हुसैन, इनारो, अतरे, मैमजादी और आमीन ने उसे अगवा कर लिया। फिर गाड़ी में डालकर इंदौर ले गए। जहां युवती को एक महीने तक बंधक बनाकर रखा। आए दिन उसके साथ दुष्कर्म किया गया। साथ ही वीडियो भी बनाई। कुछ दिन बाद पीड़िता किसी तरह छूट कर वहां से भाग निकली।

फिर राहगीरों की मदद लेकर गांव तक पहुंची। मामले की शिकायत थाने में जाकर की, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। फिर 29 जनवरी को एसएसपी से भी शिकायत की, सुनवाई न होने पर कोर्ट की शरण ली। एसओ राकेश गिरी ने बताया कि प्राथमिकी दर्ज की गई है। जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

शराब के नशे में भिड़े घराती और बराती, फिरोजाबाद पुलिस ने बैठकर अपने सामने कराए फेरे

फिरोजाबाद। शराब के नशे में घराती-बराती भिड़ गए। देखते ही देखते दोनों तरफ लात-घूंसा चलने लगा। इसकी वजह से शादी समारोह में अफरातफरी मच गई। उत्तर पुलिस ने मामला शांत कराया। इसके बाद सकुशल शादी संपन्न हुई। मूलतः राजस्थान में अजमेर निवासी मारवाड़ी परिवार 30 वर्ष से सत्यनगर मुहल्ले में रह कर ग्लास फैक्ट्री में काम करते हैं। गुरुवार रात उनकी बेटी की शादी थी। अजमेर से बरात आई थी। शादी समारोह के दौरान गुरुवार रात 12 बजे शराब के नशे में घराती और बराती में किसी बात को लेकर विवाद हो गया। देखते ही देखते दोनों पक्षों में मारपीट शुरू हो गई। पुलिस की उपस्थिति में देर रात शादी संपन्न हुई। इंस्पेक्टर अंजीश कुमार ने बताया कि शादी के दौरान विवाद हुआ था। दोनों पक्षों को समझा बुझा दिया गया था। इसके बाद शादी संपन्न हुई। किसी ने तहरीर नहीं दी है।

संक्षिप्त खबरें

पाली में गेहूं की क्रॉप कटिंग, औसत उत्पादन 38 कुंतल प्रति हेक्टेयर

भदोही। रबी फसलों के उत्पादन के आकलन के तहत जिलाधिकारी शैलेष कुमार ने ज्ञानपुर तहसील के ग्राम पाली में गेहूं की फसल की क्रॉप कटिंग कराई। किसान श्रीमती पान देवी व शीतला प्रसाद के खेत में 43.3 वर्ग मीटर क्षेत्र में कटाई व थ्रेसिंग कराई गई, जिसमें क्रमशः 18.02 किग्रा व 14.71 किग्रा उत्पादन प्राप्त हुआ। इसके आधार पर औसत उत्पादन लगभग 38 कुंतल प्रति हेक्टेयर आंका गया। यह प्रयोग भारत सरकार के सीसीई एग्री ऐप के माध्यम से ऑनलाइन व पारदर्शी तरीके से संपन्न हुआ। इस दौरान जिलाधिकारी ने किसानों को कृषि व जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए उनका लाभ लेने के लिए प्रेरित किया। निरीक्षण के दौरान पाली-सुरियावां मार्ग की साइड पटरी के कार्य को शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश भी संबंधित अधिकारियों को दिए गए। इस मौके पर उपजिलाधिकारी भान सिंह, तहसीलदार अजय सिंह, जिला कृषि अधिकारी इरम कुमारी सहित अन्य अधिकारी व किसान मौजूद रहे।

वीर बहादुर चौधरी उपनिरीक्षक से निरीक्षक पद पर प्रोन्नत

भदोही। जनपद में तैनात चौकी प्रभारी घोसिया वीर बहादुर चौधरी को उपनिरीक्षक से निरीक्षक (नागरिक पुलिस) पद पर पदोन्नत किया गया। पुलिस महानिदेशक मुख्यालय के आदेश पर हुई इस पदोन्नति के उपरांत पुलिस अधीक्षक अभिनव त्यागी ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय में उनके कंधे पर स्टार लगाकर नवीन पदभार की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर प्रभारी मीडिया सेल/पीआरओ प्रवीण कुमार राय भी उपस्थित रहे। पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों ने पदोन्नति पर उन्हें बधाई देते हुए उज्ज्वल कार्यकाल की कामना की।

कालीन प्रतिष्ठान मे हनुमत जन्मोत्सव भक्तो का उमड़ा सैलाब

गोपीगंज। नगर और ग्रामीण क्षेत्र मे गुरुवार को जहा हनुमान प्राकट्योत्सव की धूम मची रही सुंदर कांड व रामचरित मानस का पाठ गूजता रहा विभिन्न मंदिरो मे आयोजित भंडारे मे प्रसाद ग्रहण किया,वही नगर के प्रमुख कालीन कंपनी ग्लोबल ओवरसीज मे धार्मिक अनुष्ठान के दौरान आयोजित महोत्सव मे पवन पुत्र की भव्य झांकी सजाई गई और विधि विधान पूर्वक आराधना की गई,संगीतमय सुंदरकाड पाठ किया गया आरती व हवन पूजन के उपरांत प्रसाद ग्रहण करने का काम शुरु हुआ,देर रात तक चले प्रसाद ग्रहण मे बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल रहे। पूर्व की भांति इस बार भी पूर्व नगर पालिका परिषद अध्यक्ष प्रह्लाद दास की ओर से महोत्सव का आयोजन किया गया था जिसमे विधायक विपुल दुबे,भाजपा जिला अध्यक्ष दीपक मिश्रा सहित कई राजनेता व प्रशासनिक अधिकारी शामिल हुए। इस मौके पर बृजेश गुप्ता,संतोष गुप्ता,संजय गुप्ता मौजूद रहे।

हाई टेंशन तार के चिंगारी से गेहूं के खेत में लगी आग

चुनार, मीरजापुर। तहसील क्षेत्र के मुहल्ला बहरामगंज मे खेत से होकर गुजरे हाईटेंशन तार शार्ट करने से निकली चिंगारी से चौतीस विस्वा गेंहू का फसल जलकर खाक हो गई। एलआईसी फिडर से बहरामगंज होते हुए जगदीशपुर उर्फ टम्मलगंज तक विजली विभाग के द्वारा एचटी लाइन ले जाया गया है शुक्रवार को दोपहर तेज हवा के चलते तार शार्ट करने से निकली चिंगारी गेंहू के खेत मे जा गिरी जिससे काश्तकार रामजी यादव पुत्र स्व0 शोभनाथ, का सत्रह विस्वा व दयाराम यादव,मयाराम यादव, विजय बहादुर यादव पुत्रगण स्व0 मनबोध का सत्रह विस्वा गेंहू का फसल जलकर खाक हो गया मुहल्ले के लोगों ने नाले के पानी से आगपर काबू पा लिया और आग को आगे बढने से रोक लिया। तत्पश्चात नगरपालिका परिषद द्वारा टैंकर से पानी उपलब्ध कराया गया आग बुझने के बाद दमकल मौके पर पहुंच पायी। यदि दमकल के सहारे लोग रहते तो सैकडो विघा फसल जलकर नष्ट हो जाता।

पीपा पुल की पूरी खबर रही भ्रम में, पहली खबर थी जिसमें एक पीपा पुल में पानी अधिक भर जाने से वह अधिक डूब गया था जिसको विभाग ने रातों रात सही कर लिया था

- भ्रम था बीच में पीपा पुल न लगना लोगों को लगा कि पीपा पुल वही से टूटा जबकि वहां पहले भी पीपा पुल लगा ही नहीं था

- सच्चाई थी कि वहां पर पानी कम होने की वजह से पीपा नहीं लगा था और वहां से 200 मीटर दूर तक रेत निकला था जहां पर ऊंट भी चल रहें थे

- गंगा का जल स्तर बढ़ने से रेत डूब गया और जहां चद्दर लगा था वहां पर पानी हो जाने की वजह से आवागमन बाधित हो गया था और लोगों को लगा कि वहां से पीपा पुल ही बह गया है।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

विंध्याचल। गुरुवार की रात से लेकर शुक्रवार को दिन भर पीपा पुल की खबर राष्ट्रीय स्तर की मीडिया ने हाथों हाथ लिया। जिसमें दिखाया गया कि पीपा पुल टूट कर बह गया था। जिसके लोगों का आवागमन बंद हो गया है। लेकिन ऐसा कुछ भी नहीं हुआ स्थानीय लोगों का कहना था कि एक पीपा जब से लगा था तब से ही नीचे बैठ गया था और गंगा का जलस्तर बढ़ने से वह काफी नीचे दब गया था जो देखने में लग रहा था वह कभी भी डूब सकता है वास्तव में वह पानी भरने की वजह से बहुत अधिक नीचे दब गया था और उसके नीचे जमीन आ गया था और वह जमीन पाने की वजह से नहीं डूबा जो पीपा पुल संचालकों की घोर लापरवाही को दर्शाता है। लेकिन खबर जब वायरल हुआ तो विभाग ने रातों रात उस पीपा पुल को सही कर लिया।

जलस्तर बढ़ने से आने जाने वालो को दिक्कत हो रही थी। हालांकि यह बहुत बड़ी लापरवाही थी क्योंकि यदि वहां अधिक पानी होता तो शायद वह पीपा डूब भी सकता था। इसकी खबर चलने के बाद पीपा पुल संचालकों ने उसे रातों रात सही कर दिया। भ्रम लोगों को लगा कि पीपा पुल टूट गया नहीं पीपा पुल टूटा नहीं था बल्कि वह बीच रेत में होने की वजह से वहां पर पीपा नहीं लग सकता था बल्कि वहां पर टीन बिछाया गया था ताकि वहां पर से सीधे नीचे रेत से होकर वाहन आ जा सके।

पानी बढ़ने से वह रेत डूब गया और उस पर पानी भर गया जिससे वह लोगों को लगा कि वहां पर पीपा पुल टूट गया है

अभी भी खतरा बना हुआ है वहां पर पीपा पुल पूरा न लगने के कारण वहां पर यात्री पीपा पुल से जाकर गंगा स्नान कर रहें जिससे खतरा बना हुआ है।

वहीं घुटने भर पानी के बढ़ने की वजह से चार पहिया वाहनों का आवागमन कम हो गया और बाइक तथा पैदल वाले उसी पुल से होकर जा रहें हैं। जो खतरे से खाली नहीं है। नगर विधायक पंडित रत्नाकर मिश्र ने खबर का लिया संज्ञान रातों रात फिर बाढ़ वाले स्थान को भी सही कराया गया। वहां पर मिट्टी पाटकर फिर से पीपा पुल पर सुरक्षित आवागमन कराया चालू। इस दौरान उन्होंने ठेकेदार से लेकर पी डब्लू डी के अधिकारियों को भी डांट फटकार लगाई जिससे गंगा का जलस्तर बढ़ने के बावजूद भी पीपा पुल को पुनः चालू कराया गया।

बलिदान दिवस के रूप में मनाया गया गुड फ्राइडे, चर्च में विशेष प्रार्थना सभा

गोपीगंज। नगर स्थित चर्च में शुक्रवार गुड फ्राइडे का पर्व बलिदान दिवस के रूप में श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाया गया। इस अवसर पर चर्च में विशेष प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया, जिसमें ईसाई समुदाय के लोगों ने प्रभु यीशु का स्मरण करते हुए उनके बलिदान को याद किया। प्रार्थना सभा को संबोधित करते हुए पादरी ने कहा कि प्रभु यीशु ने मानवता के पापों का भार अपने ऊपर लेकर संसार को मुक्ति का मार्ग दिखाया। उन्होंने बताया कि इसी दिन उन्हें सूली पर चढ़ाया गया था। कार्यक्रम के अंत में शोक सभा आयोजित कर ईसा मसीह के जीवन और उनके त्याग पर प्रकाश डाला गया। इस दौरान सुशील डेनियल, अनिल डेनियल, एडविन मसीह, समीर मसीह, विमला मसीह, रविंसन मैथ्यू, संजीव डैनियल, विनय मैथ्यू सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

ग्राम सभा में तालाब पर अतिक्रमण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीखड़, मीरजापुर। क्षेत्र के खैरा ग्राम सभा में स्थित शंकर भगवान के मंदिर के पास पुराने तालाब/गड्ढे पर मुस्लिम बस्ती व शर्मा बस्ती के कुछ लोगों द्वारा अतिक्रमण किए जाने का मामला सामने आया है। बताया जाता है कि पिछले लगभग 50 वर्षों से गांव के नालों का गंदा पानी इसी गड्ढे में गिरता रहा है।

स्थानीय लोगों के अनुसार, कुछ लोगों द्वारा इस गड्ढे में लगातार कूड़ा-कचरा डालकर उसे पाट दिया गया है तथा कई स्थानों पर मकान भी बना लिए गए हैं। इसके कारण गड्ढा पूरी तरह समाप्त हो गया है और अब नालों का गंदा पानी पीडब्ल्यूडी सड़क पर बहते हुए किसानों के खेतों में पहुंच रहा है, जिससे किसानों को भारी नुकसान हो रहा है।वहीं शुक्रवार को ग्राम प्रधान द्वारा जेसीबी मशीन से गड्ढे की खुदाई कराकर स्थिति सुधारने का प्रयास किया गया, लेकिन गांव के मोहम्मद सलीम मोहम्मद इलियास आदि द्वारा विरोध किए जाने के कारण जेसीबी को वापस लौटना पड़ा। वहीं ग्राम पंचायत विकास अधिकारी सुधीर दुबे द्वारा बताया गया कि एक अप्रैल से 30 अप्रैल तक सरकार द्वारा चलाए जा रहे संचारी अभियान अंतर्गत नाली सफाई खरपतवार नियंत्रण अभियान कार्यक्रम पुरे विकास खण्ड अन्तर्गत सभी ग्राम पंचायतों में चल रहा।उसी के तहत ग्राम पंचायत खैरा में काम कराया जा रहा था। आगे

ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि तालाब को अतिक्रमण मुक्त कराकर जल निकासी की उचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, जिससे पीडब्ल्यूडी सड़क पर बह रहे गद्दे पानी और किसानों को हो रही परेशानी से राहत मिल सके।

विंध्याचल धाम पहुंचे कथा वाचक राजन महाराज, बदले स्वरूप को देख हुए गदगद

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मिर्जापुर। विंध्याचल धाम में प्रसिद्ध कथा वाचक राजन महाराज ने दर्शन पूजन किया। उन्होंने आदिशक्ति माता विंध्यवासिनी के दरबार में विधि-विधान से दर्शन-पूजन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। आचार्य अगस्त्य द्विवेदी के सानिध्य में पूजा-अर्चना संपन्न की और देश की समृद्धि, शांति तथा जन-जन की खुशहाली की कामना की।

इस दौरान उन्होंने कहा कि 'अपने धर्म पर विश्वास रखें, धर्म के आदेशों का पालन करने वाला व्यक्ति कहीं भी रहे, सदैव प्रसन्न रहता है। 'धाम के बदले स्वरूप को देखकर राजन महाराज भाव-विभोर हो उठे। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में विंध्याचल धाम का स्वरूप अत्यंत भव्य, आकर्षक और सुव्यवस्थित हो गया है। श्रद्धालुओं की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए किए गए विकास कार्य सराहनीय हैं। वह प्रयागराज के हंडिया में चल रहे कथा के दौरान मां का दर्शन करने पहुंचे थे।

शासन-प्रशासन की सराहना करते हुए कहा कि धाम के सुंदरीकरण, यातायात प्रबंधन, स्वच्छता और सुरक्षा व्यवस्था में जो सुधार हुआ है, वह प्रशंसनीय है। इससे न केवल स्थानीय श्रद्धालुओं को सुविधा मिली है, बल्कि दूर-दराज से आने वाले भक्तों के लिए भी दर्शन व्यवस्था सहज और सुगम हुई है। राजन महाराज ने कहा कि विंध्याचल धाम देश के प्रमुख शक्तिपीठों में से एक है, जहां हर श्रद्धालु की गहरी आस्था जुड़ी होती है। ऐसे में यहां हो रहा विकास धार्मिक पर्यटन को भी बढ़ावा देगा और क्षेत्र के आर्थिक विकास में सहायक सिद्ध होगा।

उनके आगमन पर स्थानीय श्रद्धालुओं में उत्साह का माहौल देखने को मिला। बड़ी संख्या में भक्तों ने उनसे आशीर्वाद प्राप्त किया और धार्मिक चर्चा में भाग लिया। कुल मिलाकर उनका यह दौरा श्रद्धालुओं के लिए आध्यात्मिक ऊर्जा और प्रेरणा से भरपूर रहा।

हनुमान जयंती के अवसर पर सुंदरकांड पाठ के पश्चात जागरण का किया गया आयोजन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीखड़, मीरजापुर। हनुमान जन्मोत्सव के अवसर पर क्षेत्र के रुदौली ग्राम पंचायत के साधो माधो पुलिया के पास स्थित प्राचीन हनुमान मंदिर पर गुरुवार रात्रि में हनुमान जी का भव्य श्रृंगार किया गया और सुंदरकांड पाठ के पश्चात भव्य जागरण का आयोजन किया गया। जिसमें वाराणसी से आए गायक कलाकार हंसराज यादव व पिंकी मिश्रा ने एक से बढ़कर एक भजन , गीत प्रस्तुत कर कार्यक्रम में चार चांद लगा दिया। गायक हंसराज यादव ने श्रीराम जानकी बैठे हैं मेरे सीने में , दुनिया चले ना श्रीराम के बिना, रामजी मिले ना हनुमान के बिना सुना कर खूब तालियां बटोरी और वहीं वाराणसी बनारस घराने से आई गायिका पिंकी मिश्रा ने 'नाही खाइब मेवा मिश्री नाही रबड़ी मलाई' सुना कर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दी और श्रोता पूरी रात झूमते रहे।इस अवसर कार्यक्रम के आयोजक पारसनाथ यादव, आशा यादव, सुनील यादव, अशरफी यादव,किशन यादव, रामराज यादव, श्यामजी यादव छेदी यादव, कैलाश विश्वकर्मा सीएसके कंपनी, अमरु यादव (विधायक) रामचंद्र यादव, धानमनी यादव, बादल यादव, चंद्रशेखर यादव, कृपाराम यादव, सिद्धार्थ, पंकज यादव, सहित हजारों की संख्या में श्रद्धालु भक्त गण उपस्थित रहे।

हनुमान जयंती पर बजरंग बली का हुआ भव्य श्रृंगार, सुंदर कांड, पाठ आयोजित

चुनार, मीरजापुर। गुरुवार को हनुमान जयंती के अवसर पर गंगेश्वर नाथ स्थित श्री राघव जी मंदिर में मंदिर के अर्चक श्रवण कुमार अवस्थी द्वारा बजरंग बली का भव्य श्रृंगार किया गया।साथ ही सुंदर कांड पाठ का भी आयोजन किया गया। तत्पश्चात श्रद्धालुओं में प्रसाद वितरण किया गया। इस अवसर पर बचाउ लाल सेठ, सत्येंद्र दुबे, सुनील सिंह, राजेश साहू,संजय साहू, अमित गुप्ता, अंशु सेठ, अंशु अग्रवाल, सौरभ पुजारी, सर्वेश अवस्थी, राजेश जायसवाल, कान्हा जायसवाल, गौतम पांडेय, प्रतीक राव बैद्य, पंकज सेठ, समर्थ वैद्य सहित बड़ी संख्या में महिला पुरुष श्रद्धालु उपस्थित रहे।

विंध्याचल मंदिर की गंगाजल से धुलाई

- नगर विधायक पंडित रत्नाकर मिश्र जी ने अपने पोते के साथ गंगा जल से मां के चरणों का घटाभिषेक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

विंध्याचल। धाम में नवरात्र मेला संपन्न होने के बाद परंपरा के अनुसार माता के दरबार का गंगाजल से शुद्धिकरण किया गया। इस दौरान हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने गंगा स्नान कर पवित्र जल लाकर मंदिर की धुलाई और घटाभिषेक में भाग लिया। भाजपा नगर विधायक रत्नाकर मिश्रा ने भी भक्तों के साथ मिलकर माता विंध्यवासिनी का गंगाजल से घटाभिषेक किया। गंगा घाट से मंदिर तक श्रद्धालुओं की लंबी कतार देखने को मिली और पूरा क्षेत्र 'जय माता दी' के जयकारों से गूंज उठा।

धार्मिक मान्यता के अनुसार, नवरात्र के दौरान धाम में तंत्र-मंत्र साधना के उपरांत वैशाख माह के कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा तिथि को मंदिर का गंगाजल से शुद्धिकरण किया जाता है। माना जाता है कि इस प्रक्रिया से नकारात्मक शक्तियों, भूत-प्रेत, योगिनी आदि से मुक्ति मिलती है और क्षेत्र में सुख-समृद्धि बनी रहती है। आदिकाल से सिद्धपीठ रहे विंध्याचल धाम में देशभर से साधक और श्रद्धालु नवरात्र के दौरान साधना के लिए पहुंचते हैं। साधना पूर्ण होने के बाद स्थानीय पंडा समाज, नाई समाज, धईकार समाज सहित नगरवासी और भक्तगण मिलकर गंगा जल से मंदिर की धुलाई करते हैं। परंपरा के अनुसार, श्रद्धालु पहले गंगा स्नान कर घड़े की पूजा करते हैं, फिर उसमें गंगाजल भरकर माता के धाम तक लाते हैं और पूरे परिसर की साफ-सफाई व अभिषेक करते हैं। इस दौरान आस्था का अद्भुत दृश्य देखने को मिलता है, जहां भक्त घड़े लेकर कतारबद्ध होकर मंदिर की ओर बढ़ते हैं।

विधायक रत्नाकर मिश्रा ने बताया कि यह प्राचीन परंपरा है, जिसमें सभी समुदायों के लोग मिलकर भाग लेते हैं। मंदिर की सेवा और सफाई कर भक्तों को आध्यात्मिक सुख और शांति की अनुभूति होती है।

श्रीविंध्य पंडा समाज के तेजन गिरी ने कहा कि इस आयोजन में शामिल होकर श्रद्धालु आत्मिक शांति का अनुभव करते हैं माता की कृपा से जीवन में सुख-समृद्धि प्राप्त होती है। मंदिर की धुलाई और निकासी से पूरे क्षेत्र में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।

मधु किश्वर का पीएम पर फिर हमला- उस फाइल में मोदी के खिलाफ क्या था, अफसर कौन था

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। बीजेपी और मोदी समर्थक मानुषी पत्रिका की संस्थापक संपादक प्रो. मधु किश्वर ने प्रधानमंत्री पर गुरुवार 2 अप्रैल को फिर हमला बोला है। इस बार उन्होंने मोदी से जुड़ी गोपनीय फाइल और एक आला अफसर का जिक्र किया है। पिछली बार महिलाओं को लेकर बोला था। मधु किश्वर ने गुरुवार को एक्स पर एक लंबे ट्वीट में लिखा है- यह चौंकाने वाली जानकारी मुझे एक ऐसे व्यक्ति से मिली है, जिसके पास प्रधानमंत्री के बारे में अंदरूनी सूचनाओं का अच्छा-खासा भंडार है। मूल तथ्यों की पुष्टि कोई भी व्यक्ति साधारण गूगल सर्च के जरिए कर सकता है। जिस दिन नरेंद्र मोदी ने प्रधानमंत्री पद की जिम्मेदारी संभाली, उसी दिन मनमोहन सिंह के 2011 से कैबिनेट सचिव रहे अजीत कुमार सेठ उनसे मिलने पहुंचे। उनके पास एक मोटी फाइल थी और उन्होंने कहा, 'डॉ. साहब (मनमोहन) ने सुझाव दिया है कि आप इस फाइल को ध्यान से देखें। 'मधु किश्वर आगे लिखती हैं कि मोदी जी ने जैसे ही फाइल के पन्ने पलटने शुरू किए, उनका चेहरा फीका पड़ गया, क्योंकि उस फाइल में उनके खिलाफ कई आपत्तिजनक जानकारियां थीं। घबराए हुए मोदी ने सेठ से पूछा, 'यह आपके पास कैसे पहुंची?' सेठ ने शांत स्वर में जवाब दिया, 'कैबिनेट सचिव होने के नाते, प्रधानमंत्री कार्यालय (PMO) की सभी महत्वपूर्ण फाइलें मेरे पास आती हैं। 'मोदी जी ने चुपचाप फाइल लौटा दी और संकेत समझ गए। इसके बाद अजीत कुमार सेठ को न सिर्फ कार्यकाल विस्तार दिया गया, बल्कि उन्हें मोदी जी का ही कैबिनेट सचिव नियुक्त कर दिया गया। मधु के मुताबिक इसका मतलब यह हुआ कि मनमोहन सिंह और सोनिया गांधी को प्रधानमंत्री कार्यालय की गतिविधियों और निर्णयों तक पहुंच बनी रही। मधु किश्वर का ट्वीट में कहना है कि अजीत कुमार सेठ को 2014 में विस्तार दिया गया और वे जून 2015 तक इस पद पर रहे। क्या आपने दुनिया में कहीं सुना है कि कोई प्रधानमंत्री अपने कट्टर विरोधी के सबसे भरोसेमंद वरिष्ठ अधिकारी को अपने ही पीएमओ का प्रमुख नियुक्त करे? रिटायरमेंट के बाद भी सेठ को एक और पुरस्कार के रूप में सार्वजनिक उपक्रम चयन बोर्ड (PESB) का अध्यक्ष बना दिया गया। एक्टिविस्ट मधु किश्वर ने उसी ट्वीट में लिखा है कि यह संभवतः इस बात से समझा सकता है कि तमाम तीखी बयानबाजी के बावजूद, तथाकथित '56 इंच की छाती' वाले नेता ने सोनिया गांधी, रॉबर्ट वाड्रा, चिदंबरम और अन्य लोगों के खिलाफ कोई ठोस कार्रवाई करने की हिम्मत क्यों नहीं दिखाई। जबकि वे खुद उन पर विदेशी खातों और अन्य आरोप लगाते रहे हैं। यह सिर्फ सोनिया गांधी ही नहीं हैं, बल्कि भारत और विदेशों में कई अन्य लोग भी हैं जिनके पास 'महामानव' के कथित काले कारनामों की जानकारी है। मोदी के 56 इंच सीने का मज़ाकः ट्वीट में मधु लिखती हैं- इसी वजह से मोदी जी को भारत के सबसे असुरक्षित राजनेताओं में से एक बताया जाता है, और यही कारण है कि वे बड़े-बड़े दावे और आक्रामक बयानबाजी करते नजर आते हैं। भारत और दुनिया में भ्रष्ट राजनेताओं की कमी नहीं है, लेकिन खुद को संत की छवि में पेश करने की इतनी कोशिश शायद ही किसी ने की हो, जितनी '56 इंच' वाले नेता करते हैं। जनता को संबोधित करते समय उनकी आवाज में लगातार उत्तेजना और खुद को निस्वार्थ महात्मा के रूप में प्रस्तुत करने का दिखावा इसी का हिस्सा बताया जाता है। इसी वजह से मोदी जी को भारत के सबसे असुरक्षित राजनेताओं में से एक बताया जाता है, और यही कारण है कि वे बड़े-बड़े दावे और आक्रामक बयानबाजी करते नजर आते हैं। भारत और दुनिया में भ्रष्ट राजनेताओं की कमी नहीं है, लेकिन खुद को संत की छवि में पेश करने की इतनी कोशिश शायद ही किसी ने की हो, जितनी '56 इंच' वाले नेता करते हैं। जनता को संबोधित करते समय उनकी आवाज में लगातार उत्तेजना और खुद को निस्वार्थ महात्मा के रूप में प्रस्तुत करने का दिखावा इसी का हिस्सा बताया जाता है। मधु किश्वर ने इसी बात का विस्तार करते हुए लिखा है- 'रिकॉर्ड के लिए, 2014 के चुनाव अभियान के दौरान जब मोदी जी ने पहली बार '56 इंच की छाती' का जिक्र किया, तो मैंने व्यक्तिगत रूप से उनसे कहा था, 'नरेंद्र भाई, ऐसा मत कहिए, यह अशोभनीय लगता है। इस पर उनका जवाब था, 'आम जनता को यह पसंद है, मधु जी। केवल आप जैसे बुद्धिजीवी ही परिष्कृत भाषण चाहते हैं।' अब, मोदी जी के समर्थकों से सवाल है कि वे अपने 'हृदय सम्राट' से पूछें कि उन्होंने मनमोहन सिंह के कैबिनेट सचिव को अपने ही पीएमओ का शीर्ष अधिकारी क्यों नियुक्त किया? और जितना आप झूठे और अशोभनीय आरोपों से उकसाएंगे, उतनी ही और जानकारियां सामने आएंगी, जो आपके 'हृदय सम्राट' को उजागर करेंगी। यानी मधु किश्वर ने भविष्य में और भी खुलासे की चेतावनी भी लगे हाथ दे दी है।

खराब मौसम में हवाई यातायात प्रभावित, दिल्ली से प्रयागराज आ रही फ्लाइट भेजी गई वाराणसी, घंटों परेशान रहे यात्री

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रयागराज। संगम नगरी और आसपास के इलाकों में शुक्रवार 3 अप्रैल को अचानक बदले मौसम ने हवाई यातायात को बुरी तरह प्रभावित किया। तेज आंधी और धूल भरी हवाओं के कारण दृश्यता (विजिबिलिटी) कम होने से नई दिल्ली से प्रयागराज आ रही इंडिगो की एक फ्लाइट को ऐन वक्त पर वाराणसी की ओर मोड़ना पड़ा। इसके कारण विमान में सवार 176 सहित एयरपोर्ट पर इंतजार कर रहे यात्रियों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ा।

176 यात्रियों को लेकर इंडिगो विमान चला था प्रयागराज

इंडिगो का नई दिल्ली-प्रयागराज विमान शुक्रवार सुबह 10:47 बजे दिल्ली से 176 यात्रियों को लेकर रवाना हुआ। विमान अपने निर्धारित समय के अनुसार दोपहर करीब 12:30 बजे प्रयागराज के हवाई क्षेत्र में पहुंच गया था। हालांकि, इसी दौरान मौसम अचानक खराब हो गया। धूल भरी तेज आंधी चलने के कारण रनवे पर लैंडिंग के लिए आवश्यक दृश्यता काफी कम हो गई।

वाराणसी के हवाई अड्डे की ओर विमान डायवर्ट हुआ

विमान के पायलट ने स्थिति को देखते हुए और सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए लैंडिंग न करने का निर्णय लिया। यात्रियों को माइक पर स्थिति की जानकारी दी गई और एटीसी (एयर ट्रैफिक कंट्रोल) के निर्देशानुसार विमान को तत्काल वाराणसी के बाबतपुर स्थित लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे की ओर डायवर्ट कर दिया गया।

डेढ़ घंटे बाद प्रयागराज एयरपोर्ट में हुई लैंडिंग

वाराणसी एयरपोर्ट पर विमान को सुरक्षित उतारा गया, जहां मौसम साफ होने तक उसे वहीं रोका गया। लगभग डेढ़ घंटे के इंतजार के बाद जब प्रयागराज में मौसम सामान्य हुआ और एटीसी से हरी झंडी मिली, तब विमान ने वाराणसी से पुनः उड़ान भरी। यह फ्लाइट अपने निर्धारित समय दोपहर 12:20 बजे के स्थान पर लगभग पौने दो घंटे की देरी से दोपहर 2:11 बजे प्रयागराज एयरपोर्ट पर लैंड कर सकी। विमान के सुरक्षित उतरते ही यात्रियों ने राहत की सांस ली।

अन्य शहरों को जाने वाली उड़ान पर भी असर

इस डायवर्जन का असर प्रयागराज से अन्य शहरों को जाने वाली उड़ानों पर भी पड़ा। प्रयागराज से दिल्ली जाने वाले 137 यात्री घंटों टर्मिनल पर इंतजार करते रहे। विमान के आने के बाद दोपहर 2:49 बजे यह फ्लाइट दिल्ली के लिए रवाना हो सकी। इंडिगो की मुंबई जाने वाली फ्लाइट भी देरी की चपेट में आई।

इसे दोपहर 2:05 बजे उड़ान भरनी थी, लेकिन यह 2:22 बजे रवाना हुई। बेंगलुरु की उड़ान में भी लगभग 10 मिनट का विलंब दर्ज किया गया। एयरपोर्ट प्रशासन का कहना है कि यात्रियों की सुरक्षा सर्वोपरि है। खराब मौसम और कम विजिबिलिटी में लैंडिंग जोखिम भरी हो सकती थी, इसीलिए विमान को डायवर्ट करने का निर्णय लिया गया। शाम तक सभी उड़ानों का संचालन सामान्य हो सका।

3 से 4 हजार रुपये तक बढ़ गई सैलरी, CM Yogi के हस्तक्षेप के बाद कर्मचारियों के वेतन में हुआ इजाफा

लखनऊ। सीएम हेल्पलाइन 1076 में कार्यरत कर्मचारियों के वेतन और कार्य परिस्थितियों को लेकर उठा मामला मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के हस्तक्षेप के बाद सुलझ गया है। कंपनी ने कर्मचारियों की मांगें मानते हुए वेतन में तीन से चार हजार रुपये तक बढ़ोतरी और कार्यस्थल की सुविधाओं में सुधार पर सहमति दे दी है। इसके बाद कर्मचारी दोबारा काम पर लौट आए हैं। सीएम हेल्पलाइन 1076 में एजेंसी की ओर से कुल 1020 कर्मचारी कार्यरत हैं, जो तीन शिफ्ट में काम करते हैं। सुबह और दोपहर में 500-500 कर्मचारी और रात की शिफ्ट में 20 कर्मचारी कार्य करते हैं। इसके अलावा 200 कर्मचारियों को रिजर्व रखा गया है।

औसत सीटीसी कितनी?

प्रति कर्मचारी औसत सीटीसी 15 हजार रुपये है, जबकि कंपनी ने टेंडर 18,600 रुपये प्रति व्यक्ति के हिसाब से भरा था, जिसमें संचालन और उपकरणों का खर्च भी शामिल है। गुरुवार को वी-विन प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के तहत कार्यरत 200 से अधिक कर्मचारियों ने वेतन और कार्य स्थितियों को लेकर प्रदर्शन किया था। कर्मचारियों का आरोप था कि भर्ती के समय 15 हजार रुपये वेतन का वादा किया गया था, लेकिन उन्हें इससे कम वेतन दिए जा रहे हैं। साथ ही वेतन समय से नहीं मिल रहा था और ड्यूटी के दौरान मोबाइल बाहर रखवाने के कारण वे परिवार से संपर्क नहीं कर पा रहे थे।

संक्षिप्त खबरें

50 हजार का इनामी गैंगस्टर राहुल यादव चढ़ा एसटीएफ के हत्थे, लंबे समय से चल रहा था फरार

50 हजार के इनामी गैंगस्टर राहुल यादव गिरफ्तार।

एसटीएफ लखनऊ ने हरियाणा के फरीदाबाद से दबोचा।

आजमगढ़। स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) लखनऊ की टीम ने 50 हजार रुपये के इनामी गैंगस्टर राहुल यादव को हरियाणा के फरीदाबाद से गिरफ्तार किया है। आरोपी मूल रूप से आजमगढ़ जनपद के बरदह थाना क्षेत्र के सिरसेड़ी गांव का निवासी है और लंबे समय से फरार चल रहा था। पुलिस के अनुसार, वह गिरफ्तारी से बचने के लिए लगातार ठिकाने बदल रहा था। एसटीएफ को सूचना मिली थी कि राहुल यादव फरीदाबाद में छिपकर रह रहा है। इस आधार पर एक अप्रैल 2026 को टीम ने डीएलएफ क्राइम ब्रांच के पास घेराबंदी कर उसे गिरफ्तार कर लिया। राहुल यादव के खिलाफ आजमगढ़ के विभिन्न थानों में लूट, चोरी, डकैती, आर्म्स एक्ट और हत्या के प्रयास समेत कुल 14 आपराधिक मामले दर्ज हैं। वह थाना देवगांव में दर्ज गैंगस्टर एक्ट के मामले में वांछित था, जिस पर 50 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था। पूर्व में वह जेल भी जा चुका है, पूछताछ में राहुल ने स्वीकार किया कि वह वर्ष 2018 से अपने गिरोह के साथ मिलकर कई आपराधिक घटनाओं को अंजाम देता रहा है। उसके गिरोह के अन्य सदस्यों को पहले ही गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है, जबकि वह लगातार फरार चल रहा था।

मां की डांट के बाद चुनी मौत, दिन में फटकार कर घर से भगाया; आगरा में रात में बेटे ने की आत्महत्या

आगरा। दिन में मां को डांटकर युवक ने घर से भगा दिया। रात को कमरे में पंखे के हुक से लटककर आत्महत्या कर ली। शुक्रवार सुबह बड़ा भाई घर पहुंचा तो मकान अंदर से बंद मिला। इसके बाद पड़ोसी के मकान की छत से होते हुए घर का दरवाजा खुलवाया गया। घर के अंदर का दृश्य देखकर चीख पुकार मच गई। ताजगंज के धंधूपुरा गौरी विहार कालोनी निवासी 28 वर्षीय ओसपाल ने गुरुवार रात घर में फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। शुक्रवार सुबह बड़ा भाई विमलेश कुमार घर पहुंचे तो मकान अंदर से बंद था। उन्होंने ओसपाल को फोन किया, लेकिन कॉल रिसीव नहीं हुई। आवाज देने के बाद भी उसने दरवाजा नहीं खोला तो अनहोनी का डर सताने लगा। पड़ोस में रहने वाले युवक से उसकी छत से होते हुए मकान का दरवाजा खुलवाया। अंदर देखा तो ओसपाल का शव फंदे पर लटका था। युवक की मृत्यु से घर में मातम छा गया। विमलेश कुमान ने बताया कि ओसपाल गलत संगत में पड़ गया था। शराब पीकर आए दिन झगड़ा करता था। इस पर वह पत्नी खुशबू के साथ बुधवार को घर से बुआ के घर ताजगंज में चले आए थे। मां आशा देवी घरों में काम करती थीं। गुरुवार शाम को ओसपाल ने उन्हें भी झगड़े के बाद घर से भगा दिया था। वह भी बुआ के घर आ गई थीं। उन्होंने कहा किसी ने सोचा नहीं था कि ओसपाल आत्महत्या कर लेगा। युवक की मृत्यु से घर में मातम छाया हुआ है। एसीपी छत्ता पीयूषकांत राय ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम कराया गया है। आत्महत्या के कारणों की जांच की जा रही है।

ताजमहल के पास हिंदू नाम से रेस्टोरेंट चला रहा मुस्लिम युवक, यूपीआई पेमेंट के दौरान खुली पोल; पुलिस से शिकायत

आगरा। ताजमहल के पश्चिमी गेट पर स्थित रेस्टोरेंट का हिंदू नाम से संचालन किया जा रहा था। पर्यटक ने परिवार के साथ खाना खाने के बाद यूपीआइ से भुगतान किया तो मुस्लिम नाम देखकर भड़क गया। कहासुनी के बाद पर्यटक ने इंटरनेट मीडिया पर इस संबंध में पोस्ट की। पुलिस की ओर से मामले की जांच की जा रही है। पर्यटक ने ताजमहल पश्चिमी गेट के पास स्थित एक रेस्टोरेंट पर परिवार के साथ खाना खाया। इसके बाद उसने यूपीआइ से भुगतान किया। रेस्टोरेंट का नाम राजेश के नाम से था, जबकि यूपीआइ पर नाम अनवर आ रहा था। यह देख पर्यटक भड़क गया। होटल संचालक पर पहचान छिपाने का आरोप लगाया। इसी बीच पर्यटक व होटल संचालक से कहासुनी भी हुई। अन्य दुकानदारों ने मामला शांत कराया। बुधवार को पर्यटक ने इंटरनेट मीडिया पर इस संबंध में एक पोस्ट की। पोस्ट में संचालक पर पहचान बदलकर रेस्टोरेंट का संचालक करने का आरोप लगाया। इंटरनेट मीडिया पर मैसेज प्रसारित हुआ तो पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। एसीपी ताज सुरक्षा पीयूषकांत राय ने बताया कि इस तरह की पोस्ट सामने आई है।

अधिवक्ताओं और बहुजन प्रबुद्ध नागरिकों ने जिलाधिकारी कार्यालय पर किया प्रदर्शन

● भारत रत्न डॉ बी आर आंबेडकर और भारत की महिलाओं पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने वाली रूपम मिश्रा की गिरफ्तारी की मांग।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। आज बड़ी संख्या में आक्रोशित अधिवक्ताओं और बहुजन प्रबुद्ध नागरिकों ने प्रयागराज जिलाधिकारी कार्यालय पर प्रदर्शन करते हुए भारत रत्न बाबा साहब डॉ भीमराव आंबेडकर जी एवं भारत की महिलाओं पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने वाली रूपम मिश्रा की गम्भीर धाराओं में गिरफ्तारी मांग की, विदित हो कि भाकपा माले की सांस्कृतिक इकाई 'जन संस्कृति मंच' की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रूपम मिश्रा जो स्वयं को तथाकथित रूप से वामपंथी प्रगतिशील कहती है, इसने अपने फेसबुक आईडी द्वारा भारत रत्न बाबा साहब डॉ भीमराव अम्बेडकर जी और भारत की महिलाओं पर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। जिसके खिलाफ 31 मार्च 2026 को बड़ी संख्या में बहुजन प्रबुद्ध नागरिकों और अधिवक्ताओं ने कर्नलगंज थाने का घेराव करते हुए आपराधिक कृत्य करने वाली रूपम मिश्रा पर एफआईआर दर्ज करने की मांग की थी, तब कर्नलगंज पुलिस इंस्पेक्टर ने अधिवक्ता मदन पासवान से प्रथनापत्र लेकर आश्वासन देकर भेज दिया था, अगले दिन 1 अप्रैल को पुनः बड़ी संख्या में जब अधिवक्ता और बहुजन प्रबुद्ध नागरिक कर्नलगंज थाने पहुँचे तब तक प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और सोशल मीडिया में इस आपराधिक कृत्य की खबर फैल चूंकि थी, बहुजन प्रबुद्ध नागरिकों और अधिवक्ताओं के विरोध प्रदर्शन के दबाव में कर्नलगंज पुलिस ने एफआईआर तो दर्ज कर लिया है, मगर अभी तक गम्भीरतापूर्वक विवेचना शुरू नही किया है, जिससे अधिवक्ताओं सहित बहुजन प्रबुद्ध नागरिकों में गुस्सा और नाराजगी बढ़ती जा रही है, जो प्रदर्शन के रूप में जिलाधिकारी कार्यालय में दिखाई दी है, यह विरोध प्रदर्शन बढ़ता ही जायेगा।

प्रदर्शन में शामिल अधिवक्ताओं और बहुजन प्रबुद्ध नागरिकों ने सामुहिक रूप से कहा कि जब संविधान निर्माता बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर जी और भारत की महिलाओं का अपमान करने वाली अपराधिनी के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत हो गया है तब पुलिस अपराधिनी का बचाव क्यों कर रही हैं? पुलिस इतनी सुस्ती और ढिलाई क्यों बरत रही हैं? जबकि मामला बहुत ही संगीन और गम्भीर है, पुलिस आखिर अपराधिनी के खिलाफ तत्काल विवेचना करते हुए गम्भीर धाराओं में गिरफ्तार करके जेल नहीं भेज रही है?

अधिवक्ताओं और बहुजन प्रबुद्ध नागरिकों ने ज्ञापन सौंपकर जिलाधिकारी से मांग किया हैं कि तत्काल शासन प्रशासन मामले की गम्भीरता को समझें, और असामाजिक गतिविधियों में शामिल को कानून की गम्भीर धाराओं में गिरफ्तार करके जेल भेजें, जिससे समाज में अमन चैन-शांती और सौहार्दपूर्ण माहौल बना रहें, और कानून व्यवस्था कायम रहें, प्रदर्शन में मुख्यरूप में वरिष्ठ अधिवक्ता पूर्व इलाहाबाद जिला बार एसोसिएशन अध्यक्ष विनोद चंद्र दुबे, वरिष्ठ अधिवक्ता सुखदेव, वरिष्ठ अधिवक्ता धीरेंद्र यादव, वरिष्ठ अधिवक्ता बीके बघाड़िया, वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता डॉक्टर कमल उसरी, अधिवक्ता त्रिभुवन सिंह पटेल, प्रमोद भारतीया, विशाल चौधरी, कुमार शिधार्थ, कमला प्रसाद, जितेंद्र यादव, सुशील यादव, अमन चंद्रा, विकास गौतम, भास्कर पासवान, शिवराम, आर पी कुशवाहा, विजय यादव, नीरज कुशवाहा जिला अध्यक्ष ओबीसी, मोहम्मद ताहिर, सुयोग्य सिंह पासी इत्यादि अधिवक्ताओं के साथ ही *इंडियन रेलवे इम्प्लाइज फेडरेशन राष्ट्रीय अध्यक्ष मनोज पांडेय, शिवेंद्र प्रताप सिंह, पी एन सिंह, दीपक कुमार, अनमोल सरन, बबलू कुमार, विनय पाण्डेय, शुभम पाण्डेय*बहुजन प्रबुद्ध नागरिक एस आर मौर्य, ननकू राम धुरिया, राजधारी यादव, बसंत लाल यादव, अतुलेंद्र विद्यार्थी, अनंतराम धुरिया, डॉ प्रकाश इत्यादि शामिल रहें।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान संपन्न

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नैनी, प्रयागराज। भारतीय जनता पार्टी,नैनी मंडल द्वारा पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान 2026 का सफल आयोजन नैनी स्थित अभिनंदन पैलेस में संपन्न हुआ।कार्यक्रम का शुभारंभ उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री एवं शहर दक्षिणी विधायक नंद गोपाल गुप्ता 'नंदी' ने दीप प्रज्वलन कर किया। इस अवसर पर उन्होंने केंद्र एवं राज्य सरकार की ऐतिहासिक उपलब्धियों तथा भारत की निरंतर प्रगति पर प्रकाश डाला।

यह प्रशिक्षण महाअभियान कुल 7 सत्रों में आयोजित किया गया, जिसमें विभिन्न विषयों पर वक्ताओं ने कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन किया। प्रमुख वक्ताओं में कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल गुप्ता 'नंदी', महानगर मंत्री दीप द्विवेदी , पूर्व महापौर अभिलाषा गुप्ता नंदी , प्रदेश विधि प्रकोष्ठ के संयोजक रणजीत सिंह, प्रशिक्षण अभियान के सहसंयोजक नागेश तथा महापौर उमेश चंद्र गणेश केसरवानी शामिल रहे। वक्ताओं ने अपने संबोधन में कहा कि भारतीय जनता पार्टी सत्ता प्राप्ति के लिए नहीं, बल्कि 'सत्ता में गुणात्मक परिवर्तन' के उद्देश्य से कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि 'सेवा ही संगठन' के मूल मंत्र को अपनाकर कार्यकर्ता राष्ट्र निर्माण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।कार्यक्रम में नैनी मंडल के अध्यक्ष रजत दुबे अपनी पूरी टीम के साथ उपस्थित रहे।

इसके साथ ही महामंत्री ओमप्रकाश मिश्रा, पूर्व महानगर अध्यक्ष भाजयुमो नरसिंह, पूर्व मंडल अध्यक्ष हरिकिशन तिवारी, लक्ष्मीकांत तिवारी, राम लखन देवबंशी, मीडीया प्रभारी आकाश जायसवाल नैनी क्षेत्र के सभी सम्मानित पार्षदगण एवं वरिष्ठ कार्यकर्ताओं ने सक्रिय सहभागिता निभाई और कार्यक्रम को सफल बनाया। यह प्रशिक्षण महाअभियान संगठनात्मक मजबूती एवं कार्यकर्ताओं के वैचारिक सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम सिद्ध हुआ।

धारदार हथियार से वृद्ध चौकीदार की हत्या, सनसनी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

क्राइम
स्वतंत्र प्रभात

नैनी, प्रयागराज। नैनी कोतवाली क्षेत्र के धनुहा गांव में बृहस्पतिवार की देर रात कुछ लोगों ने धारदार हथियार से वृद्ध चौकीदार की निर्दयता पूर्वक हत्या कर दी। सुबह खून से लत पथ उसका शव देखकर गांव में सनसनी फैल गई। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर विधिक कार्रवाई करते हुए पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मिली जानकारी के अनुसार नैनी थाना क्षेत्र के मोहब्बत गंज ठकुरी का पुरवा निवासी राजबहादुर निषाद धनुहा गांव में किराए पर जमीन लेकर गिट्टी बालू का व्यवसाय करते हैं। उनके यहां गांव के ही (75) वर्षीय हजारी लाल भारतीया पुत्र मुन्नीलाल भारतीया रात में चौकीदारी का काम करते थे। बताते हैं, कि बृहस्पतिवार की रात मैं वह घर से खाना खाकर वहां सोने के लिए पहुंचे। सुबह उनका शव खून से लथ पथ पड़ा देख गांव में सनसनी फैल गई। घटना की जानकारी होते ही काफी संख्या में लोग मौके पर एकत्र हो गए। घटना की सूचना इलाकाई पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही इलाकाई पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटना के बारे में लोगों से पूछताछ करते हुए शव को कब्जे में लेकर विधिक कार्रवाई करते हुए पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना में मृतक के पुत्र सोनू भारतीया की तहरीर पर पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज किया है। मृतक के गले और मुंह पर धारदार हथियार से वार किए जाने के निशान साफ देखे जा रहे हैं। घटना के बाबत एक बातचीत में इंस्पेक्टर नैनी ब्रिज किशोर गौतम का कहना है, कि हत्या का कारण जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा। फिलहाल सुरक्षा व्यवस्था को देखते हुए गांव में पुलिस बल तैनात कर दिया गया है।

9 वां विशाल मां भगवती जागरण आज

स्वतंत्र प्रभात
ब्रेकिंग न्यूज़

नैनी, प्रयागराज। विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी नैनी क्षेत्र के स्टेशन रोड हनुमान नगर मोहल्ले में शनिवार की शाम को तकरीबन 7:30 बजे से 9वां विशाल मां भगवती जागरण का आयोजन रखा गया है। जिसके लिए पूरी तैयारी कर ली गई है।

यह जानकारी देते हुए कमेटी के अध्यक्ष राहुल जायसवाल पत्रकार ने क्षेत्र के सभी भक्तजनों से उक्त कार्यक्रम में पहुंचकर माता रानी का आशीर्वाद लेने की अपील की है।

गोरखपुर में रिलीज़ हुआ पॉवर स्टार पवन सिंह का धमाकेदार गाना 'टचबडी'

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। भोजपुरी संगीत जगत के सुपरस्टार पवन सिंह एक बार फिर अपने दमदार अंदाज में दर्शकों के बीच लौट आए हैं। इस बार वे अपनी आवाज़ और स्क्रीन प्रेजेंस के साथ पैन इंडिया फिल्म 'डकैतः एक प्रेम कथा'; का बहुप्रतीक्षित गाना 'टचबडी' लेकर आए हैं, जिसे आज गोरखपुर में रिलीज़ किया गया। रिलीज़ होते ही यह गाना सोशल मीडिया और म्यूजिक प्लेटफॉर्म्स पर धूम मचा रहा है। इस गाने की खास बात यह है कि इसमें पवन सिंह के साथ मशहूर गायिका जॉनिता गांधी की आवाज़ भी सुनाई दे रही है, जिसने ट्रैक को और भी आकर्षक बना दिया है। गाने को हिंदी और तेलुगु, दोनों भाषाओं में शूट और रिकॉर्ड किया गया है, जिससे इसकी पहुँच देशभर के दर्शकों तक और मजबूत हो गई है।

'टचबडी को लेकर पवन सिंह का उत्साह भी स्पष्ट नजर आता है।

इस गाने की एक और खासियत यह है कि इसमें पवन सिंह सिर्फ गायक के रूप में ही नहीं, बल्कि अपने ट्रेडमार्क स्वैग और परफॉर्मेंस के साथ भी दर्शकों को आकर्षित करते नजर आ रहे हैं। स्क्रीन पर अदिवी शेष, पवन सिंह और जॉनिता गांधी की तिकड़ी ने मिलकर ऐसी एनर्जी और डांस पेश किया है, जो इसे इस सीज़न का बड़ा डांस एंथम बना सकता है। गाने के बोल वायु श्रीवास्तव ने लिखे हैं, जबकि संगीत भीम्स सेसिरोलियो ने दिया है। पवन सिंह की दमदार आवाज़ और उनकी खास स्टाइल ने 'टचबडी' को एक अलग पहचान दी है, जो उनके फैंस को खूब पसंद आ रही है। पवन सिंह के चाहने वालों के लिए यह गाना इसलिए भी खास है, क्योंकि यह भोजपुरी स्टारडम को एक बड़े पैन इंडिया मंच पर और मजबूती से स्थापित करता है। इससे यह स्पष्ट होता है कि 'टचबडी' सिर्फ एक गाना नहीं, बल्कि एक बड़े सिनेमाई और सांस्कृतिक क्रॉसओवर का प्रतीक बनकर उभर रहा है।

नवाबगंज की साइबर पुलिस टीम द्वारा पाँच अलग साइबर फ्रॉड की सम्पूर्ण धनराशि (करीब 49,580/- रूपये) कराया गया वापस

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। गंगानगर-जोन के थाना नवाबगंज पुलिस टीम द्वारा थाना स्थानीय के एनसीआरपी पोर्टल पर दर्ज शिकायतों (शिकायत प्रार्थना पत्र संख्या- 1. 33103260063198
2. 33103260063300
3. 33103260063916
4. 33103260063979
5. 33103260064605) पर त्वरित कार्यवाही करते हुए आवेदक/आवेदिका के खाते से धोखाधड़ी से कटे हुए रुपयों को होल्ड कराया गया था, जिसको उनके खातों में कुल 49,580/- रूपये वापस कराया गया। उल्लेखनीय है कि ठगों द्वारा गर्भवती महिला या जहां हाल हीम में किसी बच्चे का जन्म हुआ हो उन परिवारों को निशाना बनाया जाता है तथा फोन कर खुद को सरकारी कर्मचारी या आंगनबपाड़ी कर्मचारी बताकर प्रसूति लाभ या आंगनबाड़ी सहायता राशि सरकारी खाते से भेजे जाने को बताकर पीड़ितो को अपने विश्वास में ले लिया जाता है । ठगों द्वारा पैसा ट्रांसफर करने का झांसा देकर पीड़ितों से उनके मोबाइल पर प्राप्त गोपनीय ओ.टी.पी (वन टाइम पासवर्ड) पूछ लिया जाता है तथा पीड़ितों के बैंक खाते से जमा राशि निकाल लिया जाता है।

1. (एनसीआरपी न0- 33103260063198) रेशमा पटेल पत्नी विजेन्द्र निवासी कंजिया महंग का पुरा, थाना नबावगंज कमिश्नरेट प्रयागराज की सम्पूर्ण फ्रॉड की राशि- 18040/- रुपये वापस करायी गयी।

2. (एनसीआरपी न0- 33103260063300) अशोक कुमार पुत्र सालिग्राम पटेल निवासी जगदीशपुर मसनी थाना नवाबगंज प्रयागराज की सम्पूर्ण फ्रॉड की राशि- 4100/- रुपये वापस करायी गयी।

3. (एनसीआरपी न0- 33103260063916) रोहित कुमार पुत्र भोलानाथ निवासी उल्दा महेशगंज थाना नवाबगंज कमिश्नरेट प्रयागराज की सम्पूर्ण फ्रॉड की राशि- 11190/- रुपये वापस करायी गयी।

4. (एनसीआरपी न0- 33103260063979) लवकुश कुमार मौर्या पुत्र रामसेवक मौर्या निवासी मेण्डारा थाना नबावगंज कमिश्नरेट प्रयागराज की सम्पूर्ण फ्रॉड की राशि- 4100/- रुपये वापस करायी गयी।

5. (एनसीआरपी न0- 33103260064605) नैला बानो पत्नी निशामुद्दीन निवासी हरैयापुर पन्नूपुर थाना नबावगंज कमिश्नरेट प्रयागराज की सम्पूर्ण फ्रॉड की राशि- 11550/- रुपये वापस करायी गयी।

थाना हण्डिया पुलिस टीम द्वारा 01 वांछित अभियुक्त गिरफ्तार।

थाना हण्डिया पर पंजीकृत मु0अ0सं0- 147/2026 धारा-69/351(3) भा0न्या0सं0 से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त राकेश पाल पुत्र आशाराम पाल निवासी ग्राम पोस्ट गोगांव थाना जिगना जनपद मिर्जापुर को थाना हण्डिया पुलिस टीम द्वारा आज दिनांक-03.04.2026 को थाना हण्डिया क्षेत्रान्तर्गत ग्राम वासुपुर स्थित शिव मंदिर के पास से गिरफ्तार कर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की गयी। उल्लेखनीय है कि गिरफ्तार अभियुक्त उपरोक्त द्वारा शादी का झांसा देकर पीड़िता के साथ दुष्कर्म किया गया तथा कही शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी दी गयी, जिसके सम्बंध में प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना हण्डिया पर मु0अ0सं0- 147/2026 उपरोक्त पंजीकृत किया गया था।

राकेश पाल पुत्र आशाराम पाल निवासी ग्राम पोस्ट गोगांव थाना जिगना जनपद मिर्जापुर, उम्र करीब 27 वर्ष।

थाना हण्डिया पुलिस टीम द्वारा 01 वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

गंगानगर-जोन के थाना हण्डिया पर पंजीकृत मु0अ0सं0-143/26 धारा-65(2)/352/351(2) भा0न्या0सं0 व 5(रू)/6 पॉक्सो एक्ट से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त सरफराज उर्फ फोटो पुत्र अख्तर अली निवासी ग्राम बेलहा सिंघामऊ थाना हण्डिया कमिश्नरेट प्रयागराज को थाना हण्डिया पुलिस टीम द्वारा आज दिनांक-03.04.2026 को थाना हण्डिया क्षेत्रान्तर्गत ग्राम जगुआ सोधा स्थित सरकारी नलकूप के पास से गिरफ्तार कर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की गयी। उल्लेखनीय है कि गिरफ्तार अभियुक्त उपरोक्त द्वारा पीड़िता के साथ दुष्कर्म किया गया तथा परिजनों द्वारा शिकायत करने पर गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी गयी, जिसके सम्बंध में प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना हण्डिया पर मु0 अ0 सं0-143/2026 उपरोक्त पंजीकृत किया गया था।

'हिमंत सबसे भ्रष्ट सीएम, मोदी-शाह के साथ मिलकर राज्य में चला रहे लैंड एटीएम- राहुल गांधी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा को भारत का ''सबसे भ्रष्ट मुख्यमंत्री'' बताते हुए गुरुवार को आरोप लगाया कि शर्मा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के साथ मिलकर राज्य में ''लैंड एटीएम'' चला रहे हैं और आम लोगों से जमीन छीनकर बड़े उद्योगपतियों को दे रहे हैं।

बोकाजान विधानसभा क्षेत्र में पार्टी उम्मीदवार रतन इंगती के समर्थन में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने यह भी कहा कि लोकप्रिय गायक जुबिन गर्ग असम और उसके लोगों के लिए खड़े थे और कांग्रेस पार्टी राज्य में सत्ता में आने के 100 दिनों के भीतर उनकी मौत के मामले में न्याय दिलाएगी।

राहुल गांधी ने कहा, ''भारत के सबसे भ्रष्ट मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा हैं और उनका परिवार भी भ्रष्टाचार के मामले में पहले नंबर पर है। कांग्रेस सरकार उनके खिलाफ कार्रवाई करेगी। अभी वह चाहे जितनी डींगें मार लें, उसके बाद वह पूरी तरह चुप हो जाएंगे।'' राहुल गांधी ने ने दावा किया कि असम में तीन बड़े कॉरपोरेट घरानों को कुल 98,400 बीघा जमीन सौंप दी गई है।उन्होंने कहा, ''यह जमीनें जनता से छीनी गई हैं। नरेंद्र मोदी, अमित शाह और हिमंत विश्व शर्मा ने असम में एक 'लैंड एटीएम' बना दिया है। वे लोगों से जमीन छीनते हैं और बड़े उद्योगपतियों को दे देते हैं।'' प्रसिद्ध संगीतकार जुबिन गर्ग का जिक्र करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि वह पूरे राज्य और उसके लोगों का प्रतिनिधित्व करते थे। गर्ग की पिछले साल सितंबर में सिंगापुर में डूबने से मौत हो गई थी।वह किसी एक व्यक्ति, एक समुदाय, एक भाषा या एक इतिहास के लिए नहीं खड़े थे। वह असम की बहुसांस्कृतिक और बहुधार्मिक परंपरा की भावना को दर्शाते थे। हम सत्ता में आएंगे तो 100 दिनों के भीतर न्याय दिलाएंगे और यह 100 प्रतिशत तय है। राहुल गांधी ने यह भी कहा कि कांग्रेस विकेंद्रीकरण में विश्वास करती है, जबकि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) असम को दिल्ली से चलाने की कोशिश कर रही है।

आगरा में बनने जा रहा एक और रेलवे ओवर ब्रिज, 59 करोड़ आएगा खर्च; कई गांवों के लोगों को मिलेगी फाटक पर जाम से मुक्ति

अछनेरा (आगरा)। आगरा जनपद में एक और रेलवे ओवरब्रिज बनने जा रहा है। ईदगाह-बांदीकुई रेल सेक्शन में अछनेरा में 59 करोड़ रुपये से रेल ओवरब्रिज (आरओबी) बनेगा। जिससे रेलवे फाटक बंद होने पर लगने वाले जाम की समस्या से एक लाख से अधिक लोगो को राहत मिलेगी। ग्रामीणों द्वारा यहां पर लंबे समय से आरओबी बनाने की मांग की जा रही थी। लोक निर्माण विभाग द्वारा अछनेरा-झुडावल रेलवे फाटक पर आरओबी का प्रस्ताव शासन को भेजा गया था। आरओबी के निर्माण में 59 करोड़ रुपये लागत आएगी। शासन ने प्रस्ताव को स्वीकृत करते हुए 16 करोड़ रुपये की धनराशि अवमुक्त कर दी है। जिससे आरओबी के शीघ्र निर्माण का रास्ता साफ हो गया है। आरओबी बनने से इलाके के एक लाख से अधिक लोगों को इसका लाभ मिलेगा। साथ ही रेलवे फाटक पर आए दिन लगने वाले जाम से भी लोगों को राहत मिलेगी। जाम से परेशान ग्रामीणों द्वारा लंबे समय से आरओबी बनाने की मांग जन प्रतिनिधियों से की जा रही थी। ग्रामीणों का आवागमन अधिक सुगम व सुरक्षित हो जाएगा। इस सड़क से बड़ी संख्या में लोग जयपुर और करौली भी जाते हैं।

ठेला-खोमचा और फास्ट-फूड विक्रेता को तुरंत मिलेगा एफटीएल गैस कनेक्शन, दूर होगी सिलिंडर की समस्या

आजमगढ़। जनपद में कामर्शियल गैस सिलिंडर की कमी से जूझ रहे छोटे कारोबारियों के लिए राहत भरी खबर है। अब ठेला-खोमचा, फास्ट-फूड विक्रेता और छोटे व्यवसाय संचालकों को एफटीएल (फ्री ट्रेड एलपीजी) के तहत पांच किलो का छोटा गैस सिलिंडर कनेक्शन उपलब्ध कराया जाएगा। कामर्शियल सिलिंडर की उपलब्धता न होने के कारण कई छोटे दुकानदारों के सामने रोजगार का संकट खड़ा हो गया था। कई ठेला संचालक और फास्ट-फूड विक्रेता अपनी दुकानें बंद करने की कगार पर पहुंच गए थे, वहीं कुछ रेस्टोरेंट और ढाबों पर बंदी के नोटिस तक लग चुके थे। इस समस्या को देखते हुए गैस एजेंसियों ने एफटीएल गैस कनेक्शन देने की प्रक्रिया को सरल बना दिया है। अब इच्छुक विक्रेताओं को केवल आधार कार्ड, पहचान पत्र और अपने व्यवसाय से जुड़ी सामान्य जानकारी देनी होगी। आवेदन के बाद कम समय में उन्हें गैस कनेक्शन उपलब्ध करा दिया जाएगा। हालांकि, कनेक्शन के लिए निर्धारित सुरक्षा राशि जमा करनी होगी। केटी गैस एजेंसी के मालिक देवेंद्र कुमार पांडेय ने बताया कि इस योजना के तहत छोटे दुकानदारों के साथ-साथ शहर में रहकर पढ़ाई करने वाले छात्र-छात्राओं को भी एफटीएल गैस कनेक्शन दिया जाएगा। इसके लिए आवेदकों को सिर्फ आधार कार्ड साथ लाना होगा।

सेक्स के बाद ब्लैकमेलः इलाहाबाद हाई कोर्ट ने पुलिस को हनीट्रैप गैंग पर नकेल कसने का आदेश दिया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने उत्तर प्रदेश पुलिस को उन गैंग के खिलाफ कार्रवाई करने का निर्देश दिया, जिन पर आरोप है कि वे पुरुषों को हनीट्रैप में फंसाकर उनसे पैसे ऐंठने के लिए महिलाओं का इस्तेमाल करते हैं [फौजिया और अन्य बनाम उत्तर प्रदेश राज्य और अन्य]। जस्टिस जे.जे. मुनीर और जस्टिस तरुण सक्सेना की एक डिवीज़न बेंच ने कहा कि ऐसे मामले समाज में बहुत ही खतरनाक हालात को उजागर करते हैं। कोर्ट ने कहा,'यह बहुत ही गंभीर मामला है,' और उस याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया, जिसमें एक व्यक्ति द्वारा हनीट्रैप का आरोप लगाए जाने के बाद, कुछ पुलिसकर्मियों सहित पांच लोगों के खिलाफ दर्ज जबरन वसूली के मामले को रद्द करने की मांग की गई थी।

कोर्ट ने कहा कि इस मामले में मेरठ ज़ोन के इंस्पेक्टर जनरल ऑफ़ पुलिस द्वारा गहन जांच की ज़रूरत है। कोर्ट ने आगे कहा कि ज़िलों के पुलिस प्रमुखों को सतर्क किया जाना चाहिए ताकि वे अपने इलाकों में सक्रिय ऐसे गैंग के बारे में जागरूक रहें। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा, 'उन्हें ज़ोन के सभी ज़िला पुलिस प्रमुखों को सख्त निगरानी रखने के लिए सतर्क करना चाहिए; अगर इस तरह का कोई गैंग सक्रिय है, या कोई अन्य गैंग भी सक्रिय है, जो महिलाओं का इस्तेमाल करके हनीट्रैप में फंसाकर या किसी अन्य तरीके से निर्दोष लोगों को ब्लैकमेल कर रहा है, और वही नतीजे दे रहा है। अगर इस तरह के अपराधों को जारी रहने दिया गया, तो एक सभ्य दुनिया में रहना मुश्किल हो जाएगा। बिजनौर पुलिस द्वारा दर्ज किए गए मामले में, शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि बिजनौर के एक होटल में एक महिला के साथ शारीरिक संबंध बनाने के बाद, आरोपियों ने उसे ब्लैकमेल किया। पुलिस के मामले के अनुसार, महिला ने कुछ वीडियो क्लिप रिकॉर्ड कर लिए थे। उसने बताया कि आरोपियों ने मामला रफा-दफा करने के लिए 8 से 10 लाख रुपये की मांग की थी। हालांकि, शिकायतकर्ता ने इस मामले की सूचना पुलिस को दी, जिसके बाद एक प्रथम सूचना रिपोर्ट (FIR) दर्ज की गई।इसके बाद आरोपियों ने FIR रद्द करवाने के लिए कोर्ट का दरवाज़ा खटखटाया। लेकिन, कोर्ट ने इस मामले को गंभीर बताते हुए याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया। इसके बाद याचिकाकर्ताओं के वकील ने याचिका वापस ले ली। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा, 'इस याचिका को वापस लिए जाने के आधार पर खारिज किया जाता है, लेकिन उन निर्देशों के साथ, जो हमने ऊपर दिए हैं। 'कोर्ट ने निर्देश दिया कि इस आदेश की जानकारी डायरेक्टर जनरल ऑफ़ पुलिस, मेरठ ज़ोन के इंस्पेक्टर जनरल ऑफ़ Police और उत्तर प्रदेश सरकार, लखनऊ के अतिरिक्त मुख्य सचिव (गृह) को दी जाए।

संक्षिप्त खबरें

इचाक में आवारा कुत्तों का आतंक, चार बकरियों को बनाया शिकार, ग्रामीणों में आक्रोश

इचाकहजारीबाग, झारखंडः- प्रखंड क्षेत्र के ग्राम बरका खुर्द में आवारा कुत्तों का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। ताजा घटना में गांव निवासी प्रदीप कुमार मेहता एवं दिलीप कुमार मेहता (दोनों के पिता भुवनेश्वर महतो) की कुल चार बकरियों को आवारा कुत्तों ने हमला कर मार डाला। इस घटना के बाद दोनों परिवारों में शोक के साथ-साथ आक्रोश का माहौल व्याप्त है। पीड़ित परिवारों ने बताया कि बकरियां ही उनकी आजीविका का प्रमुख साधन थीं। इस घटना से उन्हें गंभीर आर्थिक क्षति का सामना करना पड़ा है। अचानक हुए इस नुकसान ने परिवार की आर्थिक स्थिति को झकझोर कर रख दिया है। ग्रामीणों का कहना है कि गांव में आवारा कुत्तों की संख्या लगातार बढ़ रही है, जिससे इस प्रकार की घटनाएं आए दिन हो रही हैं। बावजूद इसके, अब तक प्रशासन द्वारा इस दिशा में कोई ठोस पहल नहीं की गई है। इस संबंध में निवर्तमान सांसद प्रतिनिधि ओम प्रकाश मेहता ने प्रशासन से शीघ्र हस्तक्षेप करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि आवारा कुत्तों पर नियंत्रण के लिए प्रभावी कदम उठाए जाने आवश्यक हैं, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकी जा सके और ग्रामीणों को राहत मिल सके।

हनुमान जयंती पर नारायणपुर में भक्ति जागरण का हुआ आयोजन, भजनों से गुंजायमान हुआ शिव मंदिर प्रांगण

नारायणपुर, जामताड़ा, झारखंडः- हनुमान जयंती के पावन अवसर पर नारायणपुर बाजार स्थित शिव मंदिर प्रांगण में गुरुवार रात्रि धार्मिक अनुष्ठान एवं भक्ति जागरण का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत विधिवत पूजन एवं हवन के साथ हुई, जिसके उपरांत रात्रि में भक्ति जागरण का आयोजन किया गया। भक्ति जागरण के दौरान स्थानीय कलाकार अरुण पंडित ने अपने मधुर स्वर में एक से बढ़कर एक भक्ति गीत प्रस्तुत कर श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। उनके द्वारा प्रस्तुत 'किसने सजाया मैया का द्वार ', 'गजानन आ जाओ ', 'शेर पर सवार होकर आई शेरावालिए' तथा 'भोले भंडारी बनके ब्रिज के नारी गोकुल में आई' जैसे भजनों ने पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया। कार्यक्रम के दौरान मंदिर प्रांगण में उपस्थित श्रद्धालु देर रात तक भक्ति रस में डूबे रहे। इस अवसर पर बड़ी संख्या में स्थानीय लोग उपस्थित थे, जिन्होंने श्रद्धा और उत्साह के साथ आयोजन में भाग लिया।

नारायणपुर में फाइलेरिया मरीजों के बीच स्वास्थ्य किट का हुआ वितरण, जागरूकता पर दिया गया जोर

नारायणपुर, जामताड़ा, झारखंडः- राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम के तहत शुक्रवार को नारायणपुर प्रखंड के आंगनबाड़ी केंद्र बुधुडीह में विशेष शिविर का आयोजन कर फाइलेरिया से पीड़ित 26 मरीजों के बीच स्वास्थ्य किट का वितरण किया गया। इस पहल का उद्देश्य मरीजों को आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराने के साथ-साथ रोग के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। वितरित किट में प्लास्टिक मग, टब, तौलिया, साबुन, क्रीम, हैंड ग्लव्स, चप्पल सहित अन्य आवश्यक सामग्री शामिल थी। स्वास्थ्यकर्मियों द्वारा उपस्थित मरीजों को फाइलेरिया से बचाव, स्वच्छता बनाए रखने तथा किट के समुचित उपयोग की विधि की विस्तृत जानकारी दी गई। इस अवसर पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के महेश कुमार सिंह, प्रफुल्ल कुमार रवानी, एएनएम सहित अन्य स्वास्थ्यकर्मी उपस्थित रहे। उन्होंने बताया कि समय पर जागरूकता और नियमित देखभाल से इस बीमारी पर नियंत्रण पाया जा सकता है। साथ ही किसी भी प्रकार की स्वास्थ्य संबंधी समस्या होने पर नजदीकी अस्पताल से संपर्क करने की अपील की गई।

सेवानिवृत्त बीएसएफ जवान छत्रधारी राणा का हुआ भव्य स्वागत, देश सेवा के योगदान को किया गया नमन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

इचाक, हजारीबाग, झारखंडः- प्रखंड के करियातपुर गांव निवासी सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के हेड कांस्टेबल छत्रधारी राणा के सेवानिवृत्ति के बाद शुक्रवार को घर पहुंचने पर उनका भव्य स्वागत किया गया। गांव और आसपास के क्षेत्रों में जगह-जगह लोगों ने उनका अभिनंदन करते हुए देश सेवा के प्रति उनके समर्पण को सम्मानित किया। चंदा चौक पर आयोजित स्वागत कार्यक्रम में वरिष्ठ नेता बटेश्वर मेहता, मुखिया मोदी कुमार, पूर्व सैनिक वेलफेयर ट्रस्ट के प्रदेश अध्यक्ष अरविंद ओझा, युवा नेता गौतम कुमार सहित कई गणमान्य लोगों ने श्री राणा को माला पहनाकर स्वागत किया। इस दौरान वक्ताओं ने उनके स्वस्थ एवं दीर्घायु जीवन की कामना करते हुए देश सेवा में उनके योगदान की सराहना की। वरिष्ठ नेता बटेश्वर मेहता ने कहा कि देशवासी उन सैनिकों के ऋणी हैं, जो सीमाओं पर तैनात रहकर राष्ट्र की सुरक्षा सुनिश्चित करते हैं, जिससे आम नागरिक सुरक्षित जीवन व्यतीत कर पाते हैं।

वहीं, पूर्व सैनिक वेलफेयर ट्रस्ट के प्रदेश अध्यक्ष अरविंद ओझा ने कहा कि जो सैनिक देश सेवा कर सकुशल लौटते हैं, वे भाग्यशाली होते हैं और जो शहीद हो जाते हैं, वे सौभाग्यशाली कहलाते हैं। स्वागत के उपरांत छत्रधारी राणा एवं उनकी पत्नी ललिता देवी को ओपन जीप में बैठाकर करियातपुर गांव का भ्रमण कराया गया। इस दौरान उन पर पुष्प वर्षा की गई और ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक उनका अभिनंदन किया। गौरतलब है कि छत्रधारी राणा की नियुक्ति बीएसएफ में वर्ष 1986 में हुई थी। अपने लंबे सेवाकाल के दौरान उन्होंने राजस्थान, जम्मू-कश्मीर, मणिपुर, अरुणाचल प्रदेश, पंजाब, उत्तराखंड, त्रिपुरा और पश्चिम बंगाल सहित कई सीमावर्ती क्षेत्रों में अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन किया। वे 31 मार्च 2026 को सेवानिवृत्त हुए।

परिवार की देश सेवा की परंपरा को आगे बढ़ाते हुए उनके ज्येष्ठ पुत्र सुरेन्द्र राणा भी बीएसएफ में अपनी सेवाएं दे रहे हैं, जबकि परिवार के अन्य सदस्य भी विभिन्न रूपों में राष्ट्र सेवा से जुड़े हैं। इस अवसर पर छत्रधारी राणा ने कहा कि उन्हें सेना में रहकर भारत माता की सेवा करने का अवसर मिला, जो उनके लिए गर्व की बात है। उन्होंने अग्निवीर योजना पर अपने विचार रखते हुए कहा कि एक सैनिक को पूर्ण रूप से प्रशिक्षित होने में वर्षों का अनुभव लगता है और अल्पकालीन प्रशिक्षण से यह संभव नहीं हो पाता। कार्यक्रम में पूर्व सैनिक वेलफेयर ट्रस्ट के जिला अध्यक्ष मनोज गोप, रितेश सिंह, अजीत सिंह, छोटेलाल राणा, बब्बन राणा, उदय राणा, मिथलेश कुमार मेहता, योगेंद्र राणा, धर्मेंद्र राणा, शिबू राणा, उपेंद्र राणा, पूनम राणा, सुनीता राणा, पुष्पा सहित दर्जनों लोग उपस्थित रहे।

बन्नोग्राम प्रीमियर लीग के फाइनल में पहुंचे महेशपुर विधायक स्टीफन मरांडी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पाकुड़िया, पाकुड़, झारखंडः- बन्नोग्राम गाँव के तत्वावधान में 2 अप्रैल को आयोजित चार दिवसीय बन्नोग्राम प्रीमियर लीग सीजन 19-2026 क्रिकेट टूर्नामेंट के फाइनल मैच में ब्रदर्स 11 टीम ने बाजी मार ली। विजेता टीम के सदस्यों को मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे महेशपुर विधायक स्टीफन मरांडी द्वारा विजेता ट्रॉफी एवं नगद राशि देकर सम्मानित किया गया तथा खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया गया। बीते गुरुवार को पाकुड़िया प्रखंड के बन्नोग्राम गांव में खेले जा रहे बीपीएल सीजन 19-2026 क्रिकेट टूर्नामेंट का फाइनल मैच खेला गया। टूर्नामेंट में कुल आठ टीमों ने भाग लिया। फाइनल मुकाबले में महेशपुर विधायक स्टीफन मरांडी एवं उपासना मरांडी ने दोनों टीमों के खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त करने के बाद ब्रदर्स 11 और टाइगर 11 के बीच टॉस कराया तथा उपासना मरांडी ने बल्ले से गेंद खेलकर मैच का शुभारंभ किया। मैच काफी रोमांचक रहा, जिसमें ब्रदर्स 11 ने टाइगर 11 को पराजित कर विजेता ट्रॉफी अपने नाम की।

विधायक स्टीफन मरांडी ने विजेता टीम के खिलाड़ियों को ट्रॉफी एवं नगद राशि प्रदान की, जबकि उपविजेता टीम को उपासना मरांडी ने ट्रॉफी एवं नगद देकर सम्मानित किया। फाइनल मैच के दौरान उपस्थित खेल प्रेमियों को संबोधित करते हुए स्टीफन मरांडी ने कहा कि इस प्रकार के टूर्नामेंट का आयोजन क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण है और ऐसे आयोजन प्रतिवर्ष होने चाहिए, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में छिपी खेल प्रतिभाओं को उभरने का अवसर मिल सके। उपासना मरांडी ने बताया कि निकट भविष्य में पाकुड़िया प्रखंड में एक उच्चस्तरीय स्टेडियम का निर्माण किया जाएगा, जिससे खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं मिल सकेंगी और वे राज्य व देश स्तर पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर सकेंगे। इस दिशा में राज्य सरकार द्वारा भी कार्य किया जा रहा है। कार्यक्रम में थाना प्रभारी मनोज कुमार महती, विश्वजीत दास, सुरज रबिदास, सहिस सहित अन्य कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में खेल प्रेमी उपस्थित रहे।

हजारीबाग में 'उलगुलान रैली' से फूटा जनाक्रोश, नशा नियंत्रण और महिला सुरक्षा पर कड़े कदम की मांग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हजारीबाग, झारखंडः- रामनवमी के पावन अवसर पर हजारीबाग में हुई हृदयविदारक घटना, जिसमें छह निर्दोष लोगों की असमय मृत्यु हो गई, तथा विष्णुगढ़ में अंधविश्वास के नाम पर एक मासूम बच्ची की निर्मम हत्या ने पूरे जिले को झकझोर कर रख दिया है। इन घटनाओं के पीछे नशे जैसी घातक प्रवृत्ति को प्रमुख कारण मानते हुए समाज के विभिन्न वर्गों में गहरा आक्रोश देखा जा रहा है। इसी जनभावना को स्वर देने के उद्देश्य से सामाजिक संगठन हेल्पिंग इंडिया ट्रस्ट के नेतृत्व में 2 अप्रैल 2026 को एक विशाल 'उलगुलान रैली' का आयोजन किया गया। रैली में जिले की कई प्रतिष्ठित संस्थाओं, सामाजिक संगठनों और सैकड़ों नागरिकों ने एकजुट होकर भाग लिया तथा प्रशासनिक व्यवस्था के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया।

रैली का नेतृत्व हेल्पिंग इंडिया ट्रस्ट के संस्थापक सह अध्यक्ष शाहिद हुसैन ने किया। इस दौरान अखिलेश कुमार पांडेय, राहुल कुमार, रवि विश्वकर्मा, तजम्मुल हुसैन, तनवीर आलम उर्फ तन्नू, मो. सहजाद, मो. इमरान, प्रिंस खान, जावेद अख्तर, मो. शाहबाज़, मो. शहनवाज़, मो. इक़बाल, मो. राजा, मो. विक्की, मो. असलम, राजन, मो. कौसर, मो. छोटू सहित कई सामाजिक कार्यकर्ता एवं संगठन के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। रैली में शामिल संगठनों ने एक स्वर में कहा कि यह घटनाएं केवल दुर्घटना या प्रशासनिक लापरवाही का परिणाम नहीं, बल्कि समाज में व्याप्त बुराइयों की विफलता का स्पष्ट उदाहरण हैं। नशे का बढ़ता कारोबार जहां युवाओं के भविष्य को प्रभावित कर रहा है, वहीं महिलाओं की सुरक्षा को लेकर स्थिति लगातार चिंताजनक होती जा रही है। रैली के माध्यम से प्रशासन एवं सरकार के समक्ष कई प्रमुख मांगें रखी गई। इनमें जिले में सक्रिय नशा कारोबारियों पर तत्काल कठोर कार्रवाई, महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी कानूनों का सख्ती से पालन, तथा रामनवमी की घटना की निष्पक्ष और पारदर्शी जांच कर दोषियों को कड़ी सजा देने की मांग शामिल है। संगठनों ने सांसदों एवं विधायकों से भी अपील की कि वे इस गंभीर मुद्दे को सदन में उठाकर जनहित में ठोस कानून बनाने की दिशा में पहल करें। रैली के अंत में प्रतिभागियों ने चेतावनी दी कि यदि जनप्रतिनिधि जनता की भावनाओं की अनदेखी करते हैं, तो भविष्य में जनता स्वयं जवाब मांगने के लिए बाध्य होगी।

जाखलौन के लाल ने रचा इतिहास

●शुभम सिंघई बने कमर्शियल पायलट, उड़ाएंगे ए320 विमान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ललितपुर। जाखलौन कस्बे के होनहार शुभम सिंघई ने अपनी कड़ी मेहनत, लगन और दृढ़ संकल्प के बल पर कमर्शियल पायलट बनकर न केवल अपने परिवार बल्कि पूरे जिले का नाम रोशन किया है। उनकी इस उल्लेखनीय उपलब्धि से क्षेत्र में खुशी और गर्व का माहौल है। शुभम सिंघई ने विमानन क्षेत्र की प्रतिष्ठित संस्था डीजीसीए की सभी आवश्यक परीक्षाएं सफलतापूर्वक उत्तीर्ण कीं। इसके साथ ही उन्होंने नेशनल फ्लाइंग ट्रेनिंग एकेडमी से अपनी फ्लाइंग ट्रेनिंग पूरी की और सीएई ऑक्सफोर्ड से एयरबस ए320 विमान की टाइप रेटिंग हासिल कर महत्वपूर्ण उपलब्धि दर्ज की। अब वह देश की प्रमुख एयरलाइन इंडिगो में फर्स्ट ऑफिसर के पद पर नियुक्त होकर ए320 जैसे आधुनिक विमान का संचालन करेंगे। शुभम, स्व.विरधी चंद्र सिंघई के भतीजे एवं सुनील कुमार सिंघई के सुपुत्र हैं। उनकी इस सफलता में आध्यात्मिक गुरुओं आचार्य विद्यासागरजी महाराज एवं सुधासागर महाराज जी का विशेष आशीर्वाद रहा। शुभम ने अपनी इस उपलब्धि का श्रेय अपने परिवार, विशेष रूप से चाचा प्रवीण सिंघई और अपनी पत्नी के सहयोग को दिया है। शुभम की प्रारंभिक शिक्षा जाखलौन स्थित सेठ श्रीशिव प्रसाद जैन शिशु मंदिर से हुई। इसके बाद उन्होंने जयपुर एवं ललितपुर के एसडीएस कॉन्वेंट स्कूल से अपनी आगे की पढ़ाई पूरी की। उच्च शिक्षा के लिए उन्होंने सागर केन्द्रीय विश्वविद्यालय से क्रिमिनोलॉजी एवं फॉरेंसिक साइंस में स्नातक की डिग्री हासिल की। अपनी सफलता पर शुभम सिंघई ने कहा कि वह भविष्य में जिले के युवाओं को एविएशन क्षेत्र में करियर बनाने के लिए मार्गदर्शन और सहयोग प्रदान करना चाहते हैं। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहें और सही दिशा में निरंतर प्रयास करें। शुभम सिंघई की इस उपलब्धि ने न केवल उनके परिवार और समाज को गौरवान्वित किया है, बल्कि पूरे ललितपुर जिले के लिए यह प्रेरणा का स्रोत बन गई है।

आकाशीय बिजली का कहर

15 वर्षीय किशोर की दर्दनाक मौत, परिवार में मचा कोहराम

ललितपुर। जनपद में गुरुवार देर रात आए तेज आंधी-तूफान और बारिश के बीच आकाशीय बिजली गिरने से एक 15 वर्षीय किशोर की दर्दनाक मौत हो गई। यह हृदय विदारक घटना बार थाना क्षेत्र के ग्राम जरावली की है, जहां पूरा परिवार इस हादसे के बाद गहरे सदमे में है। मृतक की पहचान प्रसन्न के पुत्र अभिराज के रूप में हुई है, जो अपने परिवार के साथ खेत पर बने मकान में रह रहा था। गुरुवार रात करीब डेढ़ बजे अचानक मौसम खराब हो गया और तेज आंधी के साथ बारिश शुरू हो गई। इसी दौरान अभिराज अपने पिता और दो बहनों के साथ घर के बाहर रखा सामान समेटने के लिए निकला था। बताया जा रहा है कि इसी बीच अचानक आकाशीय बिजली गिर गई, जिसकी चपेट में आने से अभिराज गंभीर रूप से झुलस गया। हादसे के बाद परिजन तुरंत उसे उपचार के लिए मेडिकल कॉलेज लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों ने शव का पोस्टमार्टम कराने से इनकार कर दिया और बिना पोस्टमार्टम कराए शव को गांव ले आए। शुक्रवार सुबह परिजनों ने गमगीन माहौल में अभिराज का अंतिम संस्कार कर दिया।

हनुमान जन्मोत्सव पर ललितपुर में उमड़ा आस्था का सैलाब

●भव्य शोभायात्रा में जगह-जगह हुआ स्वागत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ललितपुर। भक्त वत्सल भगवान श्री हनुमानजी महाराज के जन्मोत्सव के अवसर पर जनपद में श्रद्धा और भक्ति का अनूठा संगम देखने को मिला। नगर में निकली विशालकाय शोभायात्रा में हजारों श्रद्धालुओं की सहभागिता रही, जिससे पूरे शहर का माहौल भक्तिमय हो गया। जय श्री राम और जय बजरंगबली के जयकारों से वातावरण गुंजायमान हो उठा। शोभायात्रा नगर के विभिन्न मार्गों से होकर गुजरी, जहां जगह-जगह श्रद्धालुओं और सामाजिक संगठनों द्वारा भव्य स्वागत किया गया। जगह-जगह फूल वर्षा, जलपान एवं प्रसाद वितरण की व्यवस्था की गई, जिससे श्रद्धालुओं में खासा उत्साह देखने को मिला। इसी क्रम में महावीरपुरा क्षेत्र में भारतीय जनता पार्टी की नवनियुक्त जिला मंत्री श्रीमती सोनाली बबेले के नेतृत्व में श्रद्धालुओं को चने का प्रसाद वितरित किया गया। इस अवसर पर काव्या सिंह सिसोदिया, रुचिका बुंदेला, लक्ष्मी रावत, अनुपमा जैन, अनीता गोस्वामी सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे। वहीं तलैयापुरा क्षेत्र में प्रेस क्लब (पंजी.) के अध्यक्ष राजीव बबेले 'सप्पू' के नेतृत्व में शोभायात्रा में शामिल श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरण किया गया। इस दौरान स्थानीय लोगों ने बढ़-चढ़कर भागीदारी निभाई और सेवा भाव का परिचय दिया। शोभायात्रा में विभिन्न झांकियां आकर्षण का केन्द्र रहीं, जिनमें भगवान श्रीराम, माता सीता, लक्ष्मण एवं हनुमानजी के जीवन प्रसंगों का सजीव चित्रण किया गया। बच्चों और युवाओं ने भी बढ़-चढ़कर भाग लिया। हनुमान जन्मोत्सव के इस भव्य आयोजन ने नगर में धार्मिक उत्साह और सामाजिक एकता का संदेश दिया। आयोजन को सफल बनाने में प्रशासन, सामाजिक संगठनों और श्रद्धालुओं का सराहनीय योगदान रहा।

हनुमान जन्मोत्सव की भव्य शोभायात्रा में वरिष्ठ पत्रकार दिनेश संज्ञा सम्मानित

ललितपुर। हनुमान जन्मोत्सव के पावन अवसर पर नगर में निकली भव्य शोभायात्रा में आस्था, भक्ति और सामाजिक समरसता का अद्भुत संगम देखने को मिला। इस अवसर पर साहू समाज द्वारा उत्तर प्रदेश शासन से मान्यता प्राप्त वरिष्ठ पत्रकार दिनेश संज्ञा को उनकी धार्मिक सक्रियता एवं उत्कृष्ट समाजसेवा के लिए सम्मान पत्र देकर सम्मानित किया गया। शोभायात्रा में नगर के विभिन्न मार्गों से गुजरते हुए श्रद्धालुओं का उत्साह देखते ही बन रहा था। जगह-जगह स्वागत मंच लगाए गए थे, जहां पुष्प वर्षा कर शोभायात्रा का अभिनंदन किया गया। इसी क्रम में साहू समाज के श्रेष्ठीजनों ने वरिष्ठ पत्रकार दिनेश संज्ञा को मंच पर आमंत्रित कर अंगवस्त्र व सम्मान पत्र भेंट कर उनका अभिनंदन किया। समाज के प्रतिनिधियों ने कहा कि दिनेश संज्ञा लंबे समय से पत्रकारिता के माध्यम से सामाजिक, धार्मिक एवं जनहित के मुद्दों को प्रमुखता से उठाते रहे हैं। उनकी निष्पक्ष पत्रकारिता और समाजसेवा के प्रति समर्पण प्रेरणादायक है, जिससे समाज को सकारात्मक दिशा मिलती है।

देवघर में राष्ट्रीय जूनियर सॉफ्टबॉल क्रिकेट प्रतियोगिता का रोमांच जारी

●गर्ल्स मुकाबलों में बिहार का दबदबा, झारखंड बॉयज़ टीम फाइनल में

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

झारखंड - 10वीं राष्ट्रीय जूनियर सॉफ्टबॉल क्रिकेट प्रतियोगिता - स्व0 वेदानंद सिंह / स्व0 इंदु देवी स्मृति के दूसरे दिन प्रतियोगिता का माहौल रोमांच, प्रतिस्पर्धा और खेल भावना से सराबोर रहा। विशेष रूप से गर्ल्स वर्ग के मुकाबलों ने दर्शकों को पूरे दिन बांधे रखा, जहां विभिन्न राज्यों की टीमों ने उत्कृष्ट खेल कौशल का परिचय दिया। दिन के पहले मुकाबले में मध्य प्रदेश की गर्ल्स टीम ने उत्तर प्रदेश को पराजित कर अपने अभियान की सशक्त शुरुआत की। इसके बाद बिहार की टीम ने मध्य प्रदेश को हराकर अपनी दावेदारी को मजबूती प्रदान की। तीसरे मुकाबले में मध्य प्रदेश ने झारखंड को मात दी, जबकि अगले मैच में बिहार ने झारखंड को हराते हुए जीत का सिलसिला जारी रखा। प्रतियोगिता के महत्वपूर्ण मुकाबलों में बिहार ने उत्तर प्रदेश को पराजित कर अपनी स्थिति और मजबूत कर ली। वहीं दिन के अंतिम मैच में उत्तर प्रदेश ने झारखंड को हराकर सम्मानजनक जीत दर्ज की। पूरे दिन चले इन मुकाबलों में खिलाड़ियों का उत्साह, अनुशासन और खेल भावना दर्शनीय रही।

दूसरी ओर, झारखंड अंडर-19 बॉयज़ टीम ने अपने शानदार प्रदर्शन को बरकरार रखते हुए फाइनल में प्रवेश सुनिश्चित कर लिया है। गर्ल्स वर्ग में बिहार और उत्तर प्रदेश की टीमों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है। प्रतियोगिता का सफल संचालन देवघर जिला सॉफ्टबॉल क्रिकेट संघ के अध्यक्ष आदर्श लक्ष्य की देखरेख में हुआ। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि यह प्रतियोगिता युवा खिलाड़ियों के लिए अपनी प्रतिभा को निखारने और राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाने का सशक्त मंच है। उन्होंने सभी प्रतिभागी टीमों के अनुशासन और खेल भावना की सराहना करते हुए आगामी मुकाबलों के लिए शुभकामनाएं दीं। साथ ही जानकारी दी कि प्रतियोगिता का फाइनल मैच कल खेला जाएगा, जिसके उपरांत खिलाड़ियों को सम्मानित किया जाएगा। कार्यक्रम में भारतीय सॉफ्टबॉल क्रिकेट फेडरेशन के महासचिव साबिर खान एवं पर्यवेक्षक अनिल लहरी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। वहीं मंच संचालन एवं कार्यक्रम की रूपरेखा झारखंड राज्य सॉफ्टबॉल क्रिकेट संघ के महासचिव संजीव कुमार झा द्वारा सफलतापूर्वक संपन्न कराई गई। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की राष्ट्रीय प्रतियोगिताएं राज्य में खेल प्रतिभाओं को उभारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं और झारखंड को खेल के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में सहायक सिद्ध होंगी। प्रतियोगिता के आगामी मुकाबलों को लेकर खिलाड़ियों एवं खेल प्रेमियों में भारी उत्साह बना हुआ है।

श्रीहनुमान जन्मोत्सव पर नगर में निकाली गई भव्य शोभायात्रा

स्वर्णकार भारती सेवा संस्थान ने श्रद्धालुओं को लस्सी प्रसाद किया वितरण

ललितपुर। स्वर्णकार भारती सेवा संस्थान द्वारा विगत वर्ष की भांति इस वर्ष की हनुमान जन्मोत्सव पर श्रीश्री 1008 श्री मुरलीधर मंदिर रावरपुरा पर शोभायात्रा में शामिल श्रद्धालुओं को लस्सी प्रसाद वितरण किया गया। शोभायात्रा की शुरुआत में सर्वप्रथम स्वर्णकार बंधुओ ने हनुमान जी महाराज की विधिवत पूजा अर्चना की। उसके पश्चात शोभायात्रा दौरान रथों पर सवार भगवान राम सीता लक्ष्मणजी की आरती की। शोभायात्रा में चल रहे श्रद्धालुओं को ठंडी-ठंडी लस्सी का वितरण किया। इस दौरान मथुरा प्रसाद सोनी, नवल किशोर सोनी, देवेंद्र कौशल, अजय सोनी, सुशील जडिया, मुरारी सोनी, महेश सोनी, वीरेंद्र सोनी, कृष्णकांत सोनी, पंकज सोनी, राजेश सोनी, पुरुषोत्तम सोनी, बृजेश सोनी, दीपक सोनी, कमलकांत सोनी, रामकिशोर सोनी, रामबाबू सोनी, अंकित सोनी, गुडडे सोनी, अभिषेक सोनी, राकेश सोनी, राधाबल्लभ सोनी, मुकेश सोनी, आशुतोष सोनी, देवेश सोनी, अभिषेक सोनी, दर्शराज सोनी, अभी सोनी आदि सभी मौजूद रहे।

भगवान् श्रीकृष्ण के स्मरण मात्र से जीवन में सुमंगल की होती है वृद्धि- आचार्य देवव्रत

●शिवबोझ में कथा विश्राम पर सुदामा कृष्ण मैत्री प्रसंग पर भावविभोर हुए श्रद्धालु

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज, प्रतापगढ़। लक्ष्मणपुर क्षेत्र के शिवबोझ गांव में चल रही श्रीमद्भागवत कथा के विश्राम दिवस पर आचार्य देवव्रत महाराज द्वारा सुदामा चरित्र, राजा परीक्षित मोक्ष कथा और श्रीमद्भागवत महात्म्य की सजीव चित्रण ने लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। उन्होंने सुदामा-कृष्ण की अटूट मित्रता और भगवान की कृपा का मार्मिक वर्णन करते हुए कहा कि भगवान श्रीकृष्ण ने इस अवतार में समता का संदेश दिया। उन्होने सुदामा की गरीबी भगवान कृष्ण के पास जाना, द्वारपालों द्वारा रोकना, कृष्ण द्वारा सुदामा का भव्य स्वागत और मित्रता की मिसाल, तक्षक नाग द्वारा परीक्षित को डसना और सुखदेव जी द्वारा परीक्षित को मोक्ष प्राप्ति की कथा का वर्णन किया। उन्होने कहा कि श्रीमदभागवत कथा से हमें यह सीख मिलती है कि भक्ति की परिपूर्णता में जीवन में प्राणी को मृत्यु का भय खत्म हो जाता है। उन्होने कहा कि भगवान के प्रति समर्पण से मनुष्य भव बन्धन से मुक्त हो जाता है। कथा विश्राम दिवस पर मुख्य यजमान राजेन्द्र तिवारी व शान्ती देवी ने कथाव्यास को रोली चन्दन लगाकर अभिषेक किया। इस मौके पर चेयरपर्सन प्रतिनिधि संतोष द्विवेदी, रामराज पाण्डे, बड़ेलाल शुक्ल, सुरेश मिश्र मदन, श्यामजी जायसवाल, उमेश पाण्डे, प्रमोद मिश्र, राजेश मिश्र रज्जन, मनीष तिवारी, राज कुमार शुक्ल, राजीव शुक्ल, मनोज तिवारी, मान्यता तिवारी, अर्चना तिवारी आदि रहे।

समाज को संस्कारों पर देना होगा विशेष ध्यानः राम बिहारी तिवारी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ललितपुर। बुंदेलखंड जिझौतिया ब्राह्मण परिवार मंच का परिचय सम्मेलन और बैठक बंदरगुढ़ा (जाखलौन) स्थित श्री सिद्धेश्वर हनुमान मंदिर प्रांगण में सम्पन्न हुई,सभा की अध्यक्षता श्री छोटेलाल पाठक कचनौदा कला ने की और राम बिहारी तिवारी उज्जैन मुख्य अतिथि रहे।अतिथियों द्वारा वैदिक मंत्रों के साथ भगवान परशुराम के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन के साथ बैठक का शुभारंम्भ हुआ। बैठक में बाहर से आए सभी विप्र बंधुओं द्वारा परिचय का आदान प्रदान किया गया,तत्पश्चात विभिन्न वक्ताओं ने समाज सुधार,बेटियों की जल्दी शादी,बच्चों को संस्कार देने और उनको नशा आदि से दूर रखने जैसे ज्वलंत मुद्दों पर अपनी बात रखी।कुछ वक्ताओं ने आदर्श शादियों को बढ़ावा देने की अपील की व विप्र समाज की साथ ही सर्व समाज के उत्थान हेतु प्रयासरत रहने का आह्वान किया। इसके पहले कि समस्त वर्गों के ब्राह्मणों को इकट्ठा किया जाए पहले हम अपने परिवार (जिझौतिया परिवार) को इकट्ठा कर समाज में फैली कुरीतियों को दूर करना आवश्यक है।अपने उद्बोधन में श्री पाठक जी ने कहा कि ब्राह्मणों ने सदैव शिक्षा दीक्षा के माध्यम से अन्य समाज को संस्कारों का ज्ञान दिया पर आज स्वयं भटक गए हैं।जिससे नवयुवक पतन की ओर जा रहे हैं जो चिंतनीय है। उन्होंने अपील की समाज के निचले पायदान पर खड़े परिवारों को चिन्हित कर उनके विकास हेतु आर्थिक व सामाजिक सहयोग हेतु हम सब को आगे आना होगा। यदि कोई विप्र आर्थिक रूप से कमजोर है और अपने बच्चों को उच्च शिक्षा नहीं दे पा रहा अथवा बेटियों की शादी करने में सक्षम नहीं है तो हमारा मंच उनकी मदद हेतु सदैव तत्पर है। बैठक में आपसी सामंजस्य बढ़ाने और छोटी छोटी बातों पर होने वाले मनमुटाव को दूर कर आपस में मिलजुल कर रहने,युवाओं में बढ़ रही नशा प्रवृत्ति को रोकने शादी विवाह में फिजूल खर्च रोकने, समय से शादी करने आदि सहित विभिन्न मुद्दों पर व्यापक चर्चा की गई। बैठक में उज्जैन इंदौर, बीना, ग्वालियर, झांसी, तालबेहट, ललितपुर, पाली, पड़ना, जमुनियां, मालथोंन, अटा, निवउआ, जीरोन, जाखलोंन, जामुनधाना, झरावटा , टीकमगढ़, बार, धमना, नगारा, करमई ,घटवार, दाबनी आदि सहित आसपास के लगभग बीस गांवों के जिझौतिया वर्गीय ब्राह्मण एकत्र हुए। बैठक के अंत में श्री छोटे लाल पाठक ने अपना अध्यक्षीय उद्बोधन दिया और सभी का आभार व्यक्त किया। बैठक में प्रमुख रूप से राम बिहारी तिवारी उज्जैन, संतोष रावत बानपुर, प्रकाश नारायण लिटोरिया, प्रभाकर नायक, रघुनाथ दास गोस्वामी, अमित दुबे, किशोर कुमार दुबे, इंद्रभूषण दुबे, जुगल किशोर मिश्रा, नृप किशोर बबेले, प्रभु दयाल मिश्रा, श्याम सुंदर भोंडेले, एस पी पांडेय, ब्रजेश तिवारी, रामकरण तिवारी, संतोष बबेले, राजेंद्र बिलगइयां, सत्य नारायण, रामू राम जी, रामानंद तिवारी, विजय गोपाल हुंडैत , तिलकराम कौशिक, बद्री प्रसाद बबेले,प्रमोद तिवारी, राम निवास पुरोहित, सुरेश चतुर्वेदी, रामू रिछारिया, जयदीप शेषा, महेश पटेरिया, श्रीमती शैलजा अरजरिया,जयदेव तिवारी, विनोद बबेले, आशीष पटेरिया, गणेश राम बबेले, मुकेश बबेले, अवधेश लिटौरिया, अभिषेक बबेले, पंकज पुरोहित, मुकेश तिवारी, अजय बबेले, अखिलेश लिटौरिया, सरमन लाल, अमित दुबे आदि सहित अनेकों विप्र उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

चोपन पुलिस को मिली बड़ी सफलता, पाक्सो एक्ट में वांछित 01 नफर अभियुक्त गिरफ्तार, भेजा न्यायालय

चोपन / सोनभद्र –पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के निर्देशन एवं अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय अनिल कुमार तथा क्षेत्राधिकारी नगर रणधीर मिश्रा के पर्यवेक्षण एवं प्रभारी निरीक्षक चोपन के कुशल नेतृत्व में अपराध एवं अपराधियों पर प्रभावी अंकुश लगाए जाने हेतु चलाए जा रहे अभियान के क्रम में चोपन पुलिस को महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है। थाना चोपन पर पंजीकृत मु0अ0सं0 - 115/2026 धारा 87, 65(1), 64(2)रू 351(3) बीएनएस व 3/4(2), 5 रु6 पाक्सो एक्ट से संबंधित वांछित अभियुक्त संजीत कुमार केशरी पुत्र श्यामबिहारी निवासी ग्राम रैकरी थाना राजगढ़ जनपद मीरजापुर, उम्र करीब 30 वर्ष को दिनांक 03.04.2026 को समय करीब 08:10 बजे करगरा मोड़ मारकुण्डी थाना चोपन जनपद सोनभद्र से गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्त के विरुद्ध आवश्यक विधिक कार्यवाही करते हुए न्यायालय भेज दिया गया। गिरफ्तार करने वाली टीम में उ0नि0 दुनिया सिंह, थाना चोपन जनपद सोनभद्र, हे0का0 पप्पू यादव शामिल रहे।

श्रीहनुमान जयंती पर कड़ी रही सुरक्षा व्यवस्था

डीएम व एसपी ने किया शहर का भ्रमण

ललितपुर। श्रीहनुमान जयंती के पावन अवसर पर जनपद में शांति, सुरक्षा एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रशासन पूरी तरह सतर्क नजर आया। इसी क्रम में जिलाधिकारी सत्यप्रकाश एवं पुलिस अधीक्षक मो. मुश्ताक ने शहर के विभिन्न पूजा स्थलों एवं शोभायात्रा मार्गों का भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। अधिकारियों ने भ्रमण के दौरान प्रमुख मंदिरों, धार्मिक स्थलों एवं शोभायात्रा के मार्गों पर तैनात पुलिस बल की मुस्तैदी का निरीक्षण किया। उन्होंने मौके पर मौजूद पुलिस अधिकारियों और जवानों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि त्यौहार के दौरान किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए और हर गतिविधि पर सतर्क दृष्टि रखी जाए। जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों की उपस्थिति, बैरिकेडिंग, यातायात व्यवस्था और भीड़ नियंत्रण की व्यवस्थाओं की भी समीक्षा की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो और सुरक्षा के सभी मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए। इस दौरान अधिकारियों ने आमजन से भी अपील करते हुए कहा कि सभी लोग आपसी भाईचारा, शांति एवं सौहार्द बनाए रखें और प्रशासन का सहयोग करें। उन्होंने सभी जनपदवासियों को हनुमान जयंती की शुभकामनाएं भी दीं। प्रशासन की सक्रियता के चलते पूरे जनपद में हनुमान जयंती का पर्व शांतिपूर्ण एवं उत्साहपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ।

पत्नी की हत्या करने वाला पति 24 घंटे में गिरफ्तार

ललितपुर। थाना मड़ावरा पुलिस ने पत्नी की हत्या कर शव जलाने वाले आरोपी पति को घटना के 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस के अनुसार, थाना मड़ावरा क्षेत्र के जंगल में एक अज्ञात महिला का जला हुआ शव मिलने की सूचना मिली थी। मौके पर पहुंची पुलिस और अधिकारियों ने जांच शुरू की, जिसमें मृतका की पहचान आरती (उम्र करीब 25 वर्ष), निवासी ग्राम सौल्दा, थाना मदनपुर के रूप में हुई। मृतका के पिता की तहरीर पर मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक मो.मुश्ताक के निर्देशन में क्षेत्राधिकारी मड़ावरा के नेतृत्व में तीन टीमों का गठन किया गया। सर्विलांस और मैनुअल जांच के आधार पर पुलिस ने आरोपी पति रामगोपाल सहरिया (33 वर्ष) को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसकी पत्नी का किसी अन्य व्यक्ति से प्रेम प्रसंग चल रहा था, जिससे वह नाराज था। इसी बात को लेकर उसने 1 अप्रैल को पत्नी को इलाज के बहाने सौरई ले जाकर जंगल में विवाद के दौरान उसे जमीन पर पटक दिया और गला दबाकर हत्या कर दी। बाद में सबूत मिटाने के लिए शव को जला दिया। पुलिस को गुमराह करने के लिए आरोपी ने थाने में झूठी सूचना दी थी कि उसकी पत्नी को कोई अन्य व्यक्ति अपने साथ ले गया है। हालांकि जांच के दौरान सच्चाई सामने आने पर उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

कर अपवंचन व फर्जी ITC रैकेट के विरुद्ध सोनभद्र पुलिस की बड़ी कार्रवाई, विभिन्न धाराओं में वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सोनभद्र / उत्तर प्रदेश – कर अपवंचन, फर्जी फर्मों के संचालन एवं इनपुट टैक्स क्रेडिट (ITC) के दुरुपयोग के विरुद्ध चलाए जा रहे सघन अभियान के अंतर्गत जनपद सोनभद्र में पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा द्वारा गठित एसआईटी टीम द्वारा बड़ी कार्रवाई की गई। उक्त कार्रवाई अपर पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) अनिल कुमार (जीएसटी SIT टीम नोडल) के दिशा-निर्देशन में एवं क्षेत्राधिकारी नगर रणधीर मिश्रा के नेतृत्व में की गई। थाना रॉबर्ट्सगंज पर पंजीकृत मु0अ0सं0 29/2026 धारा 318(4), 336(3), 338, 340(2) भारतीय न्याय संहिता 2023 से संबंधित वांछित अभियुक्त आसिफ अली पुत्र रुस्तम अली निवासी डाला बाजार मेन मार्केट पतरही थाना चोपन जनपद सोनभद्र, उम्र करीब 26 वर्ष को दिनांक 02.04.2026 को समय करीब 16:30 बजे वैष्णो देवी माता मंदिर डाला के सामने से गिरफ्तार किया गया। जांच के दौरान पाया गया कि अभियुक्त द्वारा विभिन्न फर्मों के माध्यम से अलग-अलग वित्तीय वर्षों में लगभग 70,00,000/- (सत्तर लाख रुपये) की बोगस ITC (इनपुट टैक्स क्रेडिट) अपने दाखिल विवरण में दर्शाई गई, जबकि वास्तविक लेन-देन का कोई प्रमाण प्रस्तुत नहीं किया गया। अभियुक्त द्वारा अपनी फर्म M/S D.K. ASSOCIATES के माध्यम से बिना वास्तविक खरीद-बिक्री के कूटरचित प्रपत्रों के आधार पर फर्जी ITC पास ऑन की गई तथा सरकारी कर (GST) का भुगतान न कर सरकारी धन का गबन किया गया।

फर्म द्वारा किसी भी प्रकार के वैध टैक्स इनवॉइस, बिल्टी, ई-वे बिल आदि प्रपत्र प्रस्तुत नहीं किए गए, जिससे स्पष्ट होता है कि संपूर्ण लेन-देन फर्जी था। SIT टीम द्वारा की गई गहन जांच, तकनीकी विश्लेषण एवं डेटा मॉनिटरिंग के आधार पर अभियुक्त को सफलतापूर्वक गिरफ्तार किया गया। अभियुक्त के कब्जे से 02 अदद मोबाइल फोन , 01 फाइल (फर्जी दस्तावेज सहित) , 01 मारुति कार XL6 , 26,450/- नगद बरामद कर अभियुक्त के विरुद्ध आवश्यक विधिक कार्यवाही करते हुए अग्रिम विवेचना प्रचलित है।गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में निरीक्षक राजेश प्रसाद यादव, प्रभारी SIT टीम/अपराध शाखा, जनपद सोनभद्र, निरीक्षक/विवेचक राजेश सरोज, अपराध शाखा,का0 किशन लाल, अपराध शाखा, का0 संदीप कुमार शामिल रहे।

शराब पीने से मना करने पर युवक की पिटाई, तीन आरोपियों पर केस दर्ज

ललितपुर। कोतवाली थाना क्षेत्र के ग्राम रोडा में शराब पीने से मना करने पर एक युवक के साथ मारपीट करने का मामला सामने आया है। पीड़ित की मां की तहरीर पर पुलिस ने तीन लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। ग्राम रोडा निवासी महिला मिट्ठन ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 31 मार्च की रात करीब 8 बजे उनका पुत्र अमर अपने नए घर से पुराने घर जा रहा था। रास्ते में रविदास मंदिर के सामने आरोपी राजेन्द्र ने उससे शराब पीने के लिए कहा, लेकिन अमर द्वारा मना करने पर आरोपी भड़क गया। आरोप है कि इसके बाद राजेन्द्र ने अपने भाई सोहन और पिता सुरेन्द्र के साथ मिलकर अमर के साथ गाली-गलौज करते हुए लात-घूंसों से मारपीट की। इतना ही नहीं, आरोपियों ने युवक को जान से मारने की धमकी भी दी। घटना के बाद पीड़ित पक्ष द्वारा डायल 112 पर सूचना दी गई, जिसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल युवक को इलाज के लिए अस्पताल भिजवाया। वर्तमान में उसका उपचार जारी है। कोतवाली पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए बीएनएस में मामला दर्ज किया है।

हनुमान जन्मोत्सव के अवसर पर सालासर बालाजी महाराज भजन संध्या पर जमकर झूमें श्रद्धालु

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

अनपरा /सोनभद्र–अनपरा तापीय परियोजना आवासीय परिसर स्थित मिनिस्ट्रीरियल क्लब अनपरा मे श्री बालाजी महाराज मित्र मंडल द्वारा हनुमान जन्मोत्सव के अवसर पर द्वितीय श्री सालासर बालाजी महाराज भजन संध्या का आयोजन किया । इस दौरान बाबा के दरबार को कलकत्ता से आये कलाकारो द्वारा बड़े ही भव्यता से सजाया गया था जिसकी साज सज्जा देखते ही बन रही थी कार्यक्रम का शुभारंभ वृन्दावन से आये आचार्य पंडित दुर्गेश नंदन मिश्रा द्वारा गणेश पूजा व हनुमान जी के समक्ष दीप प्रज्वलित कर विशेष आरती के साथ किया गया । इसके बाद आमंत्रित भजन गायकों मे दिल्ली से आकाश राजपूत, वृन्दावन से आये श्री किशोरी दास, चोपन से दीपक पाण्डेय, बरेली से जुड़वा भाई राम और श्याम बंधु, कानपुर से आई भजन गायिका शेफाली द्विवेदी ने एक से बढ़कर एक भजन प्रस्तुत कर लोगो को झूमने पर मजबूर कर दिया। इस दौरान 'दुनिया चले न श्री राम के बिना', 'हनुमान जैसा कोई नहीं' और 'बजरंगबली मेरी नाव चली' जैसे भजन गाए गए, जिन पर श्रद्धालु भक्ति में लीन दिखे। भजन संध्या के दौरान क्लब प्रांगण में बड़ी संख्या में भक्त उपस्थित रहे। देर रात तक चले इस कार्यक्रम में आतिशबाजी व फूलो की होली के साथ श्रद्धालुओं ने हनुमान चालीसा और सुंदरकांड पाठ भी किया। कार्यक्रम मे बजरंगबली को छप्पन भोग अर्पित किया गया और हज़ारों की संख्या मे उपस्थित सभी भक्तों को महाप्रसाद वितरित किया गया। कार्यक्रम में भीड़ को देखते हुए श्री बालाजी मित्र मंडली ने सुरक्षा एवं कार्यक्रम व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किए थे।

इटियाथोक में प्रसव के दौरान नवजात की मौत, निजी अस्पताल पर लापरवाही का आरोप; पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

इटियाथोक (गोंडा)– क्षेत्र के एक निजी अस्पताल में प्रसव के दौरान नवजात बच्ची की मौत का मामला सामने आने से हड़कंप मच गया है। घटना के बाद परिजनों ने चिकित्सकों पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाते हुए पुलिस में तहरीर दी है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है। कोतवाली देहात क्षेत्र के सिसऊर अंदूपुर निवासी श्याम सुंदर गुप्ता के अनुसार, उन्होंने अपनी पत्नी रजनी को प्रसव के लिए बृहस्पतिवार को हर्रैया झूमन, इटियाथोक स्थित मेट्रो हॉस्पिटल में भर्ती कराया था। उनका आरोप है कि चिकित्सक ने पहले सामान्य प्रसव का आश्वासन दिया, लेकिन देर रात बिना स्पष्ट जानकारी दिए ऑपरेशन कर दिया गया।श्याम सुंदर गुप्ता का कहना है कि बच्ची के जन्म के बाद उन्हें उसे देखने तक नहीं दिया गया। शुक्रवार सुबह जब उन्होंने बच्ची को देखने की इच्छा जताई, तो उसे कपड़े से ढककर दूर से दिखाया गया। इस दौरान उन्होंने देखा कि बच्ची के शरीर के एक हिस्से पर जख्म था और वहां पट्टी बंधी हुई थी।परिजनों ने यह भी बताया कि ऑपरेशन के बाद महिला की तबीयत बिगड़ने पर उसे गोंडा के एक अन्य निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसका इलाज जारी है।

परिजनों का आरोप है कि बच्ची की सांसें चल रही थीं और सिजेरियन के दौरान उसके सीने में ब्लड लग जाने के कारण स्थिति गंभीर हो गई। इसके कुछ ही देर बाद अस्पताल प्रशासन ने बच्ची की मौत की सूचना दे दी। घटना से आक्रोशित परिजनों ने चिकित्सकों पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए थाने में तहरीर दी है। इस संबंध में प्रभारी निरीक्षक कमलाकांत त्रिपाठी ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। रिपोर्ट आने के बाद आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि अभी तक पीड़ित पक्ष की ओर से औपचारिक तहरीर प्राप्त नहीं हुई है। वहीं, अस्पताल की प्रबंधक काजल तिवारी ने सभी आरोपों को निराधार बताया है। उनका कहना है कि बच्ची की मौत जन्म के बाद ऑक्सीजन लेवल कम होने के कारण हुई है और उपचार में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं बरती गई। फिलहाल, पूरे मामले की सच्चाई पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी।

मां अंजनी धाम मेला महोत्सव में उमड़ा आस्था का सैलाब

●हनुमान जन्मोत्सव पर जवारों का पूजन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महरौनी (ललितपुर)। बुंदेलखंड की पावन धरा पर स्थित श्री 1008 मां अंजनी धाम में आयोजित मेला महोत्सव 2026 में श्रद्धा और भक्ति का अनुपम दृश्य देखने को मिल रहा है। मेला महोत्सव के दूसरे दिन हनुमान जन्मोत्सव के अवसर पर हजारों श्रद्धालुओं ने मां अंजनी के दरबार में पहुंचकर जवारों का पूजन कर आस्था प्रकट की। सुबह से ही श्रद्धालुओं के आने का सिलसिला शुरू हो गया, जो देर रात तक जारी रहा। दूर-दराज से आए भक्तों ने मां अंजनी के दरबार में जवारे विसर्जित कर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। इस दौरान श्रद्धालु बुंदेली राई, सैरा और भजन-कीर्तन करते हुए भक्ति में लीन नजर आए। रात्रिकालीन समय में आसपास के गांवों से हनुमानजी की आकर्षक झांकियां भी मां अंजनी धाम पहुंचीं, जिसने श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया।

मेले में लगे झूले, सर्कस और दुकानों पर भी देर रात तक भीड़ उमड़ी रही, जिससे पूरे क्षेत्र में उत्सव जैसा माहौल बना रहा। हालांकि मेले के दौरान कुछ मनचलों द्वारा उत्पात मचाने की घटनाएं भी सामने आई, जिस पर मेला चौकी प्रभारी ने सख्ती दिखाते हुए ऐसे तत्वों के खिलाफ कार्रवाई की और व्यवस्था को सुचारु बनाए रखा। महरौनी तहसील के ग्राम कुम्हेड़ी में मां अंजनी धर्मार्थ ट्रस्ट के तत्वावधान में आयोजित यह पारंपरिक मेला 1 अप्रैल से 8 अप्रैल 2026 तक चलेगा। मेले में लाखों श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है। मेला महोत्सव के दौरान रात्रि में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन भी किया जा रहा है, जिससे श्रद्धालुओं को भक्ति के साथ-साथ मनोरंजन का भी अवसर मिल रहा है। मेले में झूले, विभिन्न प्रकार की दुकानें, पशु मेला, पार्किंग, पेयजल, विद्युत एवं अग्निशमन जैसी सुविधाओं की समुचित व्यवस्था की गई है। यह मेला न केवल धार्मिक आस्था का प्रमुख केन्द्र है, बल्कि बुंदेलखंड की समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं का जीवंत प्रतीक भी है, जहां श्रद्धा, विश्वास और भक्ति का अनूठा संगम देखने को मिल रहा है।

बच्ची से मारपीट और अभद्रता का मामला दर्ज, दो आरोपियों पर केस

ललितपुर। कोतवाली थाना क्षेत्र के एक गांव में 12 वर्षीय बच्ची से मारपीट, गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी देने का गंभीर मामला सामने आया है। पीड़िता के पिता की तहरीर पर पुलिस ने दो आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। शिकायतकर्ता ने कोतवाली थाना में दी गई तहरीर में बताया कि उनकी नाबालिग पुत्री 28 मार्च को शाम करीब 4 बजे कोचिंग से घर लौट रही थी। इसी दौरान रास्ते में पडने वाले एक घर के सामने से गुजरते समय आरोपी महिला व उसके पति ने बच्ची के साथ अभद्र व्यवहार किया। आरोप है कि दोनों ने बच्ची को गाली-गलौज करते हुए उसके साथ मारपीट की और नाखूनों से नोचकर घायल कर दिया, जिससे उसके गले में चोटें आईं। जब बच्ची की मां बीच-बचाव करने पहुंचीं तो आरोपियों ने उनके साथ भी मारपीट की। साथ ही बच्ची को जान से मारने की धमकी दी गई। पीड़ित पक्ष का कहना है कि घटना के बाद से बच्ची दहशत में है और स्कूल जाने में असमर्थ है। भविष्य में किसी अनहोनी की आशंका भी जताई गई है। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए मुकदमा दर्ज कर लिया है।

भाजपा ओबरा मण्डल में पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान का भव्य समापन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ओबरा/सोनभद्र– भारतीय जनता पार्टी ओबरा मण्डल में हो रहे पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान 2026 के तहत मण्डल प्रशिक्षण वर्ग के अन्तिम सत्र का समापन आज राम मंदिर के प्रांगण में स्थित मानस भवन में हुआ। आज के कार्यक्रम के पहले सत्र के मुख्य वक्ता आशुतोष चतुर्वेदी ने भाजपा की कार्य पद्धति, संरचना और ग्रहण करना टॉपिक पर अपने प्रशिक्षुओं को संबोधित करते हुए उसे अपने कार्यशैली में उतारने का प्रशिक्षण दिया। आज के प्रशिक्षण का अन्तिम सत्र जिला अध्यक्ष नन्द लाल गुप्ता ने लिया जो समापन का सत्र था। इस सत्र में ओबरा मण्डल के मण्डल अध्यक्ष शिव नाथ जायसवाल ने जिला अध्यक्ष नन्द लाल गुप्ता स्वागत वंदन और अभिनंदन करते हुए उनका माल्यार्पण व अंग वस्त से सम्मानित किया। प्रशिक्षण के अन्तिम सत्र में जिला अध्यक्ष नन्द लाल गुप्ता ने अपने प्रशिक्षण ले रहे पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को बूथ के गठन, मन की बात और बैठक के महत्व के बारे में विस्तृत जानकारी दी। ताकि सभी पदाधिकारी और कार्यकर्ता गण बूथ का अच्छे से गठन और प्रबंधन कर सके।इस इस अवसर पर विशाल पाण्डेय, बृजेश पाण्डेय, उमेश सिंह पटेल, सुख नन्दन चौरसिया, निशांत कुशवाहा, विशाल गुप्ता, राम निवास तोमर, मनोज सिंह, रंजना सिंह, हेमलता जायसवाल, सतीश पाण्डेय, सुनीता पाण्डेय, महेश जायसवाल,मोहित पटेल, संजय सिंह,अनुज त्रिपाठी, सरिता सिंह,विवेक सिंह तोमर, सुशील कुशवाहा, निलेश मिश्रा, दशरथ शुक्ला, राज कुमार यादव, पंकज गौतम, मीडिया प्रभारी शिशिर शर्मा, गौरव सिंह, विकास सिंह, आनन्द जायसवाल, सुनील सिंह, नित्यानंद दूबे, आदर्श सिंह सहित भाजपा ओबरा मण्डल के सभी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता गण प्रशिक्षण सत्र में उपस्थित रहे।

जुगैल पुलिस को मिली बड़ी सफलता, हत्या के मामले में वांछित 03 नफर अभियुक्त गिरफ्तार, भेजा न्यायालय

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सोनभद्र / उत्तर प्रदेश –पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के निर्देशन एवं अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय अनिल कुमार तथा क्षेत्राधिकारी ओबरा अमित कुमार के पर्यवेक्षण एवं थानाध्यक्ष जुगैल जितेन्द्र कुमार के कुशल नेतृत्व में अपराध एवं अपराधियों पर प्रभावी अंकुश लगाए जाने हेतु चलाए जा रहे अभियान के क्रम में थाना जुगैल पुलिस को महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है। दिनांक 02.04.2026 को थाना जुगैल पर पंजीकृत मु0अ0सं0 - 38/2026 धारा 103(1), 3(5) बीएनएस व 3(2)ड्ढ एससी/एसटी एक्ट के संबंध में प्राप्त प्रार्थना पत्र के आधार पर जांच की गई, जिसमें वादी श्रीमती इश्रावती द्वारा बताया गया कि उनके पति शिवचरन गोड़ ग्राम बड़गांवा को दिनांक 14.03.2026 को समय 16.00 बजे अभियुक्त राम प्रसाद अपनी मोटरसाइकिल पर बैठाकर ले गया था, जिसके बाद से वह लापता हो गए थे।

दिनांक 19.03.2026 को शिवचरन का शव सोन नदी के किनारे गुजरी नामक स्थान पर सड़ी-गली अवस्था में बरामद हुआ था, जिसके संबंध में थाना जुगैल पुलिस द्वारा आवश्यक विधिक कार्यवाही संपादित की गई थी।गिरफ्तार अभियुक्तगण- राम प्रसाद पुत्र गुलाब यादव, ग्राम चौरा टोला बिजौरा थाना जुगैल सोनभद्र उम्र करीब 45 वर्ष, छोटे लाल पुत्र रामलखन कोल, ग्राम बिजौरा थाना जुगैल सोनभद्र उम्र करीब 40 वर्ष, परसराम उर्फ सरवन उर्फ सुखदेव पुत्र गोविन्द कोल, ग्राम बिजौरा थाना जुगैल सोनभद्र उम्र करीब 22 वर्ष को दिनांक 03.04.2026 को समय करीब 10:30 बजे मुखबिर की सूचना पर ग्राम चौरा टोला बिजौरा से गिरफ्तार किया गया। पूछताछ के दौरान अभियुक्तों द्वारा बताया गया कि दिनांक 14.03.2026 की रात्रि में शराब पीने के उपरांत आपसी रंजिश के चलते उन्होंने शिवचरण गौड़ का गला दबाकर हत्या कर दी तथा साक्ष्य छिपाने के उद्देश्य से शव को सोन नदी किनारे फेंक दिया। अभियुक्त राम प्रसाद द्वारा बताया गया कि मृतक द्वारा पूर्व में उसका बैल बेचकर पैसा न देने को लेकर रंजिश थी एवं अन्य अभियुक्तगण द्वारा मृतक पर जादू-टोना करने का संदेह होने के कारण द्वेषवश घटना कारित की गई। गिरफ्तार अभियुक्तों के विरुद्ध आवश्यक विधिक कार्यवाही करते हुए न्यायालय भेज दिया गया। गिरफ्तार करने वाली टीम में थानाध्यक्ष श्री जितेन्द्र कुमार, थाना जुगैल जनपद सोनभद्र, हे0का0 राजेन्द्र प्रसाद यादव , हे0का0 श्याम नारायण यादव, महिला हे0का0 मीना यादव , का0 दीपक कुमार , का0 मुकेश कुमार शामिल रहे।

साइबर टीम अनपरा ने कराए ठगी के रुपये वापस, लोगों ने किया जनपद पुलिस की सराहना

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सोनभद्र / उत्तर प्रदेश – अनपरा की साइबर टीम ने आवेदक नैन कुमार सिंह पुत्र संतोष कुमार सिंह, निवासी ञ्जक्क कॉलोनी, अनपरा को हुई धोखाधड़ी के मामले में ?18,000 उसकी मूल बैंक खाते में सुरक्षित रूप से वापस कराया। दिनांक 30.03.2026 को आवेदक ने गलती से फोन पे के माध्यम से अज्ञात नंबर पर 18,000 ट्रांसफर कर दिया था। इस पर आवेदक ने साइबर हेल्पलाइन 1930 एवं cybercrime.gov.in पोर्टल के माध्यम से शिकायत दर्ज कराई। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के निर्देशन में, अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय अनिल कुमार एवं क्षेत्राधिकारी पिपरी हर्ष पाण्डेय के पर्यवेक्षण में, प्रभारी निरीक्षक थाना अनपरा सत्येन्द्र कुमार राय के नेतृत्व में साइबर टीम ने NCRP पोर्टल के माध्यम से धनराशि को होल्ड कर आवश्यक साक्ष्य एकत्रित किए। तत्पश्चात संबंधित बैंक शाखा को पत्राचार कर धनराशि सफलतापूर्वक आवेदक के खाते में लौटाई गई। धनराशि वापसी में सहयोग देने वाली टीम में मुख्य रूप से सत्येन्द्र कुमार राय प्रभारी निरीक्षक, अनपरा, हे0का0 आनन्द मोहन बिन्द साइबर हेल्प डेस्क शामिल रहे। साइबर जागरूकता हेतु अपील- व्यक्तिगत एवं बैंकिंग जानकारी जैसे आधार, पैन, पासवर्ड, OTP किसी के साथ साझा न करें। अनजान त्तक्र कोड या लिंक पर क्लिक न करें।साइबर अपराध की घटना होने पर तुरंत 1930 पर कॉल करें या नजदीकी थाने / cybercrime.gov.in पर शिकायत दर्ज कराएं।

लाखों का चेकडैम मिट्टी में मिलाया

बिना प्रक्रिया चेकडैम तोड़े जाने का आरोप

प्रशासन से न्याय और पुनर्निर्माण की मांग, सवालों में योजनाओं का क्रियान्वयन

मड़ावरा। ललितपुर के मड़ावरा ब्लॉक, जो मुख्यमंत्री की आकांक्षी योजना में शामिल है, से विकास कार्यों पर सवाल खड़े करने वाला मामला सामने आया है। ग्राम पंचायत गोरा कलां के मजरा रजौला में लाखों रुपये की लागत से बना चेकडैम (स्पिलबे) कथित तौर पर मिट्टी में मिला दिया गया। आरोप है कि ग्राम प्रधान की मनमानी के चलते यह कार्रवाई बिना किसी ठोस कारण और वैधानिक प्रक्रिया के की गई। करीब दस वर्ष पूर्व सहरिया समुदाय के एक किसान के खेत में जल संरक्षण के उद्देश्य से बने इस चेकडैम ने खेती और सिंचाई में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। यह किसान के लिए जीवनरेखा साबित हो रहा था, जिससे जल स्तर भी बना रहता था।लेकिन चेकडैम के टूटने से अब किसान की खड़ी फसल पूरी तरह बर्बाद हो गई है और सिंचाई व्यवस्था ठप पड़ गई है। पीड़ित किसान ने प्रशासन से न्याय की गुहार लगाते हुए दोषियों पर कड़ी कार्रवाई और चेकडैम के पुनर्निर्माण की मांग की है।

हनुमान जयंती पर भक्ति और उल्लास का संगम, निशान-झंडा चढ़ाकर किया गया विशाल प्रसाद वितरण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ललितपुर। नगर के मोहल्ला गांधी नगर नई बस्ती में हनुमान जयंती का पर्व इस वर्ष अत्यंत श्रद्धा, उत्साह और धार्मिक वातावरण के बीच धूमधाम से मनाया गया। इस पावन अवसर पर श्री श्री 1008 मां दक्षिणेश्वरी महा काली दरबार से भव्य निशान एवं झंडा यात्रा का आयोजन किया गया, जो डीजे और बाजे की मधुर धुनों के साथ पूरे क्षेत्र में आकर्षण का केंद्र बनी रही। कार्यक्रम की शुरुआत विधि-विधान से पूजन-अर्चन के साथ की गई, जिसके पश्चात श्रद्धालुओं ने निशान और झंडा लेकर भव्य शोभायात्रा निकाली। यात्रा में शामिल श्रद्धालु भक्ति गीतों पर झूमते हुए आगे बढ़ते रहे, वहीं 'जय श्री राम' और 'हनुमान जी महाराज की जय' के जयकारों से पूरा वातावरण गूंज उठा। महिलाओं, पुरुषों और युवाओं के साथ-साथ बच्चों ने भी बढ़-चढ़कर इस धार्मिक आयोजन में सहभागिता निभाई। यह शोभायात्रा मां दक्षिणेश्वरी महा काली दरबार से प्रारंभ होकर नगर के विभिन्न मार्गों से होती हुई श्री श्री 1008 राधा कृष्ण साहू समाज मंदिर पहुंची, जहां विधिपूर्वक निशान और झंडा चढ़ाया गया। मंदिर परिसर में इस दौरान विशेष पूजा-अर्चना का आयोजन किया गया, जिसमें क्षेत्र के अनेक गणमान्य नागरिकों और श्रद्धालुओं ने भाग लिया।

पूरे मार्ग में जगह-जगह श्रद्धालुओं के स्वागत की भी व्यवस्था की गई थी। लोगों ने फूल-मालाओं से शोभायात्रा का स्वागत किया और प्रसाद व शीतल पेय पदार्थों का वितरण कर अपनी श्रद्धा व्यक्त की। डीजे और पारंपरिक बाजों की धुनों ने पूरे आयोजन को और भी जीवंत बना दिया, जिससे माहौल भक्तिमय और उल्लासपूर्ण बना रहा। कार्यक्रम के समापन पर मंदिर परिसर में विशाल प्रसाद वितरण का आयोजन किया गया। इस दौरान सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। आयोजकों द्वारा व्यवस्था को सुचारू रूप से संचालित किया गया, जिससे किसी प्रकार की अव्यवस्था नहीं होने दी गई। प्रसाद वितरण में स्थानीय युवाओं और समिति के सदस्यों ने विशेष सहयोग दिया। आयोजकों ने बताया कि हनुमान जयंती के इस पावन अवसर पर हर वर्ष इस प्रकार के धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं, जिससे समाज में धार्मिक भावना और आपसी भाईचारा मजबूत होता है। उन्होंने सभी श्रद्धालुओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि लोगों के सहयोग और सहभागिता से ही इस आयोजन को सफल बनाया जा सका।

पूरे कार्यक्रम के दौरान सुरक्षा और व्यवस्था का भी विशेष ध्यान रखा गया। स्थानीय प्रशासन और स्वयंसेवकों की सक्रियता से आयोजन शांतिपूर्ण और व्यवस्थित रूप से संपन्न हुआ। इस प्रकार हनुमान जयंती का यह पर्व नगर में भक्ति, आस्था और सामाजिक एकता का संदेश देते हुए संपन्न हुआ, जिसमें हर वर्ग के लोगों ने भाग लेकर इसे यादगार बना दिया। इस दौरान पंडित प्रवीन दुबे , पंडित राहुल चौबे , पंडित सत्यम चौबे , पंडित प्रमोद चौबे, सिरनाम साहू , सुरेंद्र साहू रिंकू , सुरेश साहू , हरिशंकर साहू (भरतपुरा वाले) ,राजेंद्र सिंह सिसोदिया, विनय जोशी टेलर्स, पत्रकार देवेंद्र साहू, लकी , हर्ष , दीपांशु , प्रेमनारायण, रतनलाल विश्वकर्मा, विकास साहू, रोहित साहू (गौरक्षक एवं फाउंडर ऑफ गौभोज सेना ललितपुर) सहित सैंकडों की संख्या में श्रद्धालुजन मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

कर्मचारी ने कराई अपने मालिक सराफा व्यवसाई से लूट

कानपुर। दिनांक 2.4.2026 को बेकनगंज निवासी सर्राफा व्यापारी राम केशरवानी से लाल इमली चौराहे के पास स्कूटी सवार 3 अभियुक्तों द्वारा लूट की घटना कारित की गई। सूचना पर तत्काल अभियोग पंजीकृत कर सेंट्रल ज़ोन की स्वॉट, साइबर, सर्विलांस टीम एवं थाना कर्नलगंज पुलिस द्वारा संयुक्त रूप से कार्यवाही करते हुए अभियुक्तों की पहचान की गई। देर रात मुखबिर की सूचना पर घेराबंदी के दौरान अभियुक्तों द्वारा पुलिस टीम पर फायरिंग की गई, आत्मरक्षार्थ की गई जवाबी कार्यवाही में 2 अभियुक्त घायल हुए तथा 1 अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में घटना में व्यापारी के एक कर्मचारी की संलिप्तता सामने आई है, जिसने लूट की योजना बनाकर अभियुक्तों को सूचनाएं उपलब्ध कराई थीं। अभियुक्तों के कब्जे से लूटी गई 100% संपत्ति, घटना में प्रयुक्त स्कूटी, 2 तमंचे व कारतूस बरामद किए गए हैं। घायलों का उपचार कराया जा रहा है तथा विधिक कार्यवाही प्रचलित है।

फ़्लैग मार्च : अफवाह फ़ैलाने व शांति व्यवस्था भंग करने वालों के विरुद्ध होगी सख्त कानूनी कार्रवाई

कानपुर। दिनांक 3.4.2026 को पुलिस आयुक्त रघुबीर लाल के निर्देशन एवं अपर पुलिस आयुक्त (कानून एवं व्यवस्था) डॉ. विपिन ताडा के मार्गदर्शन में जनपद कानपुर नगर के विभिन्न जोनों में सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ करने हेतु व्यापक फ्लैग मार्च किया जा रहा है। पश्चिम जोन के थाना रावतपुर क्षेत्र में अपर पुलिस उपायुक्त पश्चिम राजेश कुमार पाण्डेय के नेतृत्व में पुलिस व पीएसी बल द्वारा प्रमुख बाजारों, भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों एवं संवेदनशील स्थानों पर भ्रमण कर सुरक्षा का जायजा लिया गया। इस दौरान आमजन, व्यापारियों व राहगीरों से संवाद स्थापित कर उन्हें सुरक्षा के प्रति आश्वस्त किया गया। फ्लैग मार्च के दौरान संदिग्ध गतिविधियों पर निगरानी रखते हुए सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था का निरीक्षण किया गया तथा लोगों को नियमों के पालन हेतु प्रेरित किया गया। जनपद में लगातार गश्त जारी है। वर्तमान में कानून-व्यवस्था पूर्णतः सामान्य एवं नियंत्रण में है। किसी भी प्रकार की अफवाह फैलाने अथवा शांति व्यवस्था भंग करने वालों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

सिद्धार्थनगर में ट्रेलर और बाइक में आमने - सामने की टक्कर , दो युवकों की मौत

सिद्धार्थनगर जिले के पथरा बाजार क्षेत्र में शुक्रवार दोपहर एक मार्ग दुर्घटना में बाइक सवार दो युवकों की दर्दनाक मौत हो गई। यह घटना 3 अप्रैल को दोपहर टेढिया बाजार के सामने टेढिया नहर पुलिया के पास हुई, जहां एक तेज रफ्तार ट्रेलर और बाइक की आमने-सामने की टक्कर हो गई। मृतकों की पहचान कोतवाली बांसी क्षेत्र के फुलवापुर गांव निवासी दिनेश (28) पुत्र बाढू और सतीश (24) पुत्र खेदन के रूप में हुई है। दोनों युवक किसी कार्य से बाइक से पथरा बाजार की ओर जा रहे थे। मिली जानकारी के अनुसार, जब वे टेढिया नहर पुलिया पार कर आगे बढ़े, तभी सामने से आ रहे ट्रेलर से उनकी सीधी भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक सवार दिनेश की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पथरा बाजार पुलिस मौके पर पहुंची। गंभीर रूप से घायल सतीश को तत्काल इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया, लेकिन उसने रास्ते में ही दम तोड़ दिया। घटना के बाद मौके पर ग्रामीणों की भीड़ एकठ्ठा हो गई। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला चिकित्सालय भेज दिया है। दुर्घटनाग्रस्त बाइक और ट्रेलर को भी पुलिस ने जब्त कर लिया है। हादसे के बाद ट्रेलर चालक मौके से फरार हो गया, जिसकी तलाश की जा रही है। थानाध्यक्ष अमित कुमार ने बताया कि मृतकों के परिजनों की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज हो गया है। उन्होंने कहा कि फरार चालक के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी और पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

कानपुर के किडनी ट्रांसप्लांट कांड में अब तक 8 गिरफ्तारियां, अन्य की गिरफ्तारी के लिए दबिश जारी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। थाना रावतपुर क्षेत्र में विगत दिवसों में प्राइवेट अस्पतालों में अवैध किडनी खरीद-फरोख्त से संबंधित प्रकरण में अब तक कुल 8 व्यक्तियों की गिरफ्तारी की जा चुकी है। जांच के दौरान कुछ अन्य व्यक्तियों के नाम भी प्रकाश में आए हैं, जिनकी गिरफ्तारी हेतु पुलिस टीमें लगातार दबिश दे रही हैं। यह जानकारी देते हुए पुलिस उपायुक्त पश्चिम एस एम कासिम आबिदी ने बताया कि अभी तक इसमें लगभग आठ अस्पतालों की संलिप्तता पाई गई है। इसी क्रम में डॉक्टर रोहित नामक व्यक्ति का पता प्राप्त हुआ है, जो इंदिरापुरम, गाजियाबाद का निवासी है। उसके संबंध में अन्य आवश्यक जानकारियाँ एकत्र की जा रही हैं तथा शीघ्र ही उसकी गिरफ्तारी सुनिश्चित की जाएगी। इसके अतिरिक्त, डॉक्टर अली के संबंध में भी सूचना प्राप्त हुई थी, डॉ अली आप्रेशन करता था। जिसके आधार पर उसके निवास स्थान पर दबिश दी गई। प्रारंभिक जानकारी में उसके परिवार द्वारा बताया गया है कि वह डॉक्टर न होकर एक टेक्नीशियन के रूप में कार्य करता है। हालांकि, यह अभी प्रारंभिक जांच का हिस्सा है। उसकी गिरफ्तारी एवं पूछताछ के उपरांत ही तथ्यों की स्पष्ट जानकारी प्राप्त हो सकेगी। जांच के दौरान कुछ अन्य अस्पतालों के नाम भी प्रकाश में आए हैं, जहां इस प्रकार के ऑपरेशन किए जाने की जानकारी मिली है। अब तक लगभग 7-8 अस्पतालों के संबंध में सूचना प्राप्त हुई है। संबंधित व्यक्तियों एवं संस्थानों से पूछताछ की जा रही है। ओटी टेक्नीशियनों से प्राप्त जानकारी के अनुसार, डॉक्टर अली द्वारा ऑपरेशन किए जाने की बात सामने आई है, किन्तु इस संबंध में सत्यापन जारी है।

पुलिस द्वारा विगत दो दिनों से निरंतर पूछताछ एवं साक्ष्य संकलन की कार्यवाही की जा रही है। प्राप्त तथ्यों के आधार पर अग्रिम वैधानिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

महावीर जयंती पर हनुमान मंदिर पर भारी भंडारा आयोजित

प्रतापगढ़। महावीर विक्रम बजरंगी के जयंती के पावन अवसर पर जेके चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा बालाजी मंदिर ट्रेजरी चौराहा पर भंडारे का आयोजन किया।इस धार्मिक आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। ट्रस्ट के संयोजक एवं जूनियर बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष विनोद पांडे ने बताया कि यह भंडारा सभी के सहयोग से 19 वर्षों से लगातार आयोजित किया जा रहा है।कार्यक्रम में प्रमुख रूप से रवि प्रताप सिंह, संतोष पांडे, संतोष भगवन,रमेश पाण्डेय,लाल जी पाण्डेय, पंकज सिंह,पवन सिंह, प्रभात शर्मा,अजय पांडे, हरि शंकर सिंह 'हैप्पी', निलेश मिश्रा, आरबी सिंह, श्याम शंकर द्विवेदी, कृष्ण कुमार पांडे, अनिल विद्यार्थी, अशोक सिंह, डीपी सिंह, मंदिर के पुजारी प्रवीण पांडे, केसी पांडे, रणविजय सिंह, सिद्धार्थ पांडे, शिवम मिश्रा, विनय शर्मा, अनिल त्रिपाठी सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

सराफा व्यवसाई को लूटने वालों को पुलिस टीम ने मुठभेड़ में पकड़ा, दो के पैर में गोली लगी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। कमिश्नरेट के ग्वालटोली थाना क्षेत्र के अंतर्गत लाल इमली फैक्ट्री गेट के पास एक सराफा व्यवसाई को लूटने वाले अपराधियों को ग्वालटोली पुलिस व स्वाट, साइबर सर्विलांस टीम ने एक मुठभेड़ में गिरफ्तार किया है। दो अपराधियों के पैर में गोली लगी है तथा एक अन्य को गिरफ्तार किया है। प्राप्त विवरण के अनुसार दिनांक 2.4.2026 को थाना ग्वालटोली क्षेत्र में लाल इमली मिल गेट के पास रोड पर एक व्यापारी को स्कूटी में लात मारकर गिराकर अभियुक्तों द्वारा लूट की घटना को अंजाम दिया था। मुखबिर की सूचना पर थाना कर्नलगंज पुलिस द्वारा एफ.एम. कॉलोनी के पास बने ग्राउन्ड में घेराबंदी की गयी तो अभियुक्तों द्वारा पुलिस टीम पर जान से मारने की नीयत से 4 फायर किए। पुलिस द्वारा आत्मरक्षार्थ की गई फायरिंग में सारिक हुसैन उर्फ बाबर व कामरान को पुलिस मुठभेड़ में गोली लगने से घायल हुये तथा अभियुक्त शाहिद अफरीदी को मौके से गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारी के दौरान अभियुक्तगण से बरामदगी दो अदद नाजायज तमंचा 315 बोर, 1 अदद जिंदा कारतूस 315 बोर 04 अदद खोखा कारतूस 315 बोर नाजायज तथा बरामद माल माल 1 लाख 1 हजार रूपये व एक अदद झुमकी पीली धातु तथा घटना में प्रयुक्त स्कूटी सुजुकी कम्पनी की गाडी न0 यूपी 78 पी 8725 तथा स्कूटी की डिग्गी से चार मोबाइल फोन बरामद हुए।

मोदी सरकार की अनिश्चितता भरी नीति राष्ट्रीय हितों के लिए खतरनाक- प्रमोद तिवारी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

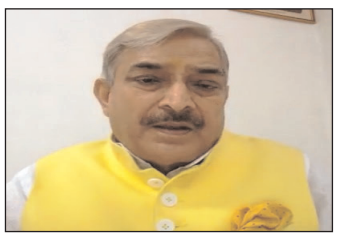

लालगंज, प्रतापगढ़। राज्यसभा में विपक्ष के उपनेता प्रमोद तिवारी ने केन्द्र की मोदी सरकार की रक्षा तथा विदेश नीति के साथ घरेलू नीति में भी अनिश्चितता को राष्ट्रीय हितों के विपरीत करार दिया है। उन्होने कहा कि मोदी सरकार चार सप्ताह तक संसद का सत्र चलने के बावजूद भी एजेण्डा नहीं तय कर पायी। कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी ने कहा कि भाजपा को पांच राज्यों के चुनाव में अपनी करारी हार के अंदेशे का भय सता रहा है। उन्होने कहा कि संसद सत्र को दोबारा आहूत करना मात्र भाजपा के द्वारा पांच राज्यों मे होने वाले चुनाव को प्रभावित करना है। कहा कि पूरे देश में रसोई गैस और कामर्शियल गैस की कमी से जनता परेशान है। इसके बावजूद यह सरकार बद से बदतर हालात में इस समस्या के समाधान के लिए कोई ठोस कदम उठाने की जगह मात्र भाषणबाजी कर रही है। कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी ने पश्चिम बंगाल में भाजपा पर एसआईआर के नाम पर चुनाव आयोग के दुरूपयोग पर भी तीखा हमला बोला है। उन्होने कहा कि चुनाव से जुड़े किसी अधिकारी को डराना और धमकाना निंदनीय है। सांसद प्रमोद तिवारी ने कहा कि ऐसा लगता है जैसे चुनाव आयोग भाजपा का फ्रंटल आर्गेनाइजेशन बन गया है।सांसद प्रमोद तिवारी ने सोवियत रूस को भारत का स्थायी मित्र करार दिया है। जबकि यह चिंताजनक है कि मोदी सरकार की गलत नीतियों के कारण इस समय सोवियत रूस पाकिस्तान के करीब है। उन्होने कहा कि खाड़ी देशों में युद्ध के कारण कच्चे तेल की आपूर्ति कम हुई है। सांसद प्रमोद तिवारी ने सोवियत रूस जैसे विश्वसनीय मित्र देश से देश को अधिक से अधिक कच्चे तेल की आपूर्ति आवश्यकतानुसार करने पर भी जोर दिया है। ऑपरेशन सिन्दूर को लेकर केन्द्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के ताजा बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए सांसद प्रमोद तिवारी ने मोदी सरकार के द्वारा मात्र चार दिनों में ही आपरेशन सिन्दूर को रोकने के निर्णय को जाबांज सेना के लिए हतोत्साहित करने वाला अविवेकपूर्ण निर्णय ठहराया। सांसद प्रमोद तिवारी ने कहा कि मोदी सरकार के हर पटल पर अनिश्चकालीन नीतियों के चलते देश की प्रतिष्ठा पर लगातार आंच आ रही है। सांसद प्रमोद तिवारी का बयान शुक्रवार को मीडिया प्रभारी ज्ञानप्रकाश शुक्ल के हवाले से निर्गत हुआ है।

सीएम युवा मिशन,स्वरोजगार की दौड़ में जौनपुर जनपद बना प्रदेश में नंबर-1

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

जौनपुर। उत्तर प्रदेश सरकार का सीएम युवा योजना प्रदेश के युवाओं की पहली पसंद बन गयी है।इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में प्रदेश भर में पौने चार लाख से अधिक आवेदन आए, जबकि योगी सरकार ने इस वित्तीय वर्ष के लिए 1.5 लाख ऋण वितरण का लक्ष्य रखा था। आंकड़ों से साफ है कि सीएम युवा योजना युवाओं को आकर्षित कर रही है और वह इससे जुड़कर अपने सपनों को साकार कर रहे हैं।योजना का शत प्रतिशत लाभ देने में प्रदेश के सभी जिलों को पछाड़ते हुए जौनपुर ने पूरे उत्तर प्रदेश में बेहतर मुकाम हासिल कर प्रथम स्थान प्राप्त कर अपनी कार्यकुशलता का परचम लहरा दिया है।इस उपलब्धि के पीछे जिलाधिकारी डॉ दिनेश चंद्र सिंह का नेतृत्व और उनकी संवेदनशील कार्यशैली को अहम माना जा रहा है। इस योजना के तहत वित्तीय वर्ष 2025-26 में 1.5 लाख लक्ष्य के सापेक्ष पूरे प्रदेश से तीन लाख 86 हजार 092 युवाओं ने ऋण के लिए आवेदन किया। इनमें तीन लाख 30 हजार 441 आवेदनों को बैंक को अग्रसारित किया गया। एक लाख 45 हजार 454 आवेदनों को बैंक ने लोन देने पर स्वीकृति दी। अब तक एक लाख 38 हजार 304 युवाओं को स्वरोजगार के लिए लोन वितरित किया जा चुका है।

सीएम युवा योजना का शत प्रतिशत लाभ देने में पूरे प्रदेश में जौनपुर ने प्रथम स्थान प्राप्त किया है।जौनपुर जनपद को विकास मुख्यधारा से जोड़ने वाले, जनलोकप्रिय, कृत्यवनिष्ठ व न्यायप्रिय जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी की मंशा के अनुरूप जिले में विशेष अभियान चलाकर युवाओं को स्वरोजगार के लिए बैंकों से संपर्क कर लोन उपलब्ध कराया जा रहा है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में जिले को अभियान के तहत दो हजार 700 युवाओं को ऋण उपलब्ध कराने का लक्ष्य दिया गया था। इसके सापेक्ष नौ हजार 785 आवेदन प्राप्त हुए। उनमें आठ हजार 406 आवेदन बैंकों को भेजे गए। इनमें चार हजार 092 आवेदकों को ऋण वितरित किया जा चुका है। ऐसे में लक्ष्य के सापेक्ष 151.56 प्रतिशत ऋण वितरण किया गया। जिलाधिकारी श्री सिंह ने बताया कि लक्ष्य से अधिक ऋण वितरित कर जौनपुर ने पूरे प्रदेश में पहला स्थान प्राप्त किया है। पूरे वित्तीय वर्ष जौनपुर की स्थिति पहले स्थान पर बनी रही।इसी क्रम में बताते चले कि जिलाधिकारी की सख्ती और कुशल निर्देशन का ही असर रहा जो सीएम युवा मिशन स्वरोजगार की दौड़ में बेहतर स्थिति हासिल की है।

युवाओं के लिए कृषि में अपार संभावनाएं, स्वरोजगार के नए रास्ते खोल रहा क्षेत्र

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिद्धार्थनगर। कृषि विज्ञान केंद्र सोहना के कृषि वैज्ञानिक डॉ प्रवेश कुमार देहाती ने युवाओं के लिए कृषि क्षेत्र को रोजगार और स्वरोजगार का बेहतर माध्यम बताया गया है। उन्होंने ने बताया कि भारत एक कृषि प्रधान देश है, जहां आधे से अधिक लोग प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से कृषि पर निर्भर हैं। आज भी कृषि न केवल आजीविका का मुख्य स्रोत है, बल्कि उद्योगों के लिए कच्चा माल उपलब्ध कराकर अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान कर रही है।डा0प्रवेश कुमार ने बताया कि उत्तर प्रदेश में कृषि एवं तकनीकी शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए चार प्रमुख कृषि विश्वविद्यालय चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कानपुर, आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कुमारगंज अयोध्या, सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय मेरठ एवं बांदा कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, बांदा में विभिन्न विषयों में स्नातक, परास्नातक एवं पीएचडी स्तर के पाठ्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं, जिनमें युवा अपनी रुचि के अनुसार प्रवेश ले सकते हैं।आधुनिक समय में कृषि विज्ञान, पशु चिकित्सा, जैव प्रौद्योगिकी, खाद्य प्रसंस्करण, बागवानी, कुक्कुट पालन, मधुमक्खी पालन, मशरूम उत्पादन, डेयरी, मृदा विज्ञान, कृषि अभियांत्रिकी, कृषि अर्थशास्त्र एवं कृषि प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में करियर की व्यापक संभावनाएं हैं। युवा न केवल उच्च शिक्षा प्राप्त कर देश-विदेश में अध्ययन कर सकते हैं, बल्कि कृषि आधारित उद्योग और व्यवसाय शुरू कर आत्मनिर्भर भी बन सकते हैं।

विज्ञप्ति में यह भी बताया गया कि देश में स्थापित विभिन्न कृषि अनुसंधान संस्थानों, विश्वविद्यालयों एवं कृषि विज्ञान केंद्रों में वैज्ञानिक एवं विशेषज्ञ के रूप में कार्य कर युवा शोध, शिक्षा एवं प्रसार के माध्यम से किसानों और देश की सेवा कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त निजी क्षेत्र की राष्ट्रीय एवं बहुराष्ट्रीय कंपनियों में भी रोजगार के अनेक अवसर उपलब्ध हैं।कृषि एवं विज्ञान वर्ग से इंटरमीडिएट उत्तीर्ण या इस वर्ष परीक्षा देने वाले छात्र-छात्राएं शैक्षिक सत्र 2026-27 के लिए उत्तर प्रदेश के कृषि विश्वविद्यालयों में प्रवेश हेतु आवेदन कर सकते हैं। इसके लिए बांदा कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, बांदा द्वारा आयोजित उत्तर प्रदेश कृषि एवं प्रौद्योगिकी संयुक्त प्रवेश परीक्षा के लिए 30 मार्च 2026 से 30 अप्रैल 2026 तक ऑनलाइन आवेदन किए जा सकते हैं। प्रवेश परीक्षा 10 और 11 जून 2026 को प्रदेश के विभिन्न शहरों बांदा, अयोध्या, आगरा, बरेली, कानपुर, मेरठ, वाराणसी, आजमगढ़, झांसी, लखनऊ, गोरखपुर एवं प्रयागराज में आयोजित की जाएगी।कृषि वैज्ञानिक डॉ. प्रवेश कुमार देहाती ने युवाओं से अपील की है कि वे कृषि क्षेत्र में उपलब्ध इन अवसरों का लाभ उठाकर अपने भविष्य को संवारें और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में योगदान दें।

स्पोर्ट्स स्टेडियम में हुए क्रिकेट मैच में अमेठी की टीम हुई विजई

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रतापगढ़। स्पोर्ट्स स्टेडियम प्रतापगढ़ में शुक्रवार को समर वेकेशन कप के अंतर्गत तीसरे दिन का पहला मैच स्टेडियम बॉयज और ड्रीम चेंजर अकादमी के अमेठी बीच हुआ, जिसका टास जीतकर स्टेडियम बॉयज ने 20 ओवर 10 विकेट खोकर 108 रन बनाए। स्टेडियम बॉयज की तरफ से संस्कार ने 18 रन व अनिमेष ने 19 रन बनाए। ड्रीम क्रिकेट एकेडमी अमेठी की टीम की तरफ से सौरभ यादव ने 2 विकेट और अतुल ने 4 विकेट लिए।जवाब में उतरी ड्रीम चेंजर अकादमी अमेठी की टीम ने 17 ओवर में 7 विकेट खोकर 110 रन बनाकर यह मैच जीत लिया। ड्रीम चेंजर क्रिकेट एकेडमी अमेठी की तरफ से सौरव यादव ने शानदार 55 रन बनाए स्टेडियम बॉयज की तरफ से शुभम ने 2 विकेट व श्रेष्ठ ने 3 विकेट लिया और मैच अमेठी ने जीत लिया। इस मैच के निर्णायक प्रियांशु गौतम और आदर्श दुबे रहे। स्पोर्ट्स स्टेडियम प्रतापगढ़ में तीसरे दिन का दूसरा मैच आत्रेय अकादमी और गोमती ग्लोबल स्कूल के बीच खेला गया जिसमें आत्रेय अकादमी ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग करने का फैसला लिया और 20 ओवर में 130 रन 8 विकेट खोकर बनाया।आत्रेय अकादमी की तरफ से हसन ने शानदार पारी 55 रन की खेली। गोमती ग्लोबल की तरफ से दिव्यांशु ने 2 विकेट और सुमित ने 2 विकेट लिए। जवाब में उतरी गोमती ग्लोबल की टीम की तरफ से वरद घुले ने 19 रन व शुभम ने 22 रन बनाए।आत्रेय अकादमी की तरफ से सूर्यांश ने 2 विकेट लिए और 5 खिलाड़ी रन आउट हुए।निर्णायक अंशू गौतम एवं नितिन शर्मा रहे।

सिद्धार्थनगर में चार करोड़ के गबन में फरार आरोपी महिला गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिद्धार्थनगर - जिले के इटवा थाना क्षेत्र में किसानों से 4 करोड़ रुपये की ठगी और गबन के चर्चित मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। लंबे समय से फरार चल रही महिला को 3 अप्रैल शुक्रवार को गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तारी के बाद उसे गैंगस्टर एक्ट के तहत न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया। प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार मिश्र के नेतृत्व में इटवा थाना पुलिस और जिला एंटी थेफ्ट टीम की संयुक्त टीम ने फरार आरती जायसवाल को उसके इटवा स्थित आवास, वार्ड नंबर-8 गुरु गोविंद सिंह नगर से गिरफ्तार किया। पुलिस जांच के अनुसार, वर्ष 2024 में इस गिरोह ने सुनियोजित तरीके से सिद्धार्थनगर और बलरामपुर जनपद के सैकड़ों किसानों को निशाना बनाया। गिरोह के सदस्यों ने किसानों से बड़ी मात्रा में अनाज उधार लिया, लेकिन उसका भुगतान नहीं किया। इस प्रकार, लगभग 4 करोड़ रुपये मूल्य के अनाज का गबन किया गया। इस घटना के बाद से आरोपी फरार थे, जिससे किसानों में रोष और आर्थिक संकट था।

इस मामले में पुलिस ने पहले ही तीन अन्य अभियुक्तों सिद्धार्थ जायसवाल, कैलाश जायसवाल और सन्नो देवी-को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया था। मुख्य महिला अभियुक्ता आरती जायसवाल लगातार फरार चल रही थी। पुलिस उसकी गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दे रही थी और अंततः उसे उसके घर से गिरफ्तार करने में सफलता मिली। इस मामले में इटवा थाना में वर्ष 2024 में धारा 406 और 120बी भारतीय दंड संहिता के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। इसके अतिरिक्त, कठेला समय माता थाना में भी वर्ष 2024 में धारा 406 भादंवि के तहत एक और मुकदमा दर्ज है। गिरोह की संगठित आपराधिक गतिविधियों को देखते हुए गैंगस्टर एक्ट के तहत भी कार्रवाई की गई है।

नव चयनित नायब तहसीलदार अवंतिका हुई सम्मानित, खुशी का माहौल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज, प्रतापगढ़। नगर पंचायत के जैनपुर वार्ड में शुक्रवार को शिक्षक अजीत शुक्ला की पुत्री नव चयनित नायब तहसीलदार अवंतिका शुक्ला का ग्रामीणों द्वारा समारोहपूर्वक सम्मान किया गया। सफलता के बाद अवंतिका गांव पहुंची तब परिजनो व ग्रामीणों में खुशी का माहौल दिखा। बड़ी संख्या में लोग अजीत शुक्ला के आवास पर पहुंचे और बेटी की सफलता पर खुशी का इजहार किया। नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि संतोष द्विवेदी तथा क्षेत्रीय विधायक आराधना मिश्रा मोना के मीडिया प्रभारी ज्ञानप्रकाश शुक्ल ने भी नव चयनित नायब तहसीलदार अवंतिका को बुकें तथा स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया। स्वागत सह संयोजिका माधुरी शुक्ला व आभार प्रदर्शन अंजली शुक्ला ने किया। कार्यक्रम का संयोजन आईपी मिश्र व संचालन एवं अधिवक्ता श्रीशचंद्र पाण्डेय ने किया। इस मौके पर प्रेमशंकर तिवारी, प्रदीप मिश्र, निशा मिश्रा, दिनेशपाल मिश्र, श्रीराम तिवारी, चंदन तिवारी, अंकित शुक्ला, सोनू मिश्र, विनय पाण्डेय आदि रहे।

कार्यालय-ग्राम पंचायत मधुबनी वि.खं. नौगढ़, सिद्धार्थनगर

पत्रांकः मेमो/निविदा/सामग्री/2026-27

अल्पकालीन निविदा सूचना

ग्राम पंचायत मधुबनी द्वारा राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारण्टी योजना (VB- G RAM-G)/पन्द्रहवां वित्त पंचम राज्य वित्त आयोग/स्वच्छ भारत मिशन एस.एल.डब्ल्यू.एम. सांसद/विधायक /एम.एल.सी निधि आदि योजना अंतर्गत वर्ष 2026-2027 में स्वीकृत योजनाओं के अन्तर्गत कराये जाने वाले कार्यों में प्रयोग हेतु सामग्री आपूर्ति हेतु (प्रथम श्रेणी ईट, सीमेण्ट ईट की गिट्टी, पत्थर की गिट्टी, सरिया, पैंट, साइनबोर्ड, हयूमपाइप, स्ट्रीट लाईट, सफाई सामग्री, ठेला, सादा बालू मोरंग, कुढ़ापात्र, प्लास्टिक बैंक, ई-रिक्शा, साइकिल, ई-रिक्शा मरम्मत, स्वच्छता किट, इन्सीनीरेटर आदि एवं अन्य सरकारी निर्माण में प्रयुक्त सामग्री आदि) की आवश्यकता है। इस निमित निविदा आमन्त्रित की जाती है। इच्छुक आपूर्तिकर्ता द्वारा दिनांक. 11-04-2026 को 11 बजे तक आपूर्ति हेतु अपनी निविदा फार्म रूपया 100.00 रु. स्टाम्प पेपर तथा वांक्षित प्रपत्र बन्द लिफाफे में कार्यालय स्थान ग्राम पंचायत मधुबनी निविदा बाक्स में डाला जाएगा। निविदा उसी दिन 12 बजे निविदाताओं के समक्ष खोला जाएगा।

1. अधिकृत फर्म/अधिकृतं डीलर का जी.एस.टी. रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है 03 वर्ष का आयकर क्लियरेंश संलग्न करना अनिवार्य है।
2. जी.एस.टी. तथा कार्टेज चार्ज जोड़कर ही दरें प्रस्तुत की जाय।
3. आपूर्तिकर्ता को आपूर्ति पर 2.28 प्रतिशत आयकर/टीडीएस देना होगा।
4. प्रस्तुत दरें पी.डब्लू.डी. द्वारा स्वीकृत से अधिक मान्य नहीं होगी। पी. डब्लू डी के समयानुसार तय दर पर ही भुगतान की जाएगी।
5. ग्राम पंचायत सचिव/ग्राम प्रधान, रोजगार सेवक, पंचायत सहायक, टीए, अवर अभियन्ता के सगे सम्बन्धी एवं रिश्तेदार द्वारा निविदा प्रस्तुत नहीं की जाएगी।
6. धरोहर की धनराशि मु. 5000.00 (पांच हजार) है।
7. धरोहर की राशि राष्ट्रीयकृत बैंकों के एफडीआर/एनएसेंसी एवं डाकघर के बचत पत्र जो सचिव ग्राम पंचायत के नाम बंधक हो की। मूल प्रति संलग्न करना अनिवार्य है।
8. निविदा स्वीकृत होने के उपरांत ग्राम प्रधान/सचिव ग्राम पचायत द्वारा आदेश देने पर ही सामग्री की आपूर्ति की जाएगी।
9. आदेश देने के सात दिनों के अन्दर सामग्री आपूर्ति न करने की दशा में धरोहर की धनराशि जप्त कर ली जाएगी।
10. सामग्री की आपूर्ति स्वीकृतदर से निर्धारित कार्यस्थल पर करनी होगी।
11. सामग्री की मात्रा कार्य के अनुसार घटाई व बढ़ाई जा सकती है।
12. आपूर्तिकर्ता को भुगतान का. इंजिनियर/अवर अभियन्ता (ग्रा.अभि. 14.) / तक. सहायक द्वारा सामग्री की गुणवत्ता प्रमाणित होने तथा मापन के उपरान्त किया जाएगा। गुणवत्ता में कमी पाये जाने पर भुगतान नहीं की जायेगा।
13. निविदा फार्म ग्राम पंचायत कार्यालय से प्राप्त प्रपत्र 100.00 रुपये है, पर ही स्वीकार किया जायेगा।
14. निविदा फार्म किसी भी कार्य दिवस में ग्राम पंचायत कार्यालय से निर्धारित मूल्य देकर प्राप्त किया जा सकता है।
15. निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार ग्राम प्रधान सचिव ग्राम पंचायत के पास होगा।
16. निविदा के सम्बन्ध में अन्य जानकारी सचिव ग्राम पंचायत मधुबनी से किसी भी कार्य दिवस में प्राप्त की जा सकती है।
17. जिस कार्य कि निविदा पृथक से निकाली जाएगी उस कार्य पर इस निविदां की शर्तें लागू नहीं होगी।

अमजद अली
ग्राम प्रधान
ग्राम पंचायत मधुबनी
विकास खण्ड-नौगढ़ सिद्धार्थनगर

अमित कुमार जयसवाल
ग्रा.वि.अ./सचिव
ग्राम पंचायत मधुबनी
विकास खण्ड-नौगढ़ सिद्धार्थनगर

संक्षिप्त खबरें

दिल्ली मेट्रो ने टाइम टेबल में किया बदलाव, रविवार को सुबह 3 बजे से शुरू होंगी सेवाएं

नई दिल्ली। दिल्ली मेट्रो ने रविवार को यात्रियों के लिए विशेष व्यवस्था की है। 5 अप्रैल (रविवार) को जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में होने वाले इस मैराथन में हिस्सा लेनेवाले लोगों को सुविधा प्रदान करने के लिए येलो, ब्लू और वायलेट लाइन पर मेट्रो सेवाएं सुबह 3 बजे से शुरू होंगी। ये ट्रेनें 6 बजे तक हर 30 मिनट के अंतराल पर चलेंगी। उसके बाद अपने समय-सारणी के अनुसार ही सेवाएं जारी रहेंगी। येलो लाइन पर समयपुर बादली से मिलेनियम सिटी सेंटर गुरुग्राम तक, ब्लू लाइन पर द्वारका सेक्टर-21/द्वारका से नोएडा इलेक्ट्रॉनिक सिटी/वैशाली तक और वायलेट लाइन पर कश्मीरी गेट से राजा नाहर सिंह तक सुबह 3 बजे से विशेष सेवाएं उपलब्ध होंगी। अन्य सभी मेट्रो लाइनों पर सेवाएं अपने नियमित रविवार के टाइमटेबल के अनुसार ही शुरू होंगी।

जल्दी स्टेडियम पहुंचने में मिलेगी मदद

यह व्यवस्था मैराथन में भाग लेने वाले खिलाड़ियों और दर्शकों को सुबह जल्दी स्टेडियम पहुंचने में मदद करेगी। दिल्ली मेट्रो ने आधिकारिक रूप से इसकी जानकारी सोशल मीडिया पर साझा की है।

सिग्नेचर ब्रिज यू-टर्न से दिल्ली वालों को मिली बड़ी राहत, अब 5 किलोमीटर लंबा चक्कर नहीं काटना पड़ेगा

पूर्वी दिल्ली। सिग्नेचर ब्रिज के पास यू-टर्न बनने से वाहन चालकों ने राहत ली है। दिल्ली सहारनपुर देहरादून हाईवे के एलिवेटेड रोड व खजूरी फ्लाईओवर पर चलाने वाले चालकों को भजनपुरा, करावल नगर, सोनिया विहार व उस्मानपुर जाने के लिए सिग्नेचर ब्रिज को पार करते हुए पांच किलोमीटर का अतिरिक्त चक्कर लगाना पड़ता था। यू-टर्न लेने के लिए तीमारपुर व मजनूं का टीला जाना पड़ रहा था। नया यू-टर्न बनने से वाहन चालकों का समय और ईंधन दोनों बच रहे हैं। एनएचएआई ने उस्मानपुर पुश्ता रोड पर दिल्ली सहारनपुर देहरादूर हाइवे बनाया है। दिल्ली से करावल नगर तक एलिवेटेड रोड बनाया हुआ है।

खजूरी चौक तक बनाया गया लूप

गीता कॉलोनी से पुलिस कैंप तक एलिवेटेड रोड बनाया है। इस एलिवेटेड रोड से नीचे उतरने के लिए एनएचएआई ने खजूरी चौक पर लूप बनाया है, जो सिग्नेचर ब्रिज पर उतरता था। वहीं पीडब्ल्यूडी का खजूरी फ्लाईओवर पर सीधे सिग्नेचर ब्रिज पर उतरता था। दोनों ही रास्तों से अगर किसी को उस्मानपुर, भजनपुरा, श्रीराम कालोनी, यमुना विहार, चांदबाग जाना है तो वाहन चालकों को मजनूं का टीला और तीमारपुर से यू-टर्न लेकर आना पड़ता था। एलिवेटेड रोड गत चार माह पहले ही शुरू हुआ है, जबकि खजूरी फ्लाईओवर पिछले कई वर्षों से बना हुआ है। वाहन चालक इससे बहुत परेशान थे। पिछले साल केंद्रीय राज्यमंत्री हर्ष मल्होत्रा ने उत्तर पूर्वी जिला विकास समिति चेयरमैन अजय महावर के साथ खजूरी चौक का निरीक्षण किया था। उस दौरान चेयरमैन ने मंत्री से कहा कि था कि सिग्नेचर ब्रिज के पास यू-टर्न बनना चाहिए। अब जाकर यह यह यू-टर्न बना है। अजय महावर ने कहा कि बिना वजह वाहन चालकों को तीमारपुर व मजनूं का टीला जाना पड़ता था। वाहनों का दबाव ज्यादा होने से वहां जाम भी रहता था। यू-टर्न के लिए पांच किलोमीटर अतिरिक्त नहीं घूमना पड़ेगा।

असम में डबल इंजन सरकार को खींचने के लिए रथी-महारथियों के उमड़ी भीड़

● भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन, गृह मंत्री अमित शाह, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री

● योगी आदित्यनाथ ने किया चुनाव प्रचार सभा।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

असम धेमाजी। 9अप्रैल 2026 को असम विधान सभा के चुनाव के दिन निर्धारित होने के बाद असम में सत्ताधारी पार्टी भाजपा एवं विपक्ष दोनों दलों ने चुनाव प्रचार में तेज करते हुए दिखाई दे रही हैं। आज तेजपुर जिले कि बरसोला चुनावी क्षेत्रो के घूराबंधा में भाजपा दल के उम्मीदवार रितु वरण शर्मा और बरपेटा चुनावी क्षेत्रो के एन डी ए गठबंधन समर्थित उम्मीदवार दीपक कुमार दास के लिए चुनाव प्रचार सभा में भाग लेकर उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कांग्रेस और ए आई यू डी एफ को कड़ी आलोचना करते हुए कहा कांग्रेस के समय में असम में घुसपैठियों का राज था दोनों दलों ने बांग्लादेशी घुसपैठियों के लिए कार्य करता था। असम में भाजपा सरकार जब से सत्ता में आया है असम में विकाश और शांति सारों तरफ़ खुशहाली दिखाई दे रही है, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और असम के मुख्यमंत्री हेमंत विश्व शर्मा के नेतृत्व में असम के मुख्यमंत्री डॉ हीमंता बिस्वा शर्मा और मोदी जी के नेतृत्व में असम अब विकास के मार्ग में है असम सरकार बेरोज़गारी को 1 लाख सरकारी नौकरियों देनेकी बात कर 165000 हज़ार नौकरियों दिया है। अगले बार सरकार आने से 2 लाख बेरोजगारों को सरकारी नौकरियों देनी की असम सरकार के घोषणापत्र का जिक्र करते हुए पलाशबारी, कोलियाबोर ओर गौवालपाड़ा में बड़े पैमाने में आयोजित भाजपा उम्मीदवारों के लिए प्रचार सभा में भाग लिया। वही केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने चुनावी प्रचार में भाग लेकर असम के विकास के बारे में जिक्र करते हुए कहा कि 2019 में डॉ भूपेन हजारिका को भारत रत्न, अटल बिहारी वाजपेई जी ने 1999 में गोपीनाथ बरदोलोई को भी भारत रत्न दिया था। असम के वैष्णव परंपरा श्रीमंत शंकर देव और माधव देव के परम्परा को आगे बढ़ाया।

दूसरी ओर भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने दरंग जिले में चुनावी प्रचार सभा में भाग लेकर जिले के दो चुनावी क्षेत्रो के भाजपा उम्मीदवारों नीलाम देवी, सहित भाजपा उम्मीदवारों के लिए प्रचार सभा में भाग लिया। वही केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने चुनावी प्रचार में भाग लेकर असम के विकास के बारे में जिक्र करते हुए कहा कि

बलिया कोतवाली पुलिस ने अपहरण, दुष्कर्म और पॉक्सो एक्ट के एक वांछित आरोपी को गिरफ्तार

बलिया कोतवाली पुलिस ने अपहरण, दुष्कर्म और पॉक्सो एक्ट के एक वांछित आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर शुक्रवार को न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। पुलिस के मुताबिक, उप निरीक्षक रंजीत विश्वकर्मा के नेतृत्व में गठित टीम ने मुखबिर की सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए आरोपी को शनिचरी मंदिर के पास से दबोच लिया। गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान अमित कुमार उर्फ सोनू ठठेरा पुत्र पारसनाथ के रूप में हुई है, जो यारपुर बेदुआ, थाना कोतवाली, जनपद बलिया का निवासी है। बताया जा रहा है कि आरोपी के खिलाफ अपहरण, दुष्कर्म और पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज था और वह फरार चल रहा था। पुलिस ने गिरफ्तारी के बाद आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करते हुए आरोपी को न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि जिले में अपराध और अपराधियों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा और किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा।

ए.एन.एम. महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता अपनी जायज मांगों को लेकर

● मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को घेरा ज्ञापन पर शीघ्र कार्यवाही की मांग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

शहडोल- ए.एन.एम. संवर्ग की मांगे समयमान वेतनवृद्धि डी.ए. एरियर्स. एच. आर. ए., टी. व्ही. आई. अन्य क्षेत्रों में टीकाकरण करने का 525रू. प्रति सत्र कटे हुए वेतन का भुगतान की बहाली एवं कई विन्दुओं पर सैकड़ों ए.एन.एम. कार्यकर्ता आज सायं 5.00 बजे मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय को घेरा मजबूर होकर जिला चिकित्सा अधिकारी मिश्रा को कार्यालय के समक्ष आकर विधि संवत ज्ञापन लेकर ज्ञापन पर निराकरण की बात कहीं।

ए.एन.एम. का आरोप है कि विभाग के अन्य कैडर का वेतन नही काटा जाता, केवल हमी लोगों को वेतन क्यो काटा जाता है, इस तरह का सौतेला व्यवहार वर्तमान सी.एम.एच.ओ. द्वारा करना न्याय संगत नही है। ज्ञापन में यह भी कहा गया है कि आप द्वारा अनाधिकृत रूप से मानसिंक व आर्थिक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा है, जबकि विभाग के सभी लक्ष्य और राष्ट्रीय कार्यक्रम की पूर्ति केवल ए.एन.एम. के द्वारा की जाती है। टीकाकरण एच.पी.व्ही. वेक्षिनेषन से लेकर सभी कार्य सम्पादित किया जाता है, इसके बावजूद भी 15-20 दिन का वेतन काटा जाता है, ए.एन.एम. को मानसिक एवं आर्थिक रूप से प्रताड़ित किया जाना उचित नही है। आज के ज्ञापन में 07 दिवस के अन्दर भुगतान एवं अन्य मांगों का निराकरण न किया गया तो ए.एन.एम. अनिष्चित कालीन हड़ताल पर चली जाएगी, जिसकी जिम्मेदारी जिला प्रषासन के साथ मुख्य चिकित्सा स्वास्थ्य अधिकारी की होगी। ज्ञापन सौपते समय अंजनी सोनवानी अध्यक्ष, सावित्री सिंह, जिला सचिव, रेखा ज्ञान चंदानी कोषाध्यक्ष सावित्री सिंह उईके, कुसुम वर्मा, सुनीता तिवारी उपाध्यक्ष, प्रभा सिंह, ललित सिंह मार्को सह सचिव, राजकुमारी टांड़िया, जयंती संत, मीडिया प्रभारी प्रतीक्षा दुबे प्रवक्ता, अम्बेष्वरी सिंह, सत्यरूपा पटेल, चित्रलेखा सोनी, गिरजा सिंह, संध्या त्रिपाठी, देवकी राठौर, उर्मिला प्रजापति, ज्ञान प्रभा सिंह, जिला कार्यकारणी सदस्य के साथ सैकड़ों ए.एन.एम. कार्यकर्ता उपस्थित रही।

श्रीभूमि जिले के पाथारकांदी दलग्राम घटना की तीव्र निंदा, दोषियों को सज़ा देने की मांग पर विभिन्न गाँवों में विरोध सभाएं

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

श्रीभूमि- श्रीभूमि जिले के पाथारकांदी विधानसभा क्षेत्र के काजीरबाजार-पलडहर जीपी के दलग्राम में हुई घटना को लेकर क्षेत्र में तीव्र तनाव व्याप्त है। स्थानीय अल्पसंख्यक समुदाय ने इस घटना की कड़ी निंदा करते हुए दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग उठाई है। आज 3 अप्रैल (शुक्रवार) जुम्मा नमाज के बाद लालछड़ा जामा मस्जिद, भैरवनगर जामा मस्जिद, गुलालकांदी जामा मस्जिद, गाजीटिला जामा मस्जिद और मूलियाला जामा मस्जिद सहित विभिन्न स्थानों पर विरोध सभाओं का आयोजन किया गया। इन सभाओं में उपस्थित लोगों ने दलग्राम की घटना को लोकतांत्रिक माहौल के खिलाफ और अत्यंत निंदनीय बताया।

वक्ताओं ने आरोप लगाया कि 31 मार्च को कृष्णेंदु पाल के काफिले पर हुआ हमला एक दुखद और निंदनीय घटना है। उन्होंने मांग की कि इस घटना में शामिल लोगों की जल्द पहचान कर उन्हें कड़ी सज़ा दी जाए। स्थानीय निवासियों ने इस घटना के लिए कृष्णेंदु पाल के प्रति दुख व्यक्त करते हुए क्षमा याचना की। उन्होंने यह भी कहा कि अल्पसंख्यक समाज कृष्णेंदु पाल के साथ है और भविष्य में भी उनका समर्थन जारी रहेगा। उल्लेखनीय है कि गत 31 मार्च को जिले के काजीरबाजार-पलडहर जीपी के दलग्राम में एक चुनावी सभा के बाद लौटते समय दलग्राम रेलवे गेट के पास कांग्रेस के चुनाव कार्यालय के सामने यह हमला हुआ, ऐसा आरोप लगाया गया है। इस घटना में भाजपा युवा मोर्चा के अध्यक्ष शंकर देवनाथ घायल हुए हैं।

कड़कड़डूमा कोर्ट ने दिल्ली दंगा मामले में नौ आरोपियों को किया बरी, गवाहों के बयान विरोधाभासी पाए गए

दिल्ली। कड़कड़डूमा कोर्ट ने 2020 के उत्तर-पूर्वी दिल्ली दंगों से जुड़े एक मामले में नौ आरोपितों को बरी कर दिया है। अदालत ने कहा कि अभियोजन पक्ष गवाहों के अस्पष्ट, विरोधाभासी और अविश्वसनीय बयानों के कारण अपना मामला साबित करने में विफल रहा। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश प्रवीन सिंह ने कहा कि अभियोजन का मामला तीन प्रमुख गवाहों के बयानों पर आधारित था, जिनकी गवाही भरोसेमंद नहीं पाई गई। अदालत के अनुसार गवाहों के बयान सामान्य थे और घटनास्थल को लेकर स्पष्टता का अभाव था। घटना की तारीख को लेकर भी गंभीर विरोधाभास मामले में घटना की तारीख को लेकर भी गंभीर विरोधाभास सामने आया। जांच अधिकारी ने घटना 24 फरवरी 2020 बताई, जबकि रिकार्ड में 25 फरवरी का जिक्र मिला। पीड़ित के अनुसार 24 फरवरी की शाम तक उसकी दुकान सुरक्षित थी, जिससे उस दिन आगजनी होने पर संदेह पैदा हुआ। अदालत ने यह भी कहा कि पीड़ित ने तारीख में गलती की जानकारी पुलिस को दी थी, लेकिन इसे नजरअंदाज कर दिया गया।

संकुल केंद्र करकटी में 'प्रवेश उत्सव' का भव्य आयोजन

● शिक्षा की अलख जगाने जुटे ग्रामीण और जनप्रतिनिधि

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

शहडोल 01 अप्रैल, 2026 शिक्षा के नए सत्र का आगाज उत्साह और उमंग के साथ करने के उद्देश्य से आज संकुल केंद्र करकटी में 'प्रवेश उत्सव' का गरिमामयी आयोजन किया गया। शासन के निर्देशानुसार आयोजित इस कार्यक्रम का मुख्य ध्येय नव-प्रवेशी छात्र-छात्राओं का स्वागत करना और समाज में शिक्षा के प्रति जागरूकता फैलाना रहा। कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधियों, शिक्षकों, अभिभावकों और नन्हे-मुन्ने बच्चों की उपस्थिति ने विद्यालय परिसर को उत्सव के रंग में सराबोर कर दिया।

अतिथियों का स्वागत और दीप प्रज्वलन

कार्यक्रम का शुभारंभ भारतीय परंपरा के अनुरूप माँ सरस्वती के पूजन और दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में स्थानीय सरपंच कौशल्या बैगा उपस्थित रहीं। वहीं, विशिष्ट अतिथि के रूप में Educate girls संस्था से प्रतिनिधि रामनिवास कुशवाहा ने शिरकत की। विद्यालय परिवार द्वारा अतिथियों का पुष्पगुच्छ और तिलक लगाकर आत्मीय स्वागत किया गया।

शिक्षा ही विकास की पहली सीढ़ी: संकुल प्राचार्य राजेश मिश्रा

मुख्य अतिथि श्रीमती कौशल्या बैगा ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि किसी भी समाज या क्षेत्र का विकास केवल शिक्षा के माध्यम से ही संभव है। उन्होंने विशेष रूप से जनजातीय क्षेत्रों में बालिकाओं की शिक्षा पर जोर देते हुए कहाः 'आज के दौर में बेटा और बेटी में कोई भेद नहीं है। एक शिक्षित बेटी दो घरों को रोशन करती है। सरपंच होने के नाते मेरा प्रयास रहेगा कि करकटी संकुल के अंतर्गत आने वाले हर घर का बच्चा स्कूल पहुँचे और अपनी प्रतिभा को निखारे। 'उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि वे खेती-किसानी और मजदूरी के कामों के बीच बच्चों की पढ़ाई को प्रभावित न होने दें और उन्हें नियमित स्कूल भेजें।

विद्यार्थियों के जीवन में अनुशासन का महत्व रामनिवास कुशवाहा

विशिष्ट अतिथि educate girls संस्था से श्री रामनिवास कुशवाहा ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें जीवन में लक्ष्य निर्धारित करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि छात्र जीवन वह आधारशिला है, जिस पर भविष्य की इमारत खड़ी होती है।

उन्होंने अपने संबोधन में कहा,'1 अप्रैल केवल कैलेंडर की तारीख नहीं, बल्कि उन बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की शुरुआत है जो आज पहली बार स्कूल की दहलीज पर कदम रख रहे हैं। सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं का लाभ उठाएं और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त कर जिले व प्रदेश का नाम रोशन करें।' उन्होंने शिक्षकों से भी आग्रह किया कि वे बच्चों को किताबी ज्ञान के साथ-साथ नैतिक मूल्यों की शिक्षा भी प्रदान करें। कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाने में संकुल के जनशिक्षको और वरिष्ठ शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। इस अवसर पर जन शिक्षक एवं दीप नारायण पाठक विशेष रूप से उपस्थित रहे। साथ ही शैक्षणिक स्टाफ में शामिल रवि शंकर द्विवेदी, विप्रण वति सिंह,सविता सोनी अंजना माझी,पुष्प लता कुशवाहा, प्रभा मिश्रा, विमला पटेल उपस्थित रहे।

आनंद विहार में देश का बड़ा फास्ट ईवी चार्जिंग स्टेशन शुरू, 10 इलेक्ट्रिक वाहनों को 30 मिनट में कर सकता है चार्ज

पूर्वी दिल्ली। यमुनापार के आनंद विहार स्टेशन पर राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र परिवहन निगम (एनसीआरटीसी) द्वारा इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) चार्जिंग के लिए 480 किलोवाट क्षमता वाली 10 हाई-वोल्टेज चार्जिंग यूनिट लगाई गई हैं। इसके लगने से आसपास के क्षेत्रों सहित यात्रियों को भी पुरा लाभ मिलेगा। यह चार्जिंग स्टेशन एक ही समय में 10 इलेक्ट्रिक वाहनों को तेज़ी से व बैट्री को आधे घंटे में 80 प्रतिशत तक चार्ज करने में सक्षम है। यह चार्जिंग स्टेशन अब तक का सबसे बड़ा फास्ट ईवी स्टेशन है।

एप की मदद से आसान होगा काम

इलेक्ट्रिक वाहन इस्तेमाल करने वाले लोग इलेक्ट्रीफाई मोबाइल एप्लिकेशन की मदद से इस सुविधा का लाभ उठा सकते हैं। इस एप को गूगल प्ले स्टोर से डाउनलोड किया जा सकता। स्लाट बुक करने के बाद ई-वाहन को कुछ ही मिनटों में चार्ज किया जा सकता हैं। इस एप के जरिए उपयोगकर्ता अपने वाहन की चार्जिंग स्थिति की रीयल-टाइम मानिटरिंग कर सकते हैं और डिजिटल माध्यम से आसानी से भुगतान भी कर सकते हैं।

8 स्टेशनों पर ई-वाहन चार्जिंग की सुविधा उपलब्ध

आनंद विहार में इस सुविधा के आरंभ होने के साथ ही अब साहिबाबाद, गुलधर, दुहाई, मुरादनगर, मोदीनगर साउथ, मोदीनगर नार्थ और मेरठ साउथ सहित कॉरिडोर के कुल 8 स्टेशनों पर ई-वाहन चार्जिंग की सुविधा उपलब्ध हो गई है। इन स्टेशनों पर फास्ट और सामान्य दोनों श्रेणी के चार्जिंग स्टेशन स्थापित किए गए हैं।

युवराज सिंह ने संन्यास के बाद कमेंट्री क्यों नहीं की भारतीय क्रिकेटर ने तीखा प्रहार करके किया खुलासा

● युवराज सिंह ने कमेंट्री नहीं करने का कारण बताया

युवराज सिंह ने 2019 में क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास लिया

युवराज सिंह ने कई बिजनेस में निवेश किया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली। भारतीय टीम के पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह ने संन्यास के बाद कमेंट्री नहीं करने का प्रमुख कारण बताया है। युवी ने कहा कि वो उन लोगों के साथ काम नहीं करना चाहते, जिन्होंने उनके खिलाफ ही निजी टिप्पणी की थी। युवराज सिंह ने किसी कमेंटेटर का नाम नहीं लिया, लेकिन कहा कि कुछ बातें उनके दिल में अभी भी चुभती हैं क्योंकि यह उनकी क्रिकेट प्रतिभा से ज्यादा निजी जिंदगी संबंधित थीं। याद दिला दें कि युवराज सिंह ने 2019 में क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास लिया था।

युवी ने क्या किया?

युवराज सिंह संन्यास के बाद बिजनेस जगत में उतरे। उन्होंने रेस्टोरेंट और गोल्फ लीग में निवेश किया। इसके अलावा उन्होंने मेंटर की भूमिका निभाते हुए कई खिलाड़ियों को निजी कोचिंग दी। मगर वो कमेंट्री और ब्रॉडकास्टिंग से दूर रहे।

युवराज सिंह ने क्या कहा

पूर्व ऑलराउंडर ने स्पोर्ट्स तक से बातचीत में कहा, 'अब मैं रिटायर्ड हो चुका हूं तो यह कह सकता हूं। जो लोग मेरे बारें में बोलते थे, क्रिकेट के बारे में नहीं, लेकिन मुझ पर निजी टिप्पणी करते थे। मेरे ख्याल से अगर आप किसी के खेल के बारे में बात करें तो समझ आता है, यह खेल है। जब आप निजी हो जाते हैं, तो वो कमेंट्स जिंदगीभर आपके साथ रहते हैं। मैं बैठकर उन लोगों के साथ कमेंट्री नहीं कर सकता, जिन्होंने मेरे बारे में निजी टिप्पणी की। यही वजह है कि मैं कमेंट्री नहीं करना चाहता। खेल के बारे में बात करने के लिए कमेंट्री एक अच्?छी जगह है। मगर उस एक कारण से मैं कमेंट्री नहीं करना चाहता।'

संजू का बनाया करियर

युवराज सिंह ने अपने राज्य पंजाब के कुछ खिलाड़ियों का करियर बनाने में मदद की। हाल ही में उन्होंने संजू सैमसन की मदद की, जिन्होंने टी20 वर्ल्?ड कप 2026 में धमाकेदार प्रदर्शन किया। अब आईपीएल से पहले युवी ने ऋषभ पंत की मेंटरिंग की।

संजू को दिया ऑफर

युवराज सिंह ने बताया, 'संजू सैमसन 8-10 पारियों में फ्लॉप रहे और खराब दौर से गुजर रहे थे। तब आप कुछ कहना चाहते हैं कि मुझे कुछ बदलाव करने की जरूरत है। संजू उस चरण में पहुंच गए थे, जहां उन्?हें महसूस होने लगा कि प्लेइंग 11 में जगह नहीं बनती। वो दक्षिण अफ्रीका में दो शतक जमा चुके थे। 2024 में जब भारत ने बारबाडोस में टी20 वर्ल्?ड कप जीता, तब मेरी संजू से बात हुई। उस वर्ल्ड कप में संजू खेल नहीं रहे थे। मैंने दो-तीन आईपीएल सीजन में उनकी बल्लेबाजी देखी थी। मैंने उनसे कहा कि जब भी समय रहे तो हम बात करेंगे।' 44 साल के युवराज ने कहा, 'मैंने संजू से कहा कि तुम्हें अपना फुटवर्क सुधारने की जरूरत है। अगर तुम सुधार नहीं करोगे तो लगातार मुश्किलों से घिरे रहोगे। रन बनाना मुश्किल नहीं, लेकिन इसके लिए फुटवर्क का अच्छा होना जरूरी है। मैंने उन्हें कुछ आईडिया बताएं कि कैसे वो सुधार कर सकते हैं।'

आईपीएल 2026: छोटी उम्र में ही दिखने लगी थी समीर रिजवी की क्रिकेट प्रतिभा, यूं बने 'रैना 2.0'

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मेरठ। समीर रिजवी आईपीएल 2026। दिल्ली कैपिटल्स को पिछले आईपीएल सीजन में अंतिम जीत और वर्तमान सीजन में पहले जीत से आगाज कराने वाले क्रिकेट समीर रिजवी में क्रिकेट प्रतिभा छोटी उम्र में ही प्रकट होने लगी थी। समीर जो अपने क्रिकेटर मामा तनकीब अख्तर के साथ क्रिकेट मैदान में समय बिताते थे, कब गेंद को लपकने लगे, इसका किसी को अंदाजा नहीं था।

समीर रिजवी की संघर्ष की कहानी

वर्ष 2011 में यूपी और सौराष्ट्र के बीच एक रणजी मैच के दौरान बाउंड्री के बाहर फील्डिंग करते समय यूपी के तत्कालीन कप्तान सुरेश रैना की नजर समीर पर पड़ी और उन्होंने उनकी प्रशंसा की। इस प्रशंसा ने तनकीब को समीर का कोच बनने के लिए प्रेरित किया। मेरठ के अमरौली और बड़ा गांव में रहने वाले तनकीब खुद एक क्रिकेटर थे। कक्षा 12वीं के बाद, उन्होंने क्रिकेट में करियर बनाने के लिए शहर में अपनी बड़ी बहन के पास रहने का निर्णय लिया।

तनकीब छावनी स्थित गांधी बाग क्रिकेट मैदान में खेलने जाते थे और 2007-08 में उन्होंने गांधी बाग क्रिकेट अकादमी में कोचिंग शुरू की। समीर भी छोटी उम्र से उनके साथ मैदान पहुंच जाते थे और उनका अधिकांश समय क्रिकेट मैदान पर ही बीतता था। धीरे-धीरे समीर की फील्डिंग में निपुणता बढ़ने लगी और तनकीब ने उनकी ट्रेनिंग शुरू की। तनकीब ने बताया कि समीर ने अंडर-14 आयु वर्ग के पहले ही मैच में शतक जड़कर यूपीसीए के चयनकर्ताओं का ध्यान आकर्षित किया। 6 दिसंबर 2003 को मेरठ में जन्मे समीर दाएं हाथ के बल्लेबाज और ऑफ-ब्रेक गेंदबाज हैं। अंडर-19 विश्व कप टीम के लिए मजबूत दावेदार होने के बावजूद चयन न होना उनके लिए एक बड़ा झटका था। हालांकि उन्होंने निराश होने के बजाय अपने प्रदर्शन पर ध्यान केंद्रित रखा। समीर को उनके खेलने के अंदाज के कारण 'दाएं हाथ का सुरेश रैना' भी कहा जाता है। 16 साल की उम्र में 2020 में उत्तर प्रदेश के लिए प्रथम श्रेणी पदार्पण करने वाले समीर आज सफेद गेंद के क्रिकेट में एक निडर मध्यक्रम फिनिशर के रूप में अपनी पहचान बना चुके हैं।

'ऐश्वर्या अपना ख्याल खुद रख...' आराध्या की परेंटिंग को लेकर बोले अभिषेक बच्चन

● अभिषेक आराध्या के लिए बनना चाहते हैं आदर्श उदाहरण

● पेरेंटिंग में कुछ भी तय नहीं होता

● बच्चे देखकर सीखते हैं- अभिषेक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली। अभिषेक बच्चन अपनी पर्सनल लाइफ को ज्यादा शेयर नहीं करते। हालांकि उन्हें अक्सर पेरेंटिंग पर बात करते हुए देखा गया है। अभिषेक ने कई बार इस पर बात की है कि वो और ऐश्वर्या कैसे मिलकर आराध्या का ख्याल रखते हैं।

आराध्या की कैसे करते हैं परवरिश?

लिली सिंह से बातचीत में अभिषेक ने इस पर और गहराई से बात की। एक्टर ने बताया कि पेरेंटिंग को लेकर उनके और ऐश्वर्या के बीच में कोई प्री-डिफाइंड रोल नहीं है। उन्होंने कहा कि सिर्फ इसलिए कि वह एक पुरुष हैं, इसका मतलब यह नहीं है कि केवल वही आराध्या को आत्मरक्षा करना सिखा सकते हैं, ऐश्वर्या भी ऐसा कर सकी हैं क्योंकि वो भी उतनी ही सक्षम हैं।

एक्टर ने ऐश्वर्या को बताया सक्षम

अभिषेक बच्चन ने कहा, 'हमारे घर में, माता-पिता के रूप में हम दोनों आराध्या को सही-गलत बताने के बजाय उसके लिए एक आदर्श उदाहरण बनने की कोशिश करते हैं। हमारा मानना है कि खुद वैसा बनकर दिखाना ही सबसे अच्छा है। हमने कभी ऐसा नहीं सोचा कि 'मैं उसे आत्मरक्षा सिखाऊंगा।' अगर आपने मेरी पत्नी को देखा होगा, तो वह अपना ख्याल खुद रख सकती है। हमने कभी यह नहीं सोचा कि 'मैं उसे आत्मरक्षा सिखाऊंगा, तुम (ऐश्वर्या) उसे दूसरों के प्रति सहानुभूति रखना सिखाओ।' नहीं, ऐसा बिल्कुल नहीं है। '

बच्चा देखकर सीखता है - अभिषेक

उन्होंने आगे कहा, 'यह बस अपने मूल्यों और नैतिकता के साथ एक अच्छा, ज़िम्मेदार जीवन जीने के बारे में है। आपका बच्चा इसे देखता है और इसी से सीखता है। इसी तरह आप उसे तैयार करते हैं। इसलिए घर में इस बात की कोई होड़ नहीं होती कि कौन मर्द बनेगा और कौन औरत। बच्चों के मामले में, हम दोनों का मानना है कि आपको उदाहरण पेश करना आना चाहिए, न कि उन्हें सही-गलत सिखाने की कोशिश करनी चाहिए। क्योंकि जो हमारे लिए सही है, वह उनके लिए सही नहीं हो सकता। पीढ़ियां बदलती हैं। हमारी दुनिया बहुत अलग है, और हमारे बच्चों की दुनिया तो और भी अलग होगी। '

अभिषेक की आने वाली फिल्में

एक्टर के वर्कफ्रंट की बात करें तो अभिषेक बच्चन बहुत जल्द रितेश देशमुख निर्देशित ऐतिहासिक ड्रामा 'राजा शिवाजी' में नजर आएंगे। ये उनका मराठी सिनेमा में भी डेब्यू होगा। फिल्म 1 मई 2026 को रिलीज होगी। इसके अलावा, वह शाहरुख खान के साथ सुजॉय घोष की थ्रिलर फिल्म 'किंग' में एक विलेन की भूमिका में दिखाई देंगे, जो दिसंबर 2026 के आसपास आ सकती है।